

## प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 23] No. 23] नह विल्लो, शनिवार, जून 4, 1977/उथे <math>35 14, 1899

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 4, 1977/JYAISTHA 14, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

> भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मत्रावयों और (सब राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केंग्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सांविधिक ग्रावेश और ग्रधिसुचनाएं

Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

## भारत निर्वाचन ग्रायोग

नई विल्ली, 6 मई 1977

श्रादेश

का०आ० 1605 — श्री बाबू लाल निवासी सराय के सामने खैरथल जिला अलवर राजस्थान राज्य जिन्होंने मार्च 1972 में हुए राजस्थान विधान सभा के निर्वाचन के लिए 55-खैरथल निर्वाचन श्रेष्ठ में निर्वाचन लड़ा था को लोक प्रतिनिधित्व श्रिधिनियम 1951 की धारा 10-क के अधीन उक्ष्म श्रीधिनियम और तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा श्रिपेतित अपने निर्धाचन व्यया का कोई भी नेखा दाखिल बरने में श्रक्षकल रहने के कारण द्वम श्रीयोग द्वारा नारीख 12-7-1971 के अपने आवेण द्वारा निर्यादित कर दिया गया था।

और, श्रव उक्त श्री बाब लाल ने निर्वाचन व्ययो का श्रपना लेखा दाखिल करने में श्रपनी श्रसफलना के कारण बताते हुए उन पर श्रधिरोपित निर्द्यंता को स्टाने के लिए निर्वाचन श्रायोग को एक श्रम्यावेदन दिया है,

श्रनः श्रवः, उक्त श्रिशित्यम की धारा 11 द्वारा प्रवत्त शक्तियो का प्रयोग करने हुए निर्वाचन श्राशीण उस पर अधिरोपित निरहेंना की उक्त अविधि को एनद्वारा घटा कर उननी ही करना है जिननी वह वास्तव मे यहन कर कुंके है और उत्तराक्ष्ति श्रीत श्रविद्या श्रविस्ति कालाविधि के लिए इसी समय से हटाई जाती है।

[स॰ राजा० वि० म०/ 55/ 72(ग्रार०)]

## ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 6th May, 1977 ORDER

S.O. 1605.—Whereas Shri Bubu Lal, resident of Opposite Sarai, Khairthal, District Alwar, Rajasthan State, who was a contesting candidate for election to the Rajasthan Legislative Assembly from 55-Khairthal Constituency held in March, 1972 was disqualified by the Commission by its order, dated 12 July, 1974 under Section 10A of the Representation of the People Act, 1951, for his failure to lodge an account of his election expenses as required by the said Act and the Rules made thereunder;

And whereas the said Shri Babu I all has now submitted a representation to the Flection Commission for the removal of the disqualification imposed on him giving teasons for his failure to lodge the account of his election expenses;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 11 of the said Act, the Flection Commission hereby reduces the period of disqualification imposed on him to the period of disqualification already suffered by him and removes the disqualification for the unexpired period with Immediate effect.

[No. RJ-LA/55/72(R)]

#### नई दिल्ली, १ मई 1977

#### <u>प्रादेश</u>

का॰ आ॰ 1608.— फरवरी 1974 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के साधारण निर्वाचन के लिए 413-तकुड विधान सभा निर्वाचन के लिए 413-तकुड विधान सभा निर्वाचन के हैं से निर्वाचन लड़ने वाले एक अध्यर्थी श्री बालेश्वर कुमार, सुपुत श्री बुध सिंह ग्राम वपो॰ प्रा॰ तकुड़, जिला सहारनपुर, उत्तर प्रदेश को लोक प्रति-निधिन्य प्रधिनियम, 1951 की धारा 10-क के प्रधीन, उक्त प्रधिनियम और तद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित रीति से ध्रपने निर्वाचन व्ययो का लेखा दाखिल करने में ध्रमफल रहने के कारण निर्याचन ग्रायोग द्वारा तारीख 26 दिसम्बर, 1975 के ध्रपने प्रावेश सं॰ उ॰ प्र॰-वि॰ स॰/ 413/74(490) हारा निर्योहन कर दिया गया था,

श्रीर, श्रम उक्त श्री बालेश्वर कुमार ने निर्वाचन व्ययों का श्रपना लेखा विधि द्वारा श्रपेक्षित रीति में दाखिल करने में श्रपनी श्रमफलता के कारण बताते हुए उन पर श्रधिरोपित निरहंता को हटाने के लिए निर्वाचन श्रायोग को एक श्रभ्यावेदन दिया है श्रीर उसके बाद उसके समर्थन में एक णपथ-पक्ष भी दाखिल किया है;

भौर, निर्वाचन भायोग का यह समाधान हो गया है कि श्री बालेण्यर कुमार के पास उक्त श्रक्तफलना के लिए पर्याप्त कारण हैं;

ध्रतः ग्रम, उक्त ध्रिधिनियम की धारा 11 द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए निर्वाचन ग्रायोग उन पर श्रिधिरोपित निर्हेता की उक्त ग्रावधि को एतद्धारा घटा कर उननी ही करता है जितनी वह बास्तव मे सहन कर जुके हैं भ्रीर उपरोक्त निरहेता अन्यमित कालावधि के लिए इसी समय में हटाई जाती है।

[सं० 76/305-वि०स०/77(1)]

New Delhi, the 9th May, 1977

#### ORDER

S.O. 1606.—Whereas Shri Baleshwar Kumar son of Shri Budh Singh, village and post-office Nakur, district Saharanpur, Uttar Pradesh, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly from 413-Nakur assembly constituency, held in February, 1974, was disqualified by the Election Commission vide its Order No. UP/LA/413/74(490). dated 26 December, 1975 under section 10A of the Representation of the People Act, 1951 for the failure to lodge the account of his election expenses in the manner required by the said Act and the Rules made thereunder;

And whereas the said Shu Baleshwar Kumar has now submitted a representation to the Election Commission for the removal of the disqualification imposed on him, giving reasons for his failure to lodge the account in the manner required by law and has also since submitted an affidavit in support thereof

And whereas the Election Commission is satisfied that Shri Baleshwar Kumar had sufficient reasons for such default;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11 of the sald Act, the Election Commission hereby reduces the period of disqualification imposed on him to the period of disqualification already suffered by him and temoves the disqualification for the unexpired period with immediate effect.

[No. 76/UP/LA/77(1)]

नई विस्त्री, 10 मई 1977

#### आदेश

का० आ० 1607.—फरवरी, 1974 में हुए उत्तर प्रवेण विधान सभा के साधारण निर्वाचन के लिए 227-बलिया विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने वाले एक भ्रभ्यर्थी श्री रामेश्वर सिंह, शीतल दबनी, यिलया, जिला बिलिया, उत्तर प्रदेश को लोक पितिनिधिन्न प्रिधितियम, 1951 की धारा 10-क के प्रयीत, उक्त प्रधितियम ग्रौर तद्धीत बताए गए तिसमी द्वारा प्रपिक्षित ग्रपत निक्षित व्ययो का कोई भी लेखा वाखिल करने में ग्रमुकल रहने के कारण निक्षित ग्रामोग द्वारा नारीख 26 दिसम्बर 1975 के भ्रपने भ्रादेश संव उ०प्रव/विवसव/ 227/74(171) द्वारा निर्राहित कर दिया गया था,

श्रौर, श्रव उक्त श्री रामेण्वर सिंह ने उन गर श्रिधिरोपित निरहेंता को हटाने के लिए निर्वाचन सायोग को एक सभ्याबेदन यह कहने हुए दिया है कि वस्तुन, उन्होंने प्रथमा निर्वाचन व्ययो का लेखा विधि द्वारा निर्धारित समय के प्रत्युर दाखिल कर दिया था श्रौर उन्होंने श्रपना निर्वाचन व्ययो का लेखा जिला निर्वाचन व्ययो का लेखा जिला निर्वाचन श्राफ्तर के पास दाखिल करने के समर्थन में मूल पायती भी तारीख 29 मार्च 1974 को प्रस्तुन कर दी है;

भीर, श्री रामेश्वर सिह्दारा प्रस्तृत की गई पावती से उनके कथन की सचाई के दारे में निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है;

भ्रतः, श्रमः उक्तः भ्रधिनियमं की धारा 11 द्वारा श्रवन मिन्नियो का प्रयोग करते हुए निर्वाचन भायोग उनकी निरह्ना को एनद्द्वारा हमी समय में हटाना है।

[सं० 76/उ०प्र०/वि०स०/77(2)]

New Delhi, the 10th May, 1977

#### ORDER

S.O. 1607.—Whereas Shri Rameshwar Singh, Shital Dawani, Ballia, District-Ballia, Uttar Pradesh, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly from 227-Ballia Assembly constituency, held in February, 1974, was disqualified by the Election Commission vide its Order No. UP/1.A/227/74(471), dated 26th December, 1975 under section 10A of the Representation of the People Act, 1951 for the failure to lodge any account of his election expenses as required by the said Act and the Rules made thereunder;

And whereas the said Shii Rameshwar Singh has now submitted a representation to the Election Commission for the removal of the disqualification imposed on him, stating that he actually submitted his account of election expenses within the time required by law and has also submitted an original receipt in support of his lodging the account of election expenses with the District Election Officer on 29 March, 1974:

And whereas the Election Commission is satisfied by the receipt produced by Shri Rameshwar Singh as to the authoricity of his statement;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11 of the said Act, the Election Commission hereby removes his disqualification with immediate effect.

[No. 76/UP-I A/77(2)]

म**र्क विल्ली**, 11 मर्क 1977

#### ग्रादेण

का०मा० 1608 — श्री चन्द्र भान सिंह निवासी, ग्राम य डाकखाना निधीली कलां, जिला एटा, उत्तर प्रदेश को उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए फरवरी, 1974 में हुए साधारण निर्वाचन में 349-निधीली कलां निर्वाचन केन्न से निर्वाचन लड़ने वाले एक अभ्यर्थी थे, लोक प्रतिनिधित्व प्रक्षितियम, 1951 की धारा 10-क के अधीन निर्वाचन खायोग द्वारा उसके खादेण सं० उ०प्र०/वि०स०/349/74(306) नारीख 20 अक्टूबर 1975 तारा उकन अधिनियम नथा नद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा खोकित अपने निर्वाचन क्यां का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल राह का करना निर्वाचन कर दिए गए थे,

श्रीर उक्त श्री बन्द्र भान सिंह ने ग्रंब निर्वाचन श्रायोग को उन पर ग्रंबरोपित निरईता की हटाने के लिए विधि श्वारा श्रमंक्षित श्रपने निर्वाचन उपयो का कोई भी लेखा दाखिल करने में अपनी श्रमकलता के कारण बताते हुए एक श्रभ्यायेदन प्रस्तुत किया है और उन्हाने श्रव विधियत रूप से श्रपने हस्ताक्षर सिंहत निर्वाचन व्ययो का लेखा भी प्रस्तुत कर दिया है:

श्रीर निर्याचन श्रायोग का यह समाधान हा गया है कि श्री चन्द्र भान सिंह के पास इस श्रसफलना के लिए पर्याप्त कारण थे और उनके द्वारा श्रथ श्रस्तुत किया गया निर्याचन स्थाग का लेखा विधि द्वारा श्रोक्षित रीति से वाखिल किया गया है;

स्रत स्रवं उक्त स्रिधितियम की धारा 11 द्वारा प्रदत्त गक्तिया का प्रयोग करते हुए निर्वाचन स्रायोग एतव्हारा उनकी निरहेंना को इसी गमय से हटाता है।

[ম০ 76/૩০ঘ০-বি০ম০/77(3)]

ए० एन० मैन, मचित्र

New Delhi, the 11th May, 1977

#### ORDER

S.O. 1608.—Whereas Shri Chandra Bhan Singh (Nidhauli Kalan), Village and P.O. Nidhauli Kalan, District Etah, Uttar Pradesh, a contesting candidate for general election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly from 349-Nidhauli Kalan assembly constituency, held in February, 1974, was disqualified by the Ficction Commission vide its Order No. UP-LA/349/74(306), dated 20 October, 1975 under section 10A of the Representation of the People Act, 1951 for the failure to lodge an account of his election expenses as required by the said Act and the Rules made thereunder;

And whereas the said Shri Chandra Bhan Singh has now submitted a representation to the Election Commission for the removal of the disqualification imposed on him, giving reasons for his failure to lodge the account required by law and has also since submitted an account of his election expenses duly signed by him;

And whereas the Election Commission is satisfied that Shii Chandra Bhan Singh had sufficient reasons for such default and that the account of election expenses now submitted by him is in the manner required by law.

Now, therefore, in exercise of the powers contented by section 11 of the said Act, the Election Commission hereby removes his disqualification with immediate effect.

[No. 76/UP-LA/77(3)] A. N. SEN, Secv.

## नर्ड दिल्ली, ९ मर्ड, 1977 आदेश

काल्बार 1609 — मार्च 1972 में हुए मध्य प्रदेश विधान सभा के साधारण निर्वाचन के लिए 93, कोटा निर्वाचन केन्न से निर्वाचन लड़ने बाले एक प्रकार्यी थी मंगल प्रसाव, प्राम देवगाव, पो० पेन्डरा रोड. नहसील तथा जिला बिलासपुर को लोक प्रतिनिधिन्व प्रधिनियम 1951 की धारा 10-क के प्रधीन उक्त प्रधिनियम और नद्धीन बनाए गए नियमो द्वारा अपेक्षित प्रपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दान्निल करने में प्रसाकल रहने के कारण निर्वाचन प्रायोग द्वारा तारीख 29 मर्छ 1974 के प्रभने अविष्य मंठ मंठप्रठ-विज्या०/93/72(38) द्वारा निर्याहन कर दिया गया था ,

भ्रौर भव उक्त श्री मगल प्रसाद ने उस पर भ्रक्षिरोपित निर्हिता को हटाने के लिए निर्वाचन भ्रायोग को एक भ्रभ्यावेदन दिया है : श्रवः श्रव उन्त श्रिधिनियम की धारा 11 द्वारा प्रवन्त शक्तियों का प्रमाग करते हुए निर्वाचन श्रायांग उन पर श्रिधरोपित निरहंता की उन्त श्रवधि को एतद्वारा घटा कर उननी ही करना है जितनी वह वास्तव में सहन कर चुके है श्रीर उपरोक्त निरहंता भनविन्त कालाविधि के लिए इसी समय से हटाई जाती है।

[सं० म०प्र०/वि०म०/93/72]

New Defhi, the 9th May, 1977

#### ORDER

S.O. 1609.—Whereas Shii Mangal Prasad, Village Deorgaon, Post Pendra Road, Tahsil Bilaspur, District Bilaspur, a contesting candidate for general election to the Madhya Piadesh I egislative Assembly from 93-Kota constituency held in March. 1972, was disqualified by the Election Commission vide its Order No. MP-LA/93/72(38), dated 28 May, 1974, under section 10A of the Representation of the People Act, 1951 for failure to lodge the account of his election expenses as required by the said Act and the rules made thereunder;

And whereas the said Shii Mangal Prasad has now submitted a representation to the Election Commission for the removal of the disqualification imposed on him;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11 of the said Act, the Election Commission hereby reduces the period of disqualification imposed on him to the period of disqualification already suffered by him and removes the disqualification for the unexpired period with immediate effect.

[No. MP-LA/93/72]

#### नई दिल्ली, 13 मई 1977

का॰ शां 1610.— लोक प्रतिनिधिस्व ग्रिधिनियम 1950 (1950 का 43) की धारा 13-क की उपधारा (1) द्वारा प्रवक्त शिक्तयों का प्रयोग करने हुए भारत निर्वाचन प्रायोग, सिक्किम सरकार के परामर्श से, श्री डी॰ सी॰ लुकसोम के स्थान पर श्री डी॰ कें॰ मानवलन, श्राई॰ए०एस॰, मंडल श्रायुक्त, सिक्किम को नारीख 2 श्रप्रैल 1977 के सिक्किम राज्य के लिए मुख्य निर्वाचन श्राफिसर के रूप में श्रगले श्रावेशों तक एतव्हारा नाम निर्वेशित करता है।

[स॰ 154/सिक्किम/77]

স০ কৃ০ দিश্ব, দব্বিব

New Delhi, the 13th May, 1977

S.O. 1610.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of Section 13A of the Representation of the People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission, in consultation with the Government of Sikkim, hereby nominates Shri D. K. Manavalan, I.A.S. Divisional Commissioner, Sikkim as the Chief Electoral Officer for the State of Sikkim, with effect from 2 April, 1977 and until further orders vice Shri D. C. Lucksom.

[No. 154/SKM/77]

P. K. MISRA, Secy.

## विधि. न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(स्याय विभाग)

न**ई** दिल्ली, 16 मई, 1977

का॰बा॰ 1611 — केन्द्रीय मरकार पारसी विवाह धौर विवाह-विच्छेद ब्रिधिनियम 1936 (1936 का 3) की धारा 20 के साथ पठिन धारा 18 द्वारा प्रदत्त मिक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस अधिनियम के अधीन बादों की सुनवाई के प्रयोजनार्थ विस्ती में पारसी जिला विवाह-विषयक त्यायालय के रूप में ज्ञात एक विशेष न्यायालय गठित करती है। जिला दिल्ली में समाविष्ट क्षेत्र उस न्यायालय की अधिकारिता की स्थानीय सीमाए हांगी।

[मं० 29/7/77-न्याय]

महेश नारग, भ्रवर सचिव

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

#### (Deptt. of Justice)

New Delhi, the 16th May, 1977

S.O. 1611.—In exercise of the powers conferred by section 18, read with section 20, of the Parsi Marriage and Divorce Act, 1936 (3 of 1936), the Central Govt, hereby constitutes a Special Court at Delhi to be known as the Parsi District Matrimonial Court for the purpose of hearing suits under that Act and the areas comprised in the district of Delhi shall be the local limits of the jurisdiction of that Court.

[No. 29/7 77-Jus.]

M. C. NARANG, Under Secy.

#### वित्त मंत्रालय

## (राजस्व ग्रीर वैकिंग विभाग)

(बैकिंग पक्षा)

**नई वि**ल्ली, 17 मई, 1977

का श्वार 1612.—भारतीय रिजर्व बैंक श्राधितियम 1934 (1934 का 2) की धारा 53 की उपधारा (1) के श्रनुसरण में केन्द्रीय सरकार एभद्द्वारा निदेश देता है कि भारत सरकार, वित्त मलालय (श्राधिक कार्य विभाग) की दिनाक 12 जून 1962 की संख्या एस० ग्रो० 1906 की श्राधमुखना में निम्नलिखित सशोधन किये जायेगे:—

उपर्युक्त मधिमूचना मे सलग्न फार्म 'क' भ्रौर 'ख' में भ्रन्त मे पड़ने बाले शह्य "गयर्नर" के स्थान पर "गवर्नर या उप-गवर्नर" रखा आयेगा।

[स०एफ० 1**/1/76-सी० म्रो०**1]

सी०४ब्स्यु० मीरचन्दानी, ग्रवर सचिव

# MINISTRY OF FINANCF (Department of Revenue and Banking)

#### (Banking Wing)

New Delhi, the 17th May, 1977

S.O. 1612.—In pursuance of sub-section (1) of section 53 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Central Government hereby directs that the following amendments shall be made in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. S.O. 1906, dated the 12th June, 1962, namely:—

In Forms 'A' and 'B' annexed to the said notification, for the word "Governor" occurring at the end, the word, "Governor or Deputy Governor" shall be substituted.

[No. F. 1/1/76-BO. 1]

C. W. MIRCHANDANI, Under Secy

#### नई दिल्ली, 19 मई, 1977

का श्या 1613 --- श्रीकर विनियमन प्रिधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पिठन धारा 53 द्वारा प्रक्षण शक्तियां का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्थ बैंक की मिफारिश पर एतद्वारा धोषणा करती है कि उक्त प्रधिनियम की धारा 11 की उप-धारा (1) के उपात्रध 31 मार्च, 1976 से 29 फरकरी 1978 तक राजस्थान स्टेट इडस्ट्रियल काम्रोपरेटिक केंक लिसिटेल, जयपुर, पर लाग्नहीं होंगे।

[स० एफ० 8-3/77-ए०सी०] बी० एन० **बहाद्र**, **उप-म**चिव

New Delhi, the 19th May, 1977

SO. 1613.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (1) of Section 11 of the said Act shall not apply to the Rajasthan State Industrial Cooperative Bank Ltd., Jaipur, for the period from 31 March, 1976 to 28 February, 1978,

[No. F. 8-3/77-AC] V. N. BAHADUR, Dy. Secy.

## केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्ता, कार्यालय, पश्चिम बंगाल

(केम्ब्रीय उत्पाद शुल्क)

कलकला, ७ भ्रप्रैल 1977

काश्या 1614.— नेन्द्रीय उत्पाद गृहक नियम 44 के नियम 5 के द्वारा प्रवक्त गियम 44 के नियम 5 के द्वारा गृहक गिरियों, जो प्रधीक्षक के पद से नीचे के न हो, को बेन्द्रीय उत्पाद गृहक समाहर्ता के 24 घण्टे की प्रवधि की छुट देने में मंबधित का छं अमता जिमका उल्लेख केन्द्रीय उत्पाद गृहक नियम 44 के नियम 173-द्वारों के उप-नियम (1) में धीर मंगोधित दिलांक 29/1/77 की श्रीधमूचना मु 5/77 में किया गया है, का उपयोग करने की श्रमुमित देता ह जिसका प्रयोग ये पश्चिम बगाल समाहर्तालय के श्रपने सम्बन्धित कार्य क्षेत्र में करेंगे।

[प्रधिसूचन। स० 5/के०उ०/1977/मी०स० IV (16) 12-के०उ०/प०सं०/77] ए० के० भौमिक, समाहर्षा

## Collectorate of Central Excise and Customs, West Bengal

#### CENTRAL EXCISE

Calcutta, the 9th April, 1977

S.O. 1614.—In exercise of the powers conferred upon me under rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I, do hereby empower the Central Excise Officer not below the rank of Superintendent of Central Excise to exercise the power of the Collector of Central Excise in his respective jurisdiction of West Bengal Collectorate in so far as granting of relaxation of the time limit of 24 hours laid down in Sub-rule (2) of Rule 173-O and Sub-rule (1) of Rule 185 of the Central Excise Rules, 1944 as amended under Notification No. 5/77-CF dated 29-1-77 is concerned

[Notification No. 5/CE/1977 C. No 1V(16)12-CE/WB/77]

A. K. BHOWMIK, Collector

(ii) विशेष सकिल, जमणेक्ष्पण ।

(iv) स्थायकर मधिकारी सर्वे जसशेदपुर ।

(iii) वेतन सर्कित, जमणेदपुर ।

#### ì 2 .3 कोन्द्रीण प्रत्यक्ष कर बोर्ड नई दिल्ली ३। दिसम्बर, 1976 (v) पटना कावाई. (i), (ii) श्रीर (iii), ग्रागकर पटसा । (vi) पटना-∏ का वार्ड (i) (ii) ग्रीर(iii) **का॰का 1615** -- प्रायकर प्रतिनियम 1961 का (1961 43) (vii) विशेष मिलल- पटनः। री जार, 122 की उपबारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्तियों। प्रीर इस निमित्त (viii) विशेष सक्ति 🗓 पटना । उसे समर्थ बनाने वाली अन्य सभी णोक्तयों का पर्या ५ स्टे हुए केन्द्रीय (ix) ग्राई० टी० मी० मॉकल-I, पटना । प्रत्यक्ष कर बर्फ, समय-समय पर पया सशोधित प्रथनी प्रधिसूचना स० (x) ग्राई० टी० मी० मक्तिल-11, पटना। 748 (फा॰ स॰ 261/7/74-प्राई टी जे) नारीख 10 प्रक्रव्वर, 1974 (xi) ग्राई० टी० सी० मकिल वेगगराय । म निर्मालखित भगोपन श्रीर करती है --2 ख-रेन पटना (i) विशेष समादा शुक्त एवं श्रायकर सिंकल क्ता ना । पर गरायक स्नायक्त (अपील)रेज जवलपुर के सामने पटना । रतम्भ 3 में निस्तर्लिखित जोडा जाएगा, (ii) णाहब≀द सकिल, ध्रारा। "26 माई टी ग्रा रीवा" (iii) श्रायकर सर्किल, गत्साराम । यह सधिमुचना ।-1-1977 में प्रभावी है। (iv) श्रायकर सकिल, पटना श्रायकर सकिल. य₁ई क, ख, ग, घ, और ङ को छ।इ कर । [মাঁ০ | 160 ব/কা০ ম০ 26 1/ 19/ 76- সাঠি০ঠা০ লৈ ০ (v) भ्रायकर मकिया, नालन्वता (vi) भ्रायकर सकिल- II, पटन (1 CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES (vii) श्रायकर सर्किल, पुणिया। New Delhi, the 31st December, 1976 उ. मुजप्फरपूर रेंज (j) ग्रायकर समिल, म्जपकरपर । INCOMF-TAX (ii) विशेष सर्किल, म्जापफरपुर । **S.O.** 1615.—In exercise of the powers conferred by section (1) of Section 122 of the Income tax Act. 1961(43 of 1961) and (iii) आयकर सकिल, मोतीहारी । of all other enabling powers in this behalf, the Central Board (iv) भ्रायकर सक्तिल, स्रेतिया। Direct Taxes. New Delhi hereby direct the following (v) प्रायकर सकिल, छपरता further amendment in the Schedule appended to the Notification No. 748 (F. No. 261/7/74-ITJ) dated the 10th October (vi) भ्रायकर अधिकारी सर्वेक्षण, मजपकरप्र। 1974 as amended from time to time :--(vii) श्रायकर मर्किन, महारमा । Against AAC Jabalpur Range, Jabalpur at Serial No. 5 (i) भ्रायकर सकिल, भागलपुर । there shall be added the following under column No. 4. भागलपुर रेज (ii) श्रायकर सकिल, मगेर । "26, 11O, Rewa". (iii) श्रायकर सर्किल, देवगढ़। This Notification shall take effect from 1-1-77. (i) श्रायकर मिकल, राची । 5. रामी रेंज [No. 1605 F. No. 261/19/76-ITJ] (ii) विशेष सर्किन, रांची । (iii) विशेष प्रायक्तर एव सम्पदा शुल्बा समिट. नई दिलभी, १५ जनवरी, 1977 गंची ≀ ग्यक्र (iv) वेयन सर्किल, राची । भाव भाव 1616.---प्राथकर प्रधिनियम, १५५१ (१५५) का ४३) (v) भ्रायकर भ्रधिकारी सर्वक्षण, राची । की धार। 122 की उपबारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तिया और इस निमित्त (i) श्रायकर सर्किल, दरमगा। 6. दरभंगा रेज उसे समर्थ बनाने बाली श्राय सभी णवितय। था प्रयाग करते हुए धीर इस (i) भ्रायकर सकिल-I, धनवाद । 7. नवाद रेज सबध में सभी पूर्वतन श्राबस्चनाश्रो को अधिशान नरन हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष (ii) ग्रायकर सकिल-∐, धनबाद ≀ कर बार्ड निदेश देता है कि नीय वी अनुसूची में स्तम्भ (2) में बिनिधिन्ट (iii) विशेष सर्तिल, धनवाद । रेजो के सह।यक प्रायकर प्रायक्त (प्रापीत) उसके रतम्म 3 में जन्सम्बन्धी प्रविन्टि में विनिशिष्ट ग्रायकर सकिता बोर्ग ग्रीर जिला में श्रायकर या (iv) भायकर संकिल, बोकारो बी० एस० स्रोजित से निर्मारित सभी व्यक्तियों स्रीर स्राया के बार से स्रवने क्रिया का मिटी । पालन करेगे :---(v) ग्रायकर प्रधिकारी, सर्वे, धनबाद । (vi) प्रायकर मर्किल, गिरीधीह । यन्पूर्वा (vii) प्रायकर सर्किल, हजारीबाग। **4**∙म श्रायकर सकिल वाई फ्रीरजिले (viii) भ्रायकर संकित, डाष्ट्रनगज । (ix) आयकर समिल, गया। 1 अमगंत्रपर रेज (i) श्रायकार सकिल, जमणेदपुर । (i) विशेष सकिल, पटना । (. क-रेज, पटन)

(ii) बाई क. ख. स. ध. ग्रीर र मिकल पटना।

(m) क्राई० ठी० श्रो०, सर्वे, पटना। (iv) विगेष श्रन्वेषण सर्किल, पटना।

जहां काई भ्रायकर सर्किल, बार्ड या जिता या उसका भाग इस श्रधिसूचना द्वारा रेज से किसी श्रन्य रेंज की श्रन्तरिय हा जाता है, वहां उस श्रायकर मिकल बाई या जिले या उसके भाग को किये गये निधरिणों से उत्पन्न हाने वार्ला और उस रेज के, जिससे वह प्रायकर सर्किप, बार्ड या जिला या उसका भाग भ्रन्तरित हुआ है, सहायक भ्रायकर श्रायक्त (प्रापील) के समक्ष इस अधिसूचना की तारीख के ठीक पूर्व लिम्बत अपीले, उस नारीख से जिस नारीख को यह प्रधिसूचना प्रभावी हानी है, उस रेज के, जिसको उक्त सर्किल, वार्ड या जिला या उसका भाग घन्तरित हुन्ना है सहायक आयकर प्रायुक्त (प्रपील) की अन्तरित की जाएगी घीर उसके द्वारा उन पर कार्यवाही की जाएगी।

यह अधिमूचना 17-1-1977 से प्रभावी होगी।

[स॰ 1625(फा॰ स॰ 261/3/77-ग्राई०टी० जे०)]

## New Delhi, the 15th January 1977

S.O.1616 —In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and of all other powers enabling it in this behalf, and in supersession of all the previous Notifications in this regard the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax of the ranges specified in column 2 of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax circles, Wards or District Specified in the corresponding entry in column 3 thereof.

INCOMF-TAX

#### **SCHEDULE**

SCHEDOLE				
Sl. No. Range Income-tax Circles, War				
(1)	(2)	(3)		
1. A-Range	, Patna.	(i) Special Circle, Patna. (ii) Wards, A.B.C.D. & E of I.T. Circle, Patna. (iii) I.T.O., Survey, Patna. (iv) Special Investigation Circle Patna. (v) Wards, (i), (ii) & (iii) of Patna-I, Patna. (vi) Wards (i), (ii) & (iii) of Patna-II. (vii) Special Circle-I, Patna. (viii) Special Circle II, Patna. (ix) I.T. Circle-I, Patna. (x) I.T. Circle-II, Patna. (xi) I.T. Circle-II, Patna.		
2. B- Range, Patna (i) Special F.DCum-I.T Circle, Patna.				

(ii) Shahabad Circle, Arrah. (iii) I.T. Circle, Sasaram.

(v) I.T. Circle, Nalanda.

(vii) I.T. Circle, Purnea.

(iv) I.T. Circle, Patna excluding

of f.T. Circle, Patna.

(vi) I.T. Circle, III, Patna.

Wards-A, B. C. D & E

(1)	(2)	(3)
3. Muza	ffarpur Range.	(i) I.T. Circle Muzaffarpur. (ii) Special Circle, Muzaffarpur. (iii) I.T. Circle, Motihari. (iv) I.T. Circle, Bettiah. (v) I.T. Circle, Chapra. (vi) I.T.O. Survey, Muzaffarpur (vii) I.T. Circle, Saharsa.
4. Bhaga	lpur Range	(i) I.T. Circle, Bhagalpur. (ii) I.T. Circle, Monghyr. (iii) I.T. Circle, Deoghar.
5. Ranch	i Range	<ul> <li>(i) I.T. Circle, Ranchi.</li> <li>(ii) Special Circle Ranchi.</li> <li>(iii) Special E.D. Cum-IT. Circle, Ranchi.</li> <li>(iv) Salary Circle, Ranchi.</li> <li>(v) Ι.Γ.Ο, Survey, Ranchi.</li> </ul>
6. Daibh	anga Range.	. (1) I.T. Circle Darbhanga.
7. Dhanb	ad Range .	. (i) I.T. Circle, I Dhanbad (ii) I.T. Circle II, Dhandbad. (iii) Special Circle, Dhanbad. (iv) I.T. Circle, Bokare, B.S. City. (v) I.T.O. Survey, Dhanbad. (vi) I.T. Circle Giridih. (vii) I.T. Circle, Hazaribagh. (viii) I.T. Circle, Daltonganj. (ix) I.T. Circle, Gaya.
8. Jamshe	dpur Range	<ul> <li>(i) I.T. Circle, Jamshedpur.</li> <li>(ii) Special Circle, Jamshedpur.</li> <li>(iii) Salary Circle, Jamshedpur.</li> <li>(iv) I.T.O. Survey, Jamshed-</li> </ul>

Where an Income-tax Circle, Ward or District of Part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another range, appeal arising out of the assessment made in that Income-tax Circle, Ward or District or part there of and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of the Range from whom the Income-tax Circle, Ward or District or Part thereof is transferred shall from the date this Notification shall take effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 17-1-77,

[No. 1625 (F. No. 261/3/77-ITJ)]

pur.

#### ग्रायकर

कार प्रारं 1617.-- प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों भीर इस निमित्त उसे समर्थ बनाने बाली प्रन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए भीर इस सम्बन्ध में सभी पूर्वतन प्रधिसुचनाओं को ग्रंगत उप।तरित करते हुए, केन्द्रीय प्रस्थक्ष कर बार्ड निदेण देना है कि नीचे की धनसूची के स्तम्भ 2 में विनिद्दिष्ट रेंजो के सहायक श्रायकर आयुक्त (अपील) उसके स्त्रम्भ 3 में तत्सम्बन्धी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट प्राय कर गर्किली, वाडी भौर जिलों में प्रायकर या प्रधिकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों ग्रीर द्यायों के बारे में प्रपने कृत्यों का पालन करेगे:---

				अन्सची
कम	सढ	या	— रेंज	ग्रायकर सर्किल, बार्ड ग्रीर जिले
	I	_		3
	1	ঠ	रेंज, नई दिल्ली	(i) जिला III (14), 14 (म्रिनिरिक्त), (25),(25) (म्रिनिरिक्त) (27), (28), (29), (30), (31), (32), (32) श्रनिरिक्त (33), (34) श्रीर 35, नई दिल्ली।
				(ii) मर्वेक्षण मकिल-III ग्रौर III श्रीतरिका मर्वेक्षण मकिल, नर्ड दिल्ली।
				(iii) परिवहन सर्कित प्रथम प्रतिरिक्त परिवहन सर्किल ग्रीर द्विनीय प्रतिरिक्त परिवहन सर्किल, नई दिल्ली।
				(iv) जिला III-वार्ड ज झाण टढक(।) ट (एल) इट (।), च(।), झा(।) झीर ट(।) नई दिल्ली।
				(V) विषोष निर्धारण सर्किलो 1, 2, 3,4 ग्रीर 9 नई दिल्ली
				(vi) विगेष सर्वेक्षण सक्तित 2,3,4 श्रीर 9 नई विस्ली !
				(vii) आयकर एवं धनकर मर्किल⊸ ।, नई दिल्ली ।
				(viii) ख़−6, <b>ख़−7</b> , ख़−7 (अनिस्थित) खु9 फ्रौर ख़ 9 (अनि०) नई विस्ली !
		<u>.</u>	4	र सर्किल, बार्ड या जिला या उसका भाग इस

जहां कोई श्रायंकर सिकल, बार्ड या जिला या उसका भाग इस श्रीभ्रमूचना द्वारा एक रेंज से किसी श्रत्य रेज को श्रन्तरित हो जाता है वहां उस श्रायंकर सिकल, बार्ड या जिले या उसके भाग में किए गए निर्धारणों ने उत्पन्न होने वाली श्रीर उस रेंज के, जिससे यह श्रायंकर सांकल, बार्ड या जिला या उसका भाग श्रन्तरित हुंझा है, सहायंक श्रायंकर सांस्कृत (श्रंपील) के समक्ष इस श्रीभ्रमूचना की तारीख के ठीक पूर्व लिस्ति श्र्मील, उस तारीख से जिस तारीख को यह श्रीभ्रमूचना प्रभावा होती है, उस श्रेज के, जिसको उक्त सिकल, बार्ड या जिला या उसका भाग श्रन्तरित हुंशा है सहायंक श्रायंकर श्रायंक्षत (श्रंपील) को श्रन्तरित की जाएगी श्रीर उसके द्वारा उन पर कार्यंबाही की जाएगी।

यह प्राधमुचना 17-1-77 से प्रभावी होगी।

[स॰ 162 (फा॰ स॰ 261/2/77-प्रार्ट० टो॰ ने॰)]

## INCOME-TAX

S.O. 1617.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf in partial modification of all previous notifications in this regard the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Ranges specified in Column 2 of the Schedule below shall perform their functions in respect of the persons and incomes assessed to Income Tax or Super Tax in the income-tax Circles, Wards and Districts specified in the corresponding entry in Col. 3 thereof:—

#### **SCHEDULE**

SI.	l. No. Ranges		Income-tax Circles/Wards & Distts
ı	2		3
1.	1. 1 Range, New Del		Delhi. (i) Distt. III (14), 14 (Addl.) (25), (25), Addl. (27) (28), (29), (30), (31), (32), (32) Addl. (33), (34) & (35) New Delhi. (ii) Survey Circle- III & IJIrd Addl. Survey Circle, new Delhi. (iii) Transport Circle, 1st Addl. Transport Circle and IInd Addl. Transport Circle, New Delhi. (iv) Distt. III- Wards H.I.J. K,L, A (I) C(I)E(I), G(I) I (I) & (K) (I), New Delhi.
			<ul> <li>(v) Special Assessment Circles  I, II, III, VI, VII, VIII,  &amp; X New Delhi.</li> <li>(vi) Special Survey Circle-II  III, IV &amp; IX New Delhi.</li> <li>(vii) Income-tex-cum Wealth-tax  Circle-II New Delhi.</li> </ul>
_			(viii) B-VI, B-VII, B-VII (Addl) B-IX & B-IX (Addl.) New Delhi

Where an Income-tax Circle, Ward or Districts or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range appeals arising ou of the assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of the Incometax of the ranges from whom that Income-tax Circle, ward or District or part thereof is transferred shall from the date this notification takes effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 17-1-77.

[No. 1624 (F.No. 261/2/77-ITJ)]

मई दिल्ली, 7 फरवरी, 1977

#### ऋ/यकर

का० था० 1618 — आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
13) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त गक्तियों थीर इस
निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली श्रन्य सभी णक्तियों का प्रयोग करने हुए
और इस सम्बन्ध में सभी पूर्वनन अधिसूचनाओं को श्रंगत उपांनरित करने
हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड निदेण देता है कि नीचे की श्रनुसूची से
स्तरभ 2 में विनिदिष्ट रेजों के सहायक आयकर आयुक्त (श्रपील) उसके
स्तरभ 3 में तन्मम्बन्धी प्रविष्टि में विनिदिष्ट श्रायकर सिक्तो, वाडों

श्रीर जिलों में श्रायकर या अधिकर से निर्धारित सभी व्यक्तियो श्रीर श्रायों के बारे में श्रपने फुल्यों का पालन करेंगे:→-

#### अमुसुची

अमृ <b>सूचा</b>				
य.म रेज श्रायकर सर्किल, वार्ड श्रीर जि सख्या	শ			
1 2 3				
1 'ज'रेज नई दिल्ली (i) कल्ट्रैकटर्स सर्किल, नई	दिरूपी			
2 'छ' रेज नई दिल्ली (i) कम्पनी सर्किल, 17, 1 (ii) त्रिकेप सर्किल 2, 2 नई दिल्ली (iii) त्याश सर्किल, नई ! (iv) आयकर एवं सम्पदा नई दिल्ली (v) भ्रतिरिक्त संपदा शुल्क सर्विल, नई दिल्ली !	(ग्रतिरिक्त) विल्ली। कर सर्किल,			
3 3 विशेष रेज नई विल्ली (i) कम्पनी मिकल, 1, 3 और 22 नई विल्ली (ii) डी॰ II जिला नई विल्ली (iii) बकील सिकल, नई विल्ली (iv) जिला 6(1) (स्रिनिरि (4), (5) (6), (6) (7), (7) (स्रिनिरिक्न) (10) (10) (स्रिनिरिक्न) (12), (13) (14), नई दिल्ली (v) जिला IV, वाई, क(ई (I), क (II), ख (स्रिन (ग) स्रिनिरिक्न, ग(1), ग-1 स्रिनीरिक्न, ग(1), ग-1	देल्ली। ली बन)(2)(3),, (प्रतिरिक्न) (8) (9) (11), ग्रोर (15) ग्रीरिक्न), क (ग्रीरिक्न),			
4. विणेष रेज IV (i) कम्पनी सर्किल, 5,8 र नई दिल्ली दिल्ली (ii) विशेष सर्कित, 1, ग्रीर 9 नई दिल्ली ।	प्रीर 11 नई			

जहां कोई धायकर सिकल, बाई या जिला या उसका भाग इस धिभुचना द्वारा एक रेज से किसी अन्य रेज को अन्तरित हो जाता है वहां उस आयकर सिकल बाई या जिले या उसके भाग में किए गए तिर्धारणों में उत्पन्न होने वाली और उस रेंज के, जिससे वह आयकर सिकल, बाई या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है, सठायक आयकर आयुक्त, (भ्रपील) के समझ इस धिभुचना की मारीख के ठीक पूर्व लस्थित भ्रपीलें, उस नारीख से जिस सारीख को यह अधिभुचना प्रभावी होती है, उस रेज के, जिसका उक्त सिकल, बाई या जिला या उसका भाग अन्तरित हुआ है सहायक भ्रायकर आयुक्त (भ्रपील) को अन्तरित की आएगी और उसके द्वारा उन पर कार्यबाही की जाएगी।

यह अधिसूचना 7-2-77 से प्रभावी होंगी।

[सं॰ 1651/(फा॰ सं॰ 261/2/77-प्राई० टी॰ मे॰)]

एस० रामास्वामी, ग्रवर मचित्र।

#### INCOME-TAX

New Deihi 7th February, 1977

S.O 1618.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in partial modification of all previous notifications in this regard the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Ranges specified in Column 2 of the Schedule below shall perform their functions in respect of the persons and incomes assessed to Income-tax or Super Tax in the Income-tax Circles, Wards, and Districts specified in the corresponding entry in Col. 3 thereof:

#### **SCHEDULE**

SI. No.	Range	Income-tax Circles/Wards & Distts.
1	2	3
1 '	H' Range, New Delhi	. (1) Contractors' Circles, New Delhi.
2. '	G' Range, New Delhi	(i) Companies Circles-XVII, XVIII, New Delhi
		(ii) Special Circle-II, II (Addl.), New Delhi.
		(iii) Trust Circles, New Delhi.
		(iv) Income-tax-cum Estate  Duty Circle New Delhi.
		(v) Addl. Fstate Duty-cum-
		Income-tax Circle, New,
		Delhi.
3. S	pecial Range-II, New	(i) Companies Circles-I, IV,
Ε	Delhi,	VI, IX, XXI, & XXII New Delhi.
		(ii) D-II, District, New Delhi,
		(iii) Lawyers' Circles, New Delhi.
		(iv) Distt. VI (1), (1) (Addl,
		(2), (3), (4), (5), (6)(6) (Addl.), (7), (7) (Addl.),
		(8), (9), (10), (10) (Addl.),
		(11), (12), (13), (14) &
		(15), New Delhi.
		(v) Distt. VI, Wards A, A(Addl.),
		A(I), A(II), B (Addl.), (C), (C) Addl., C(I), C(I)
		(Addl.), D&E, New Delhi.
		/ A

Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, Appeals arising out of the assessments made in that income-tax Circle, Wards or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of the Income-tax of the ranges from whom that Income-tax Circle, Wards or Districts or part thereof is transferred shall from the date this notification takes effect be transferred to and dealt with by the

(1) Companies Circles V, VIII

& XI, New Delhi.

(ii) Special Circles-I, I(Addl.),

VII & IX, New Delhi.

4. Special Range-IV, New

Delhi.

Appellate Assistant Commissioner of the range to whom the said circle Wird or District or part thereof is transferred

This notification shall (ake effect from 7-2-77.

[No. 1651 (F.No. 261/2/77-ITJ)]

S. RAMASWAMY, Under Sccy.

## नई दिल्मी, 1 फरश्ररी, 1977 ग्रायकर

का० शरं विशिश - श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा 122 की उपधारा (1) ढारा प्रवत शिवतयों प्रौर हम निमित्त उसे समर्थ बतान वाली अन्य राभी शिवतयों का प्रयाग करने हुए और इस सम्बन्ध में सभी पूर्वतन प्रधिमूचनाओं को प्रणत उपानिति करने हुए, केन्द्रोय प्रत्यक्ष कर बार्ड निवेश देता है कि नोचे की यत्प्ची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट रेजों के सहायक स्रायकर श्रायुक्त (अपीत) उसके स्तम्भ 3 में तत्सम्बन्धी प्रविष्ट में विनिर्दिष्ट श्रायकर मिलिंगों, बार्डों पौर जिलों में श्राय कर या श्रिधकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और श्राय के बारे में श्राय कर या श्रिधकर से निर्धारित सभी व्यक्तियों और श्राय के बारे में श्राय कर या श्रिकत से निर्धारित सभी व्यक्तियों और श्राय के बारे में श्राय कर सा श्री का पालन करेंगे :---

## **प्र**नुसूची

त्रम	र्ज	मायकर सकिप, वार्ड श्रीर जित
सं०		
1. केन्द्रीय	रम, 1, नई दि	ल्ली (क) केन्द्रीय गाँकत 5, 7, ५, ० ।।,
		12 <b>और</b> 14 नई दिल्ली
		(खा) केन्द्रीय मर्किल, श्रीनगर

- केन्द्रीय रेंज-2, नई दिल्ली (क) केन्द्रीय सर्किल 1, 2, 3, 4, 6, 10, 13 प्रौर 15, नई दिन्नी
- 3. केन्द्रीय रेंज, मेरठ (क) केन्द्रीय मर्किल 1 2, 3, और 4 मेरठ

जहां कोई श्रायकर सिंकल, वार्ड या जिला या उसका भाग इस प्रधिसूचना द्वारा एक रेज से किसी श्राय रेज को श्राव्यचित हो जाता है, वहां उस श्रायकर सिंकल वार्ड या जिले या उसके भाग में किये गये निर्धारणों से उरपक्ष होने वाली और उस रेंज के, जिससे वह श्रायकर सिंकल, वार्ड या जिला या उसका भाग श्रान्तरित हुशा है, सहायक श्रायकर श्रायकत (भ्रमील) के समक्ष हम श्रिध्सूचना की तारीख के ठींक पूर्व लिखत श्रपीले, उस तारीख से जिस नारीख का यह श्रिध्सूचना प्रभावी होती है, उस रेज के, जिसको उक्त सिंकल, बार्ड या जिला या उसका भाग श्रान्तरित हुशा है सहायक श्रायकर श्रायुक्त (श्रानेत) का प्रन्तरित की जाएंगी और उसके हारा उन पर कार्यवाही की जायेगी।

यह प्रधिभूचना 1-2-77 से प्रभावी होगी।

[स॰ 1846 (फा॰ स॰ 261/1/77-माई॰ टी॰ जे॰)]

## New Delhi, the 1st February, 1977 INCOME-TAX

S.O. 1619.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling it in that behalf and in partial modification of all previous notification in this regard the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioners of Income-tax of the ranges specified in Column 2 of the Schedule below shall perform their function in respect of the person and income

assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in the Corresponding entry in column 3 thereof:

SCHEDULE				
S. No.	Range		Income-tax Circle, Wards & Districts	
1	2	_	a	
1. Central Delhi.	Range-I,	New	(a) Central Circles-V, VII, VIII, IX, XI, XII and XIV, New Delhi. (b) Central Circles, Srinagar.	
2. Central Delhi.	Range-II,	New	(a) Central Circles I, II, III, IV, VI, X, XIII and	

XV, New Delhi.

3. Central Range, Meerut. (a) Central Circles I, II, III
IV, Mecrut.

Where an Income-tax Circle, Ward or District or put thereof stands transferred by this notification from one range to another range, appeals arising out of the assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Ranges from whom that Income-tax Circle Ward or District or part thereof is transferred shall from the date this notification takes effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof the transferred.

This notification shall take effect from 1-2-77.

[No. 1646 (F. No 261/1/77-I(TJ]

#### भायकर

का० आ१० 1620 — आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 ना 43) की धारा 122 की उपक्षारा (1) द्वारा प्रदेत्त शक्तियां और इस निमित्त उसे समर्थ बनाने वाली ध्रस्य मभी णिकायों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय प्रस्थ कर नोई समय समय पर यथा संणोधित अपनी अधिसूचना गर 1341 नारीख 31-5-76 फार सर 201/11/76-आई० टीर केर में उपाबद धनुसूनी [] में निम्नलिखन मणाधन करना है।

### यप्यची 👭 स

(1) कम सं० 15 क सामने स्तम्भ ३ और ३ में के रेज आसनसात के स्थान पर निम्तलिखित रखा आएगा, अथित .~~

रनस्भ 2 स्नस्स 3 श्रामनमाल रेज श्रामनमोल 1 श्रामानमोल 2 बागुरा 3 पुळालया 4 मिदनापुर

(2) ऋग स॰ 16 के नामो स्तम्भ १ ग्रीर ३ में 'ख' रेज ग्रामन-सोल के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, ग्रथित् —

स्तम्भ 2 स्तम्भ 3 बर्देशान रेंज बर्दवान 1. बर्दवान 2 बीरम्मि 3. हुगली

गह ब्रावेश 1-2-77 से प्रभावी है।

[मं० 1647 (फा॰ स० 261/4/77-आई०टी०ने०)] पी० मिश्रा, श्रथर मचिव

#### INCOME-TAX

S.O. 1620.—In exercise of the powers conferred by sub-section (r) of Section 1.2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf, the Central Board of Direct Tales, hereby makes the following amendments to the Schedul -II appended to its Notification No. 1341 dated 31-5-76 in F. No. 261/11/76-JTJ as amended from time to time.

#### SCHEDULE-II

(1) Against serial 45 for 'A' Range, Asansol in Columns 2 and 3, the following shall be substituted:

Colu nn 2

Column 3

Asansol Range, Asansol.

- 1. Asansol
- 2. Bankura
- Purulia
- 4. Midnapore

(2) Against serial 46 for 'B' Range, Asansol in Columns 2 & 3, the following shall be substituted:

Co<sup>1</sup>umn 2

Column 3

Burdwan Range, Burdwan.

- 1. Burdwan
- 2. Birbhun
- 3. Hooghly

This order shall take effect from 1-2-1977.

[No. 1647 (F.No. 261/4/77-ITJ)] P. MISRA, Under Secy.

## वाणिज्य मंत्रालय

## मुख्य िर्यत्नक, बायात निर्यात का कार्यालय, कलकसा

कलकत्ता, 14 फरवरी, 1977

#### त्रावेश

का० था। 1621.—सर्वेशी मनोहर लाल महयीर प्रसाव, 178, महात्मा गांधी रो।, कलकता-7 को प्रप्रैल—मार्च 76 की अयधि के लिये निम्नलिखित लाइनंस प्रदान किया गया था:—-

लाइसेंस संख्या घौर दिनोक	माल का विवरण	मूल्य
पी०/६०/24118 .0/सी०/एक्स एक्स/57/सी०/41·42, दिनांक 27-10-75		1,250 हमसे

पार्टी ने उप किन लाइमेंग की सीमा णुस्क, प्रयोजन पनि एव मुद्दा विनिमयं नियंत्रण प्रति की अमुलिपि के लिये यह बताने हुए धावेदम किया हैं कि वे किसी भा मीमा णुस्क प्राधिकारी के पाम पंजीकृत कराये बिना और सिस्कुल उण्योग किये बिना ही खो गई है। जब प्रनुलिपि मीमा शुक्क प्रयोजन प्र'न एव मुद्रा विनिमयं नियंत्रण प्रति 1,250 रुपये की धनराशि के उपयोग के लिये चाहिये।

श्रपने तर्फ के समर्थन में फर्म ने अहानगरीय मजिस्ट्रेट, कलकला हारा विधिवन सोक्योंकित स्टास्प कागज पर एक शपथ पन्न बारिल किया है।

मैं सन्तुष्ट ३ कि लाइसेंस संख्या पी०/ई/2411810/र्ग o/एक्स एन्स/ 57/सी०/41-42, विनांक 27-10-75 की सीमा शुल्क प्रधोजन प्रति एवं सद्रा विनिधय नियंत्रण प्रशासन प्रति रह । पे यिना, गिरबी रखे विना किसी भी प्रयानन के लिये किसी पर्य पार्टी का उपसान रिस किये विना या सापे विना खो गई/प्रस्थानस्य हो गई है धौर निदेश दना है कि प्रावेदन का पूरे मृत्य 1,250 रुपये के लिये उपयुक्त लाइसेम की सीमा णुल्क प्रयोजन प्रति एव मुद्रा विनिसय नियत्नण प्रति आरो की जाये।

> [स० ई-1/20945/6/ए० एम०/76] राबर्ट बारा, उप-मुख्य नियत्नक, कृते सयुक्त मन्त्रय नियत्नक

# MINISTRY OF COMMERCE Office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports,

Calcutta, the 14th February, 1977 ORDER

S.O. 1621.—M/s. Manoharlal Mahabir Prasad, 178, Mahatma Gandhi Road, Calcutta-7 was granted licence for the period April—March 76 as under:

Licence No. & Date Description of goods

Value

P/E/2411840/C/XX/ Motor Vehicle parts as per Rs. 1250 C/57/41-42 dt. appendix 26 27-10-75

The party has applied for duplicate Customs Purpose Copy and Exchange Control Copy of the above licence stating that the same has been lost without baving been registered with any Customs Authority and unutilised at all. The duplicate Customs Purpose Copy and Exchange Control Copy are now required for utilisation of the amount of Rs. 1250.

In support of this contention the firm have filed an affidavit on a stamp paper duly attested by the Metropolitan Magistrate, Calcutta.

I am satisfied that the Customs Purpose Copy and Exchange Control Copy of licence No. P/E/2411840/C/XX/57/C/41-42 dt. 27-10-75 has been lost/misplaced without having been cancelled, pledged, transferred or handed over to any other party for any purpose & direct to issue duplicate Customs Purpose Copy and Exchange Control Copy of the aforesaid licence to the applicant for the full value of Rs. 1250.

[No. E.I./20945/6/AM/76]R. BARA, Dy. Chief Controller for Jt. Chief Controller.

## मुख्य निर्यंत्रक, अध्यक्त निर्यात कः कार्यालय

नई दिल्ली, 9 मई, 1977

प्रादेश

का० गा० 1622.—सर्वश्री भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि०, रायमेन रोड, पिपलानी भोपाल (म० प्र०) को 75,227 रुपये (पचहन्तर हजार वो सौ सत्ताईस रुपये मात्र) के लिये एक सीमा जुरूक निर्मा परिमिट सं० साई/जे/3045861 एन/एम एन/61/एन/15-11 दिलाक 25-11-1976 प्रवान किया गया था। उन्होंने उक्त सीमा जुरूक निकासी परिमिट की प्रमृलिपि प्रनि के लिये इस धाधार पर आवेष्ट्रन किया है कि मूल प्रिमि किमी भी सीमा जुरूक प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए बिना बाक पारगमन में खो गई/धन्धानस्थ हो गई है।

इस तक व समर्थन मं श्राव्वेदक न नाटरी के सामने विधिवत शपस लंकर एक जपस पक्ष बाह्मित किया है। तदसुमार में मन्तुष्ट तृ कि मूल सोमा णटी निस्तामी पर्रामत खा गया है। इसलिय यथा सणाधित प्रायात (नियल्लण) श्रावेश, 1955 दिलाक ७ १.-१८-५ को उप धारा ७ (मा० मी०) के श्रान्तिगत प्राप्त अधिकारा का प्रसास करत हुए सदक्षो भारत त्रेवी इल किटकल नि भाषाल को बारी किये गय सीमा शुक्त निरासी पर्रामट सठ श्रार्ड/वं/ ३०.458.64/एन/एम एन/१।/एच/ १३-१4 दि १ 25-११०१ वि

मामा शूल्य निकासो परिमित्र की एक भ्रमृिर्लाप श्रलग से प्रारा की जा रही है।

[सः एकः देः एकः/15/76 7/पा० एकः एकः (ए०)]

एकः प्रमाद उप मृख्य नियन्नकः

कृते मृख्य नियन्नकः

# Offic of the Chief Controller of Imports and Exports ORDER

New Delhi the 6th May, 1977

8.0 1622—M/s Bhirst Hervy Flectricals Ltd Raisen Road Piplani Bhopal (MP) were granted a Custom Cleurance Permit No 1/J/3045864/N/MN 61/H/43-44 dated 25th November 1976 for Rs 75 227/ (Rupges Seventy five thousand two hundred & twenty seven only). They have thousand two hundred & twenty seven only). They have toms Cleurance Permit on the ground that the original his been lost/misplaced in postal transit without having been registered with any Customs authority.

In support of this contention the applicant has filed in afflidivit duly sworn before Noticy. I am accordingly satisfied that the original Custom Clearance Permit has been lost Therefore in exercise of the powers conferred under subclause 9(cc) of the Import (Control) Order 1955 dated 7 12 1955 is amended the said Custom Clearance Permit No. 1/1/3045864/N/MN/61/H/43 44 dated 25-11-1976 issued to M/s. Bharat Henvy Electricals Itd., Bhopal is hereby cancelled.

A duplicate Custom Clearance Permit—is being issued separately

[No HEL 15/76 77/PLS(A)]

I PRASAD Dy Chiel Controller for Chief Con roller

## नई दिल्ली 12 मई, 1977 स्रादेश

का० अ१० 1623—सबकी डेली नवज्योति नरेन्द्र ह्। उम स्टेशन रोइ, जाबरन बाग जयपुर का 14,740 रुपये (चौदह हजार मान नौ चालीम रुपये मान्न) के लिये एक झायान ला० स०पी०/ए/1414158/सी/एकम एकम/56/एज/41 42 दि० 1-9-75 प्रदान किया गया था उन्होंने उपर्युक्त ला० की सीमा णुल्क प्रयाजन और मुद्रा विनिमय नियन्नण प्रयाजन प्रति जारी करने के लिये इस आधार पर आवेषन विया है वि मृल सीमा णुल्क प्रयाजन और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रतियां को गई हैं। आगे यह भी उल्लेख विया है कि मृल सीमा णुल्क प्रयाजन प्रतियां को गई हैं। आगे यह भी उल्लेख विया है कि मृल सीमा णुल्क प्रयाजन/मृद्रा विनियम नियंत्रण प्रयाजन प्रति विया है कि मृल सीमा णुल्क प्रयाजन/मृद्रा विनियम नियंत्रण प्रयाजन प्रति विया है कि मृल सीमा णुल्क प्राधिकारियों से पंजीकृत कराई गई थी। इसका 9 183/— रुपये (नौ हजार चार मौ निरासी रुपये मान्न) के लिये प्रयोग कर लिया गया था और इसम 5257 रुपये (पाच हजार दो सौ रुपये मनावन रुपये मात्र) की धनराणि का उपयोग करना शिष्ट था।

- 2 इस तर्व व समर्थन में आवेदन न एक शपथ पत्र दाखिल किया है। तवनुसार, में सम्मुण्ट हूं कि उपर्युक्त ला० की मूल मीमा शुल्क प्रयोजन और मुद्रा कि नपम नियन्नण प्रयोजन प्रति खा गई है। इसलिये यथा सशाधित अधारा (नियन्नण) आदश 1955 दि० 7-12-55 की उपधारा ५(सीसी) के अन्तर्गत प्राप्त धिक्षकारों का प्रयोग करते हुए सर्वेश्री डेली नव न्योति, जयपुर का जारी किय गये ता० स० पी० ए०1414158/सी >/ क्साप्स / 26/एख०/41-42 दिनाक 1-9-75 की सी ग शुल्क प्रयोजन और मुद्रा विनिनय नियन्नण प्रयोजन प्रतिया एतदुद्वारा र की जाती है।
- उ उपर्युक्त लाइसम की मामा शुल्क प्रयोजन/मुद्रा (विनिमय नियंत्रण प्रयोजन प्रतियो वी प्रनुलिपि प्रतिया लाइसेंसधारी को प्राण से आरी की जा रही हैं।

[स० 11 - वा०/एन०-4/7 > 76 एन० पी० एस०/50] चन्द्रगृप्त, ्प-मुख्य नियत्नक,

# New Delhi the 12th May, 19/7 ORDER

- S.O 1623.—M/s Daily Navajyoti Naichdia House Station Road, Johner Bag, Jaipur were granted an import hierace No P/A/1414158/C/XX/56/H/41-42 dated 1 9 75 for Rs 14,740/- (Rupees Fourteen thousand and siven hundred and forty only) They have applied for the issue of a duplicate Customs Purposes and Exchange Control Purposes copy of the said licence on the ground that the original Customs Purposes & Exchange Control Purpose copies have been lost. It is further stated that the Original Customs Purposes/Exchange Control copy was registered with the Customs authorities at Bombay. It was utilised for Rs 9,483/- (Nine thousand four hundred and eighty three only) and the balance available on it was Rs 5257/- (Rupee Five thousand two hundred and fifty seven only).
- 2 In support of this contention the applical thas filed an affidavit. I im accordingly satisfied that the original Customs Purposes and Exchange Control Purpose. Copy of the said licence have been lost. Therefore in explose of the powers conferred under Sub-clause. 9(cc) of the Imports (Control) Order. 1955. dated. 7.12.55 as amended the said original Customs Purposes. & Exchange. Control. Purpose, copies hierore. No. P/A/1414158/C/XX/56/H/41-42. dated. 1-9.75. issued to M/s. Daily Navajyoti. Jaip ii are hereby cancelled.
- 3 A duplicate Customs Purposes/Exchange Control Purposes copies of the said licence are being issued separately to the licence

[No 115 V/N-4/75 76/NPS/50]

CHANDRA GUPTA, Dy Cuef Controller

## नर्ड दिल्ली, 16 सई 1977 श्रादेश

कां आ 1624 — वि स्टेट केमिकल्स एड फार्मेस्यू किन्स वापेरियान आंफ इंडिया नि १ नई दिल्ली की मानान्य सुद्रा क्षेत्र में तिमलिक एसिड/ मटा असील इत्यादि का आयान वरने के लिये 100 00 000 हप्रें मल्य के लिये 100 00 000 हप्रें मल्य के लिये एक आयान नाइसेंस स० औ०/टी०/21 0695, दिनाव 17 5-76 प्रदान किया गया था। उत्तरीन उक्त लाइसेंस को सीमाणुल्क प्रिर्फ की अनुलिपि प्रति जारी करते के निय ध्य आधार पर गवेदन किया है थि उक्त लाइसेंस की मूल मीमाणुल्क प्रति उनसे खा गई/अस्थानस्थ हो गई है। लाइसमधारी ने आगे यह भी बनाया है कि ताइसस भारत म बस्बई परान में प्रीकृत कराया गया था और आधिक सप से 77,11,240

रपये तक उपधान में लाया गया था। श्रव मीमाणुल्य प्रति की अनुनिर्ण प्रति की प्रावश्यकता शेष धनराणि 22,88,760 रुपये के लिये हैं।

श्रपन तर्क के समर्थन म श्रायेषक ने एक भाष्य पत दाखिल जिया है। श्रिधोहरताक्षरी गन्तुष्ट है कि लाइसेंस सठ जी०/टी/2420695, दिनाक 17-5-76 की सीसागुल्क प्रति खो गई है तथा निदेण देता है कि उक्त लाइसेंस की सीसागुल्क प्रति को अनुलिप प्रति उनको जारी की जानी चाहिये। लाइसेंस की सीसागुल्क प्रति एनदुहारा रद्द की जाती है।

> [स केपका/-/76-77/ब्रार० एम० मैल/297] एन० ए० काहली, उप-मुख्य नियक्षक

New Delhi, the 16th May, 1977

#### ORDER

S.O. 1624.—The State Chemicals and Pharmaceuticals Corporation of India Ltd., New Delhi, were granted an import licence No G/1/2420695 dated 17-5-76 for the import of Cresylic Acid/Mcta Cresol etc. from G C A for the value of Rs 1,00 00,000.—They have requested for the issue of the duplicate Customs copy of the above licence on the ground that the original Customs copy of the above licence has been lost/misplaced by them. It has been further reported by the licensee that the licence has been registered with Bombay Port in India and partly utilised to the extent of Rs 77,11,240/- The duplicate Customs copy now required is to cover the balance of Rs 22,88,760/-.

In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that Customs copy of the licence No. G.  $\Gamma/2420695$  dt. 17-5-76 has been lost and directs that duplicate Customs copy of the said licence should be issued to them. The Customs copy of the licence is hereby cancelled.

Duplicate Customs copy of the licence is being issued separately

[File No CAPCO/5/76-77/RM Cell 297] N. A. KOHLY, Dy. Chief Controller.

## नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय

नई दिल्ली, 20 धप्रैंस, 1977

का० था० 1625 — केन्द्रीय सरकार, बहुएकक सरकारी मामाइटी धाधिनियम, 1942 (1944 का 6) की धारा ५ख द्वारा प्रदत्त गक्तिया का प्रयाग करने हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मौतालय (नागरिक पूर्ति और महकारिता विभाग) की अधिसूचना

स० को० भा० 775 तारीख 30 जनवरी, 1976 में निम्नलिखित संगोधन करती हैं, भ्रथीन्:---

उन्त प्रधिमूजन। सं उपाबद्ध सारणी मे क्षम म० 13 श्रीर उससे सम्बन्ध प्रविष्टिया को प्रविष्टि (1) के रूप मे पुन सख्योकित किया जायेगा श्रीर इस प्रकार पुन संख्यांकित क्षम सख्या श्रीर प्रविष्टि के परवात् निम्नलिखन श्रन्त स्थापन क्रिया जाएगा, श्रथान् —

ग्रधिकारी	बहु एकक महकारी सोभाइटी		
2	3		
(i) सयुक्त र्राजस्ट्रार, सहकारी सोमा- यटी, भरतपुर खड, भरतपुर	राभी बहुएकक महकारी भोमाइटिया, जो राजस्थान के धनवर, भरतपुर धौर मवाईमधोपुर जिलो में वास्तव मे रजिस्ट्रीकृत है या रजिस्ट्रोकृत समझी जाती		
[स०	एल ०-11011/2/70-एल० ए <b>स</b> ०]		

के० एस० बाजवा, भवर मचिव।

## MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES & COOPERATION

New Delhi, the 20th April, 1977

S.O. 1625.—In exercise of the powers conterted by section 5B of the Multi-unit Co-operative Societies Act, 1942 (6 of 1942) the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Civil Supplies and Cooperation) No. S.O. 775, dated the 30th January, 1976, namely:—

In the Table appended to the said notification, Serial No 13 and the entries relating thereto shall be re-numbered as entry (1) and after Serial No. and entry so re-numbered the following shall be inserted, namely:—

Officers	Multi-unit Cooperative Societies		
	3		
"(ii) Joint Registrar of Co- operative Socieics, Bharatpur Division, Bharatpur.	All Multi-unit Cooperative Societies which actually are deemed to be registered in Alwar, Bharatpur and Swaimadhopur districts of Rajasthan."		

[No. L-11011/2/70-J&M] K. S. BAJWA, Under Secy.

भारतीय मानक सस्या नई विल्ली, 1977-05-09

कार आर 1626 — समय समय पर भणाधित भारतीय मानक सम्था (प्रमाणन चिह्न) थिनियम, 1955 के विनियम 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक सम्था द्वारा अधिस्पूचिन किया जाना है कि लाइसम सख्या मी० एक०/एल०-5202 और 5203 जिनके ब्योरे नीचे अनुसूची में दिये गये हैं, लाइ-संमदारी के प्रपन अनुराध पर 1977-04-01 में रद्द कर दिये गये हैं —

**प्र**नुसूची लाइमेसधारी का नाम और पता न्ह किये गये लाइसेम के **प्रधी**न वस्त्/प्रकिया तत्सम्बन्धी **भा**रतीय मानक कम सख्या आइसेस सख्या धीर तिशि 1 सी० एम०/एल-५202 सर्वश्री बी० ब्रार० हरमन एड मोहना संरचना इस्पात (मानक किस्म) IS 226-1975 संरचना इस्पात (मानक (उसर) प्रा० लि० डो०-ii, फाकल किस्म) की विशिष्टि (पंचवा पुन-1976-05-10 रीक्षण) प्बाइट, इंढारी (लुधियाना) संरचना इस्पात (माधारण फिस्म) IS. 1977-1975 सरचना ध्रम्पात (गाधारण 2 सी० एम०/एल-5203 किस्म) की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण) 1976-05-10

[स॰ सी॰ एम॰ **डी॰/55:5202**]

## INDIAN STANDARDS INSTITUTION

#### New Delhi the 1977-05-09

S.O.1626—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time the Indian Standards Institution hereby notifies that Licences No. CM/L-5202 and 5203 particulars of which are given below have been cancelled with effect from 1977-04-01 at the request of the party.

#### SCHEDULE

St. Licen No.	ice No. and Date	Name & Address of the Licensce	Article/Process Covered by the Licensees Cancelled	Relevant Indian Standards
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. CM/ 1976	L-5202 i-05-10	M/s. B. R. Herman & Mohatta (Uttar) Pvt. Ltd., D-11, Focal Point, Dhandari (Ludhiana)	Quality).	IS: 226-1975 Specification for Structural Steel (Standard Quality) (Fifth Revision.)
2. CM/ 1976	L-5203 -05-10	-Do	Structural Steel (Ordinary Quality)	<ul><li>IS: 1977-1975 Specification for Structural Steel (Ordinary Quality) (Second Revision).</li></ul>

[No. CMD/55: 5202]

भार आर 1627 — समय-समय पर मंणोधित भारतीय मानक सस्था (प्रमाणन विक्का) विनियम, 1955 के विनिमय 14 के उपविनियम (4) के प्रनुसार भारतीय मानक सस्था द्वारा श्रिक्षसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सी० एम०/एल०-2029, 1028, 4264 और 4396 जिनके ब्यौरे नीचे प्रनुसूची में दिये गये हैं, फर्म के श्रपने श्रन्थेध पर 1977-01-01 में रह कर दिये गये हैं।

#### श्रन्यूची

कम संख्या लाइस्य प्रौर तिकि	लाइगंसधारी का नाम श्रीर पता	रह किये गये लाइसेसों के श्रधीन वस्तु/प्रक्रिय	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक		
(1) (2)	(3)	(4)	(5)		
1. सी० एस०/एल-2029 1969-07-25	-	, कंकीट प्रधलन के लिये <b>ठंडी म</b> रोड़ी विक्रुत इस्पात की मरिया	IS:1786—1966 ककीट प्रवलन के लिये ठडी मरोडी विक्रुत इस्पात की रारिया की विशिष्ट (पुनरीक्षिप)		
2. सी० एस०/एल०-4028 1974-11-07	-	संरचना इस्पान (साधारण किस्म) के रूप में पुन: बेल्लन के लिये कार्बन इस्पात के विलेट—	IS 2831-1975 सरचना इस्पान (माधारण किस्म) के रूप में पुनः बेल्लन के लिये कार्येन इस्पात के विलेट ब्लूम धौर मिल्लियों की विशिष्टि (बूसरा पुनरीक्षण)		
3. सी० एम०/एल०-4264 1975-03-20 4. सी० एम०/एल०-4386 1975-05-15	सर्वश्री मुकन्द ध्रायरन एण्ड स्टील वर्क्स लि०, बेलापुर, काल्बे, टाणे (महाराष्ट्र) "	सरचना इस्पात (उच्च तनाव) कंकीट प्रवलन के लिए मृदु इस्पात श्रौर मध्यम तनाव इस्पात की छक्षें	IS.961-1975 संग्चना इस्पान (उण्च तनाव) को विभिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण) IS:432 (भाग 1)-1966 कंकीट प्रबलन के लिए मृदु इस्पात ग्रीर मध्यम तनाव इस्पान की छड़ो ग्रीर सक्त खिचे इस्पान के तार की विभिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)		

[सं० सी० एम० डी०/55:2029] ए० बी० राव, उप-महानिदेशक

S.O.1627.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards (Certification Marks), Regulations 1955 as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that Licences No. CM/L-2029, 4028, 4264 and 4386 particulars of which are given below have been cancelled with effect from 1977-01-01 at the request of the firm.

SCHEDULE									
Sl. Licence No. No. date	and Name & Ad-	dress of the Licensec	Article/Procees Covered by the Licensees Cancelled  (4)		Relevant	Indian	Standards		
(1) (2)		(3)			(5)				
1, CM/L-2029 1969-07-25		and Iron & Steel id., Belapur Road, lana (Maharashtra).	Cold twisted deformants for concrete ment.			teel bars	specification for for concrete reit		
2. CM/L-4028 1974-11-05	-1	Ου	Carbon steel billets f ing into structural nary quality)		stoel bi recolling	llets, bl into str	cification for colooms and slab ructural steel (ord 1 Revision),	bs for	
3. CM/L-4264 1975-03-20	-17	00	Structural steel (High	h Tensile) ]			fication for stru le) (Second Rev		
4. CM/L-4386 1975-05-15	-D	θο,-	Mild Steel and medic steel bars for con- forcement		steel an and hard reinforce Part I m	id medii, drawn s ment ild steel	Specification for um tensile steed steel wire for co- and medium to d Revision.)	el bar oncret <del>e</del>	

[No. CMD/55 : 2029]

A. B. RAO, Dy. Director General

#### थम मंत्रालय

नर्ष दिल्ली, 13 मई, 1977

का० ग्रां० 1628.—यन केन्द्रीय सरकार को यह प्रतील होता है कि मैसर्स गुप्ता चौधरी ग्रीर घोष 8-1ख चौरंगी लेन, कलकत्ता-16 नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमन हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीण उपबन्ध ग्रीध-नियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

भ्रतः, श्रवः, उक्तः श्रधिनियमं की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्तं अक्तियों का प्रयोग करने हुए केव्हीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उगबन्ध उक्त स्थापन को लाग् वस्ती है।

यह ग्राधसूचना एक नवस्वर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एम-35017(5)/77-पी० एफ-2(1)]

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 13th May, 1977

S.O. 1628.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gupta Chowdhury and Ghosh, 8-JB. Chowringhee Lane, Calcutta-16, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1976.

INo. S. 35017/5/77-PF.Π(i)]

णां श्रा० 1629 — केन्द्रीय सरकार कर्मेचारी भविष्य निधि श्रौर प्रकीर्ण उपवन्ध श्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बन्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् एक नवस्वर, 1976 से मैसर्स गुप्ता चौधरों एंड घोष, 8-1ख, लौरगी लेन, कलकत्ता-16 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लियें विनिदिष्ट करनी है।

[मं॰ एस॰-४५०17(5)/77-पी॰ एफ॰-३(2)]

S.O. 1629.—In exercise of the powers conferred by the provise to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Covernment after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the flist day of November 1976, the establishment known as Messrs Gupta Chowdhury and Ghosh, 8-1B Chowringhee Lane, Calcutta-16, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017/5/77-PF. II(ii)]

का० आ० 1630 — यतः केन्द्रीय मरकार की यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स मी० एम० व्लाट इंजीनियर्ग एंड कन्सक्टैन्टम (प्राइवेट) लिमिटेड, 46/सी० चौरंगी रोड कलकता-16 जिसमें (1) 503, जर्चगेंट चैम्बर्म '5' न्यू मैंरिन लाइन्स, मुम्बई-20 श्रोर (2) 307 ग्रन्सल भवन, 163 कस्तृरका गांधी मार्ग, नई विल्ली स्थित इसकी गाखायें भी सम्मलित है नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक श्रोर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बान पर महमन हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रोर प्रकीण उपबन्ध श्रीधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

श्रतः, श्रत्न, उक्त श्रिधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिधिनियम के उपयन्ध उक्त स्थापन को लागृ करनी है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1975 को प्रवृत्त हुई समली जायेगी।

[सं० 35017 (11)/77-पी० एफ०-2]

**S.O.** 1630.—Wherear it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employers in relation to the establishment known as Messis (N Plant Engineers and Consultants (Private) Limited, 46/6, Chowringhee Road, Calcutti-16 including its branch at (1) 503, Churchgate Chambers. 5, New Marine Lines, Bombay-20 and (2) 307, Ansal Bhayan, 16. Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1975.

[No. S. 35017, 11/77-PF, 11]

का॰ भा॰ 1631 — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें मास्ट्रो (इंडिया) (प्राइवेट) निमिटेड २1ए, शेक्सपियर सरणी, कलकत्ता-17 नामक स्थापन से पम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग किये जाने चाहिये;

भतः, श्रब, उक्त श्रिधितियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिधितियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग करती है।

यह ग्रधिसूचना ।, मई 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम० 35017(13)/77-पी० एफ०-2(i)]

S.O. 1631.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment konwn as Messrs Mashstro (India) (Private) Limited, 21A, Shakespeare Sarani, Calcutta-17, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1975.

[No S. 35017(13)/77-PF, II(i)]

का॰ आ॰ 1632.— केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध, ग्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, मम्बद्ध विषय में श्रावण्यक जांच करने के पण्चात् 1 मई, 1975 से मैसर्स मास्ट्रो (इंडिया) (प्राइवेट) लिमिटेट, 21ए, शेक्सपियर संग्णी, कलकना-17 सामक स्थापन का उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्धिट करती हैं।

[मं॰ एस॰ 35017(13)/77-पी॰एफ॰-2(ii)]

S.O. 1632.—In exercise of the powers conferred by the proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of May, 1975 the establishment known as Messrs Mashstro (India) (Private) Limited, 21A, Shakespeare Sarani, Calcutta-17, for the purposes of the said proviso.

No. S. 35017(13)/77-PF.II(ii)]

कार आर 1633. — यतः केन्द्रीय सरकार को यह पर्यात होता है कि समर्थ पाराधित सप्ताई (प्राष्ट्रबेट) लिमिटेड, १३/१ एम बैठक खाना रोड, कलकत्ता-१ नामक स्थापन से सम्बद्ध नियाजक ग्रीर कमधारियों की बहु-सस्या उस बात पर सहमत हा गई है कि वर्मचारी भविष्य निधि शीर प्रकीण उपयन्ध श्रीधनियम, 1952(1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रव, श्रब, उक्त श्रिशित्यम की धारा 1 की उपधारा (4) छारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिधित्यम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिस्चना । मई, 1975 का प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० तम् ० ३५०।७ (15)/७७-पी०एफ०-2]

S.O. 1633.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Cardoprint Supply (Private) I imited, 93/1M, Batthakkhanna Road, Calcutta-9, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1975.

[No. S. 35017(15)/77-PF.II]

का॰ ग्रा॰ 1634.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेमर्स ईस्ट शंडिया फोटोग्राफिक ट्रेडम एमोमिएशन, 3/1/2, धार्मेनियन स्ट्रीट, कलकत्ता नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रौर प्रकीर्ण उपबन्ध धिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागृ किए जाने चाहिए;

श्रतः, श्रवः, उक्तः श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय मरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को सागु करनी है।

यह प्रधिसूचना एक जनवरी, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 25017(16)/76-पी०एफ०-2]

S.O. 1634.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs East India Photographic Traders Association, 3/1/2, Armenian Street, Calcutta-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No. S. 35017(16)/76-PF. II]

का० झा० 16 35.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसमें मां काली स्प्रे पेल्टिंग, 16/1, बेलीबाटा मेन रोड, कलकत्ता-10 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात गर सहमत हो गई है कि गर्मवारी भविषय निधि श्रीर प्रकीर्ण उगअन्ध गिर्धानग्रम, १०६१ (१०६१ को १९) के उपबन्ध उक्त स्थापन को नाग किए आन साहिए,

श्रव, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयाग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह अधिसूचना 30 अप्रैल, 1972 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35017(18)/77-पी०एफ० 2]

S.O. 1635.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ma Kali Spray Painting, 16/1, Beleghata Main Road, Calcutta-10, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1972.

[No. S. 35017(18)/77-PF. II]

कार आ 16 36.—यतः केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि मेमर्स गृलोबल एक्सपोर्ट्स (प्राइवेट) लिमिटेड 55, स्टीफन हाउस, 4, बीठबीठडीठ बाग (ईस्ट), कलकत्ता-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः, श्रवं, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह श्रधिसूचना 1 श्रक्तूबर, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [स॰ एस॰-35017(19)/76-पी॰एफ॰-2(i)]

S.O. 1636.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Global Exports (Private) Limited, 55, Stephen House, 4 B.B.D. Bagh (East), Calcutta-1, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellancous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1973.

[No. S. 35017(19)/76-PF.II(i)]

कार अप 1637.— केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि धौर प्रकीर्ण उपबन्ध प्रिक्षित्तियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, मन्बद्ध विषय में धावध्यक जांच करने के पण्चात् 1 प्रक्तूबर, 1973 से मेमर्स गृलोबल एक्सपोर्टस (प्राद्यवेट) लिमिटेड, 55, स्टीफेन हाउस, 4, बी० बी० टी० बाग (ईस्ट), कलकला-1 नामक स्थापन को उक्त परस्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करनी है।

[सं॰ एस॰ 35017(19)/76-पी॰ एफ॰-2(ii)]

S.O. 1637.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government after making necessary enquiry into the matter hereby specifies with effect from the first day of October, 1973 the establishment known as Messis Global Exports (Private) Limited, 55, Stephen House, 4, B B.D. Bagh (East), Calcutta-1, for the porposes of the said proviso.

[No. 35017(19)/76-PF.II(ii)]

करः ध्रा०1638.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सममं रिकरी आदर्भ (1966) (प्राइवेट) लिमिटेड, 15, शेक्सपियर सरनी, डाक बाक्स स० 9078, कलकत्ता-17 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कमंबारियां की बहुमंख्या इस बात पर महमत हा गई है कि कमंबारी भियप्य निश्चि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवन्ध उक्त स्थापन का लागू किए जाने आहिए;

श्रतः, श्रम, उक्त श्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गरिक्तयों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिधिनियम के उपजन्ध उक्त स्थापन को लागु करनी है।

यह श्रिधिगूचना । मई, 1976 को प्रकृत हुई समझी जाएगी।

[सं॰ एस॰ 35017(20)/77-धी॰एफ॰-2 (i)]

S.O. 1638.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sikri Brothers (1966) (Private) Limited, 15, Shakespeare Sarani, Post Box No. 9078, Calcutta-17, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provision Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1976.

[No. S. 35017 (20)/77-PE\_II(i)]

का॰ आ॰ 1639 — केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करने होए, सम्बद्ध विषय में धावश्यक जांच करने के पश्चान् 1 मई, 1976 में भेगर्स सिकरी डाइमें (1966) (प्राइबेट) लिमिटेड, 15, शेक्मिपयर मरनी, डाक बाक्स मं० 9078, कलकत्ता-17 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्विष्ट करती है।

S.O. 1639.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of May, 1976 the establishment known as Messrs Sikri Brothers (1966) Private) I imited, 15, Shakespeare Sarani, Post Box No. 9078, Calcutta-17, for the purpose of the said proviso.

[No. S. 35017(20)/77-PF, H(ii)]

का॰ आ॰ 16 40—यत. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि भेसमें प्रार० के॰ मशीनरीज, 49/1, एस॰ एन॰ बनर्जी रोड, कलकत्ता-14, जिसमें 83/1, बेलियाघाट मेन रोड, कलकत्ता-10 स्थित उसकी वर्षणाप भी सम्मिलत है, नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बान पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर

प्रकीर्ण जपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के जपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

भन, श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते श्रुए केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह प्रधिसूचना 1 प्रश्नेत, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस-35017(22)/76-मी०एफ-०2]

S.O. 1640.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs R. K. Machineries, 49/1, S. N. Banerjee Road, Calcutta-14 including its workshop at 83/1, Beliaghata Main Road, Calcutta-10, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976,

[No. S. 35017(22)/76-PF.II]

का॰ धा॰ 1641.—यतः केन्द्रीय भरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसर्स होबनर म्यूजिकल इन्डस्ट्रीज 2, जय मिला घट लेन, कलकत्ता-6 नामक स्थापन से मम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उस्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

मतः, प्रव, उक्त प्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह मधिसूचना 1 मार्च, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35017(24)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 1641.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishmen known as Messrs Hobner Musical Industries, 2, Jai Mitra Ghat Lane, Calcutta-5, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1976.

[No. S. 35017(24)/77-PF, II]

का श्वार 1642.— धने: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि बीनस प्रिन्टिंग है का. 243/2-डी, धाचार्य प्रकृत्त चन्द्र रोड, कलकत्ता-6 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मवारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मवारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने वाहिए;

31GI/77--3

श्रतः, श्रव उक्त श्रविमियम की धारा 1 की उपधारा (1) द्वारा श्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार उक्त श्रविनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना इकत्तीम विसम्बर, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मं॰ एस-35017 (25)/77-री॰एफ**॰** 2]

S.O. 1642.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Venus Printing Inks 243/2-D, Acharya Prafulla Chandra Road, Calcutta-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

 $Thi_{\rm S}$  notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1974.

[No. S. 35017(25)/77-PF.II]

का॰ प्रा० 1643.—यतः भेन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्सं बंगाल मेटल वक्सें, 116 विधान मारभी, कलकत्ता-4 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंख्या इस बान पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रभीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

ग्रतः, मन, उनत प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिनूचना 1 अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस०-35017(26)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 1643.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bengal Metal Works, 116 Bidhan Sarani, Calcutta-4, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

[No. S. 35017(26)/77-PF.II]

म्रातः, प्रावः, उक्त मधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त भिवित्यम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1 जनवरी 1976 को प्रवृत्त हुई समझ। जाएगी।

[सं० एस०-35017(27)/77-पी०एफ०2]

S.O. 1644.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs P. K. Bagla and Company, 16-A Biabouine Road, Calcutta-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No. S. 35017(27)/77-PF.II]

का० ग्रा० 1645.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निश्चि ग्रीर प्रकीर्ण उपजन्म प्रशिविष्य 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रत्यक्ष णिक्तयों का प्रयोग करते हुए सम्बद्ध विषय में श्रावण्यक जांच जरने के पण्चात् 1 ध्रप्रैल 1975 से मैसर्म जी० के० इनवेस्टमेंट लिमिटेड 46/मी० चौरंगी रोड (पांचवी मंजिल) कलकत्ता-16 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्विष्ट करनी है।

[मं० एस०-35017(27)/77-पी०एफ०-2(i)]

S.O. 1645.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter hereby specifies with effect from the first day of April, 1975 the establishment known as Messrs G. K. Investments Limited, 46/C, Chowringhee Road. (5th Floor), Calcutta-16, for the purposes of the said proviso.

No. S. 35017(33)/77-PF. II(i)[

का॰ ग्रा॰ 1646.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स जी॰ के॰ इनवेस्टमेंटस लिमिटेड 46/सी॰ चौरंगी रोड, (पांचवी मंजिल) कलकता-16 नामक स्थापन से सभ्बद्ध नियोजक ग्रौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रौर प्रकीण उपवन्ध ग्रधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उकत स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः, प्रज, उस्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त पास्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय मरकार उस्त श्रधिनियम के उपजन्ध उस्त स्थापन को लागू करती है।

यह भिधिसूचना 1 भन्नैल 1975 को मबुत्त हुई समझी जाएगी।

[सं॰ एस॰-35017(27)/77-पी॰एफ॰-2(i)]

S.O. 1646.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs G. K. Investments Limited, 46/C, Chowringhee Road, (5th Floor), Calcutta-16, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April 1975.

[No. S. 35017(27)/77-PF.II(i)]

कां प्रात 1647.— केंद्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकार्ण उपवास प्रधिनियम 1952(1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक हारा प्रदत्त गिनिया का प्रयोग करते हुए सम्बद्ध विषय में श्रावश्यक जोच करने के परचात् । जनवरी 1976 से मैंसर्म पीठ केठ बागला एण्ड कम्पनी, 16-ए ब्रोबीन रोड कलकत्ता-6 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनां के लिए विनिधिष्ट करती है।

[सं० एस०-35017(27)/76-पी०एफ०-2(2)]

S.O. 1647.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1976 the estblishment known as Messrs, P. K. Bagla and Company, 16-A, Brabourne Road, Calcutta-6 for the purposes of the said proviso.

[No. S 35017(27)/76-PF. II(ii)]

का॰ भा॰ 1648 — यन केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्म एसोसिएटेड एक्सवेटर्स एण्ड होगजर्स (प्राइवेट) लिसिटेड 20ए केसक स्ट्रीट कलकला-16 नामक स्थापन से सस्बंद्ध नियोजक भौर कर्म- चारियों की बहुसख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी अविष्य निधि भौर प्रकीण उपबन्ध भिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदम्म गिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रिधमूचनः 1 फरवरी 1975 को प्रवृत हुई समझी जाएगी।

[सं॰ एस॰ 35017(28)/77-पी॰एफ॰ 2(i)]

S.O. 1648.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Associated Excavators and Dozers (Private) Limited, 20A, Camac Street, Calcutta-16, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1975.

[No. S 35017(28)/77-PF.II(i)]

कार प्राः 1649 - नेन्द्रीय सरकार कर्मेखारी भविष्य निधि प्रौर . प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक हारा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए सम्बद्ध विषय े में ब्राथश्यक आंच करने के पश्चात् । फरवरी 1975 से मैंसर्म एसोसिए-टेड एक्सक्टर्टर्म एण्ड जाजर्स (प्राहवेट) लिमिटेड 20ए कैमक स्ट्रैटि कनसा-16

नामक स्थापन को उनन परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट - करती है।

[मं० एस०-35017(28)/7**7-**पी०फए०-2(ii)]

S.O. 1649.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into

the matter, hereby specifies with effect from the first day of February, 1975, the establishment known as Messrs Associated Excavators and Dozers (Private) Limited, 20-A, Camac Street, Calcutta-700016, for the purposes of the said proviso.

[No S-35017(28)/77-PF.H(ii)]

कार बार 1650 — यन: केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि दी नार्थ वैस्टर्न कचार टो कम्पनी लिमिटेड, 16ए बैबोर्न रोड, कलकला-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रीर कमैं करियों की बहुसख्या इस बान पर सहमत हो गई है कि कमंचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

धनः, प्रव उक्त अधिनियम को धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवच णक्नियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यत्र ग्रिधिसूचना इक्तीम दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम०-35017(29)/77-पी०एफ०-2(i)]

S.O. 1650.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs the North-Western Cachar Tea Company Limited, 16A. Brabourne Road Calcutta-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1975.

[No. S. 35017(29\/77-PF.H(i)]

कां आ 1651.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमर्स किरण ज्यूलरी (प्राइवेट) लिमिटेड, 110/1ए, अम्हर्स्ट म्ट्रीट, कलकसा-9 नामक स्थापन से मध्यद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपवन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपवन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः, ग्रव उक्त ग्रधिनियम की धार। 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त गक्तियो का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय नरकार उक्त ग्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स॰ एस०-35017(31)/77-पी॰एफ०-2]

S.O. 1651.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kiron Jewellery (Private) Limited, 110/1A, Amherst Street, Calcutta-9, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No. S. 35017/31/77-PF.II]

कार आरं 1652.—यत: केन्द्रीय मरकार की यह प्रतीत होता है कि मैसर्म मुरैया मिनरल्म एण्ड केमिकल्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 9, रबीन्द्र सरणी कलकत्ता-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रौर प्रकीण उपबन्ध प्रश्ननियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु किए जाने चाहिए;

ग्रनः, ग्रब उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्न गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रधिनियम के उपजन्ध उक्त स्थापन को लोगू करती है।

यह ग्रधिमूचना 1 जून, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स॰ एस॰-35017(33)/77-पी॰एफ॰-2(i)]

S.O. 1652.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Suraiya Minerals and Chemicals (Private) Limited, 9, Rabindra Saram, Calcutta-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1976.

[No. S. 35017(27)/77-PF.II(i)]

का० श्रा० 1653 — केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य मिधि और प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सम्बद्ध विषय में श्राव- श्यक जांच करने के पश्चात् 1 जून, 1976 से मैसर्स सुरैया मिनरल्स एण्ड केमिकल्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 9, रबीन्द्र सरणी, कलकत्ता-1 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्विष्ट करती है।

[स॰ एम॰-35017(33)/77-पी॰एफ॰-2(ii)]

S.O. 1653.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of June, 1976, the establishment known as Messrs Suraiya Minerals & Chemicals (Private) Limited 9, Rabindra Sarani, Calcutta-I, for the purposes of the said proviso.

[No S. 35017(33)/77-PF. IJ(ii)]

का० भा०1654.—यनः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमं लक्ष्मीबाई जीवनदास, 9, रवीन्द्र सरणी, कलंकना-73 नामक स्थापन में मम्बद्ध नियोजक भ्रौर कर्मनारियो की बहुमंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मनारी भविष्य निधि भ्रौर प्रकीणं उपबन्ध भ्रधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्ष स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

श्रनः, श्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग करती है।

यह प्रधिसूचना 1 जून, 1976 को प्रयुत्त हुई समझी जाएगी।
[स० एस०-35017(34)/77-पी०एफ०-2(i)]

S.O. 1654.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Laxmibai Jivandas, 9, Rabindra Sarani, Calcutta-73, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1976.

[No. S. 35017/34/77-PF.II(i)]

का० 1655. — केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीणं उपबन्ध ग्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय मे ग्रावश्यक जांच करने के पश्चीत् 1 जून, 1976 से मैंसर्स लक्ष्मीबाई जीवनदास, 9, रवीन्द्र सरणी, कलकत्ता-73 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

S.O. 1655.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of June, 1976, the establishment known as Messrs Laxmibai Jiwandas, 9, Rabindra Sarani, Calcutta-73 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017/34/77-PF.  $\Pi(ii)$ ]

का० था० 1656.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नीयो-परिस्तृतन (प्राइवेट) लिमिटेड, 72, हेमजन्द्र नस्कर रोड, कलकत्ता-10 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भौर कर्मवारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मवारी भविष्य निधि भौर प्रकीर्ण उपवन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए आने चाहिए;

मतः, स्रव, उक्त स्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त मिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह ब्रिधिसूचना 1 सितम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

S.O. 1656.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Neo-Parisrutan (Private) Limited, 72, Hemchandra Naskar Road, Calcutta-10, have agreed that the provisions of the Employees' Provident I-unds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1976.

[No. S. 35017/35/77-PF. II(i)]

का॰ प्रा॰ 1657.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि भौर प्रकीणं उपबन्ध श्रिधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदन्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मम्बद्ध विषय में आवश्यक जाच करने के परचात् 1 सितम्बर, 1976 से मैसर्स नीभो-परिभुतन (प्राइवेट) लिमिटेड, 73 हैमचन्द्र तस्कर रोड, कलकत्ता-10 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोगनों के लिए विनिर्विष्ट करती है।

[सं० एस॰ 35017(35)/77-पी॰एफ॰ 2(ii)]

S.O. 1657.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifics with effect from the first day of September, 1976, the establishment known as Messrs Neo-Parisrutan (Private) Limited, 72, Hemchandra Naskar Road, Calcutta-10, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017/35/77-PF. II(ii)]

का (कार्या व 1658.—यन: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैनसी णिव इन्बेस्टमेंट्स मिनिटेंड, 46, स्ट्रेण्ड रोड, कलकता-7 सामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियो की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध धिधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

मतः, मब, उक्त प्रधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यहं प्रधिसूचना 1 जुलाई, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स॰ एस-35017(36)/77-पी॰एफ-2(i)]

S.O. 1658,—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shiv Investments Limited, 46, Strand Road, Calcutta-7, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1975.

[No. S. 35017/36/77-PF. II(i)]

का० आ० 1659.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध श्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, सम्बद्ध विषय में श्रावण्यक जाच करने के पश्चात् 1 जुलाई, 1975 से मैसर्स शिव इन्वेस्टमेट्स लिमि-टेड, 46, स्ट्रेण्ड रोड, कलकता-7 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिविष्ट करती है।

[स॰ एस॰-35017(36)/77-पी॰एफ॰-2(ii)]

S.O. 1659.—In exercise of the powers conferred by the first provise to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of

July, 1975, the establishment known as Messis Shiv Investments Limited, 46, Strand Road, Calcutta-7, for the purposes of the said proviso.

[No S. 35017(36)/77-PF. II(ii)]

का०आ० 1660.—यन केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इंडिया फिटिंग मैन्युफेक्चर्स, 3, नेताजी सुभाय रोड, कलकता-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियो की बहुसख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपबन्ध श्रीध-नियम, 1952(1952 का 19) के उपबन्ध उत्तर स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

श्रतः, श्रवः, उक्तः ग्रविनियम की श्रारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए कन्द्रीय सरकार उक्त ग्रविनियम के उपजन्ध उक्त स्थापन को लोगू करनी है।

यह भ्राधिसूचना 1 विसम्बर, 1975 को प्रश्नुस हुई समझी जाएगी।

[स॰ एस॰ 35017(39)/77 पी॰एफ॰-2]

S.O. 1660.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs India Fitting Manufactures, 3, Notaji Subhas Road, Calcutta-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1975.

[No. S. 35017(39)/77-PF. IJ]

का॰ ग्रा॰ 1661.—यन केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीन होता है कि मैंससं केंगमरी टी कम्पनी लिमिटेड, 16ए, ब्राबोर्न रोड, कलकत्ता-1 मामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः, श्रवः, उक्तः श्रधिनियमं की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा श्रवस गक्तियों का श्रयोगं करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियमं के उपबन्ध उक्तं स्थापन की लागु करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म॰ एम॰ 35017(40)/77-पी॰एफ॰ 2(i)]

S.O. 1661.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Chengmari Tea Company Limited, 16A. Brabourne Road, Calcutta-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conserred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No S 35017(40)/77-PF II(i)]

काल्झां व 1662.— केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि यौर प्रकीणं उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक हारा प्रदन णक्तियों का प्रयोग करने हुए, सम्बद्ध विषय में भ्रावश्यक जाच करने के पश्चान् 31 दिसम्बर, 1975 से मैसर्स चेगमरी टी कम्पनी लिमिटेड, 16ए, बाबोर्न रोड, कलकता-1 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए यिनिदिष्ट करती है।

[स॰ एम॰ ३५०। ७( ४०) / ७७-पी॰ एफ॰- 2(ii)]

S.O. 1662.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Centual Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty-first day of December, 1975 the establishment known as Messis Chengmari Tea Company, Limited, 16A, Brabourne Road, Calcutta-1, for the purposes of the said proviso.

[No S 35017(40)/77-PF. II(ii)]

का॰ प्राः 1663. — केन्द्रीय गरकार कर्मचारी भविष्य निधि धौर प्रकीर्ण उपबन्ध भ्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की आरा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, सम्बद्ध विषय में श्रावश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जनवरी, 1976 में मैंसर्स जे०के॰ अम्ब्रेला एक्सेमरीज इण्डम्ट्रीज, 17, श्रामीनियम स्ट्रीट, कलकता-1 जिसमें इसकी 30, सेलेन्धर मार्ग, लिसुग्रा, हावड़ा स्थित शाखा गम्मिलित है, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करनी है।

[सं॰ एस॰ 35017(43)/77-पी॰एफ॰-2(ii)]

S.O. 1663.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1976, the establishment known as Messrs J. K. Umbrella Accessories Industries, 17, Armenian Street, Calcutta-1, including its Factory at 30, Sailandhar Road, Liluah, Howrah, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35017(43)/77-PF, II(i1)]

का॰ प्रांव 1664.—यत. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स प्रलायंस इंजीनियरी वक्सी, 79, लिनन संग्णी, कलकला-13 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

भन, भन, उक्न प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

यह प्रधिमूचना 1 अगस्त, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी आएगी। [सं० एस०३५०17(45)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 1664.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Alliance Engineering Works, 79, Lenin Sarani, Calcutta-13, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1975.

[No. S. 35017(45)/77-PF. II]

काल्ग्रां 1665 —यनः केन्द्रीय संरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कोरों चेम, 10, तांबू इण्डस्ट्रियल एस्टेंट, महाकाली रोड, ग्रन्धेरी (पूर्वी) मुम्बई-93, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रौर कर्मचारियो की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निश्चि श्रौर प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु किए जाने चाहिए;

श्रतः, श्रवः, उक्तं श्रधिनियमं की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्तं शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्तं स्थापन की लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रेल, 1976 का प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स॰ एस॰ 35018(1)/77-पी॰एफ-2]

S.O. 1665.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Coro-Chem, 10, Nandu Industrial Estate, Mahakali Road, Andheri (East), Bombay-93, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

[No, S. 35017(1)/77-PF, II]

कांश्वार 1666. यत: — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कास्टबेल, एजेन्सीज ए०-56 एम० आई०डी०सी० मरोल इन्डस्ट्रियल एस्टेंट, अन्धेरी (पूर्व), मुम्बई-93 नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध श्रीधनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः, श्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन का लागू करती है।

यह अधिसूचना । सितम्बर, 1975 को प्रबुत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35018(2)/77-पी०एफ० 2(i)]

S.O. 1666.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Castwell Agencies, A-56, M.I.D.C. Marol Industrial Estate, Andheri (East), Bombay-93, have agreed that the provisions of the

Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1975.

[No. S. 35018(2)/77-PF. II(i)]

का॰ आ॰ 1667. — केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ग उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक ढारा प्रदत्त मिनन्यों का प्रयोग करने हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पण्चात् 1 सितम्बर, 1975 मे मैसर्म कास्टबेल एजेन्सीज ए-56, एम॰ आई०डी०सी० मरोल इण्डस्ट्रियल एन्टेंट, अन्धेरी (पूष) मुम्बई-93 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिविष्ट करनी है।

[सं० एस-35018(2)/77-पी० एफ०-2(ii)]

S.O. 1667.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of September, 1975 the establishment known as Messrs Castwell Agencies, A-56, M.I.D.C. Marol Industrial Estate, Andheri (East), Bombay-93, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(2) /77-PF, II(ii)]

कां आं विति 8. — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैनसं धाई सी सी द्रेडिंग लिमिटेड, 49, दालामल चैम्बर्स, 17 न्यू मैरिन लाइन्स मुस्बई, 20 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक घौर कर्मजारियों की बहुसंख्या इस बात पर नहमत हो गई है कि कर्मजारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधितियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः, श्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 31 दिसम्बर, 1975 को प्रवस हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018(3)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 1668.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs ICC Trading Ltd., 49, Dalamal Chambers, 17, New Marine Lines, Bombay-20, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No. S. 35018(3)/77-PF. II]

कारणार 1663.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स भारतीय रटेट बैक कर्मचारी केन्ट्रीन, नवीन प्रणासनिय भवन, बैकब रेक्लेमेशन, मुख्यई-32, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध ग्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने नाहिए;

श्रतः, श्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना एक मितम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स॰ एस०-35018/4/77-पी॰एफ०-2]

S.O. 1669.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs State Bank of Indian Staff Canteen, New Administrative Buildings, Backbay Reclamation, Bombay-32, have agreed that the provisions provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1976.

No. S. 35018/4/77-PF, II]

कारुबार 1670,—याः केरद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमर्स गरद इन्टर प्राइज कैलकोट हाउस 8/10 टामिंग्ड लेन, मुम्बई-23 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मबारियों की ब्रह्मसब्दा इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मबारी भविष्य निधि और प्रकीण उप-बन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएँ;

भ्रतः, भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह ग्रियसूचना 1 जुलाई 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं॰ एस॰-35018/5/77-पी॰एफ॰-2(i)]

S.O. 1670.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sharad Enterprises, Calcot House, 8/10, Tamarind Lane, Bombay-23, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions 'Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said 'establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1976.

[No. S. 35018/5/77-PF. I(i)]

कारण्या 1671.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविषय निधि श्रीर प्रकीणं उपबन्ध श्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा ६ के प्रथम परन्तुक क्षारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, सम्बद्ध विषय में श्रावण्यक श्रांच करने के पश्चात् 1 जुलाई, 1976 से मैंसर्म शरद इन्टर-प्राइजेज केलकोट हाउस 8/10 टामरिड लेन मुस्बई-23 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिविष्ट करती है।

[मं॰ एम॰ 35018/5/77-यी॰एफ॰ 2(ii)]

S.O. 1671.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of July, 1976 the establishment known as Messrs Sharad Enterprises, Calcot House, 8/10, Tamarind Lane, Bombay-23, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/5/77-PF. II(ii)]

कर्शका ० 1672.----यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैगर्स डाक्टर खडेपार्वर्स निमंग होम, "भाग्य नदमी" 157 मर भलचन्द्र रोड, हिन्दू कालोनी, दादर, मुम्बई-14 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपजन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपजन्ध उपन स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

भ्रतः, श्रवः, उक्त श्रिष्ठितियमं की धारः । की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधितियम के उपबन्ध उक्त स्थापन की लागू करती है।

यह ग्रिधिमूचना 1 जून, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35018/6/77-पी०एफ-2]

S.O. 1672.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dr. Khandeparkar's Nursing Home, 'Bhagya Laxmi,' 157, Sir Bhalchandra Road, Hindu Colony, Dadar, Bombay 14, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1976.

[No. S. 35018/6/77-PF. II]

कार का 1673—यतः केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें साधना नाइट्रो, केमिकन निमिटिड आइ०बी०प्राई०हाउस एस-86 प्रन्धेरी, कुरला रोड, मुस्बई, जिसमें 47 एस०प्राई०डी०सी० इन्डस्ट्रियल एरिया रोहा, जिला कोलावा गांव षातव महाराष्ट्र स्थित इसका कारखाना भी मस्मिलित है। नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक प्रौर कर्मचारियों की बहुसख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध ग्रिकितियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उकत स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

श्रतः, श्रवः, उक्त ग्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवल शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह ग्रिधमूचना 31 जुलाई, 1975 को प्रथृत हुई समझी जाएगी।

[मं॰ एस॰ 35018/7/पी॰ एफ॰ 2(i)]

S.O. 1673.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Sadhana Nitro-Chem Limited, I.B.I. House S-86 Andheri Kuila Road, Bombay including its factory at 47, M.I.D.C. Industrial Area Roha District Kolaba, Village Bhatav, Maharashtra, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of July, 1975.

[No. S. 35018/7/77-PF. II(i)]

का॰ आ॰ 1674.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि श्रौर प्रकीर्ण उपबन्ध श्रधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवत शिक्त्यों का प्रयोग करने हुए, सम्बद्ध विषय में आवष्यक जांच करने के पश्चात् 31 ज्वाई, 1975 से मैमर्स साधना नाइटों केमिकल लिमिटेड शाई॰ बी॰शाई॰हाउम एस॰-८६ अन्धेरी कुरला रोड, मुम्बई जिसमें 47, एम॰शाई॰डी॰सी॰ इन्डस्ट्रियल मरिभाई रोहा कोलावा गांव घातव, महाराष्ट्र स्थित इसका कारखाना भी सम्मिलित है। नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्विष्ट करती है।

[सं॰ एस॰-35018/7/77-गी॰एफ॰-2(ii)]

S.O. 1674.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 31st day of July, 1975 the establishment known as Messrs Sadhana Nitro Chem Limited, I.B.I. house S-86 Andheri Kurla Road, Bombay including its factory at 47, M.I.D.C Industrial Area, Roha District Kolaba, Village Dhatav, Maharashtra for the purposes of the said proviso.

No. S. 35018/7/77-PF. II(ii)]

का शा० 1675.—यतः, केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससं इक्ण्डयन फाइवर बैंग मैनुफैक्चॉरंग कम्पनी, मिलल एस्टेंट एम० बसंजी रोड मरोल भाषा के निकट, प्रन्धेरी (पूर्वी) मुम्बई-59 जिसमें लेन्टिव बम्बर्स दलाल स्ट्रीट, मुम्बई-1 स्थित उमका मुख्य कार्यालय भी सम्मिलत है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मेचारियों की बहुसंख्या इस बान पर महमन हो गई है कि कर्मेचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः, ग्रज उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपजन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 31-1-75 को प्रवृत्त हुई गमक्की जाएगी।

[सं॰ एस•-35018/8/77-पी॰एफ॰-2]

S.O. 1675.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to establishment known as Messrs India Fibre Bag Manufacturing Company, Mittal Estate, M. Vasanji Road, Near Marol Maka, Andheri (East), Bombay-59 including its Head Office at Lentin Chambers, Dalal Street, Bombay 1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of January, 1975.

[No. S. 35018/8/77-PF, II]

कार प्रारं 1676.—यन केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें रामचन्द्र एड शेख 23-वी श्रजीरवाडी, मझगांव, मुस्बई-10 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्तवादियों की बहुसंख्या इस बान पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को नाम किए जाने चाहिए;

श्रन, श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) ब्रास्ट प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह अधिसूचना 31 मई, 1975 को प्रवृत्त समझी जाएगी।

[सं॰ एस॰-35018/9/7*7-*पी॰एफ॰-2]

S.O. 1676.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ramchandra and Shaikh, 32-B, Anjirwadi, Mazagaon, Bombay-10, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of May, 1975.

[No. S. 35018/9/77-PF. II]

कार्ज्यार 1677.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीय होगा है कि मैसर्स राजीव लेदर इन्डस्ट्रीज पूनावाला चाल धालवी, मुस्बई-17 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपबन्ध श्रीधिमयम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए :

श्रन., श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त सक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबक्ध उक्त स्थापन को लागु करती हैं ।

यह भिधिसूचना 31 विसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [मं० एस०-35018/10/77-पी०एफ-2]

S.O. 1677.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rajiv Leather Industries, Poonawala Chawl, Dharavi, Bombay-17, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1975.

INo. S. 35018/10/77-Pf. III

का० आ० 1678 — यत: केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें संतोष लेदर कारपोरेणन, कल्याणवाडी धारबी, मुन्बई-17 नामक स्थापन से सम्बद्ध तियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि बर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन की लागृ किए जाने चाहिए;

श्रमः, श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को सागू करती है।

यह श्रिष्टिमुखना 31 दिसम्बर, 1975 को प्रवृक्त हुई समझी जाएगी।

मि॰ एस॰-35018/12/77-पी॰एफ॰-2}

S.O. 1678.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Santosh Leather Corporation, Kalyan Wadi, Dharavi, Bombay-17, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1975.

[No. S. 35018/12/77-PF. II]

का॰ प्रा॰ 1679.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीन होता है कि मैसर्स इन्वियन सीप एष्ड ट्वाइलॅट्टीज मेकर्स, एसोसिएशन, सातवीं मजिल (टेरेस) दिलमाल चैम्बर्स, 17, न्यू मैरिन लाइन्स, मुम्बई-20 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजन और कर्मचारियों की बहुर्सक्या इस बात पर सहमन हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपवन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपजन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने नाहिये।

श्रनः, भ्रव, उक्त श्रधिनियम की धार। । की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों कः प्रयोग करने द्वुए केन्द्रीय संस्कार उक्षन श्रिधिनियम के उपवश्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह धिसूचना 1 जनवरो, 1975 को प्रयुत्त हुई समझी जायेगी। [सं० एम० 35018(13)/77नी०एफ०-2]

S.O. 1679.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Indian Soap and Toiletries Makers' Association. 7th Floor (Tarrace), Drlumal Chambers, 17, New Marine Lines Bombay-20, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No S. 35018(13)/77-PF, II]

का॰ भा॰ 1680.—यत. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एस॰ एस॰ स्टील प्रासेसर्स प्राह्मवेट निमिटेड, मुरलीमल श्री कृष्ण-दाम कम्पाउण्ड, 37-ए भागरा रोड भाइए, मुम्बई जिसमें 205, संततुकाराम रोड मुम्बई 19 स्थिन इसका कारखाना भी सम्मिलित है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुमक्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीण उपबन्ध मिनियम, 1952(1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू कि जान चाहिये:

ग्रातः, भ्राव, उक्त प्राधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपजन्म उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह अधिसूचना 1 भन्नैल, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी। [सं० एस०-35018/14/77-पी०एफ०-2]

S.O. 1680.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs S. S. Steel Processers Private Limited, Murlimal Shrikishandas Compound, 37-A, Agra Road, Bhandup, Bombay including its factory at 205, Sant Tukaram Road, Bombay-9 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Ac<sup>4</sup>, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1975.

[No. S. 35018/14/77-PF.II]

का॰ ग्रा॰ 1681.— यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत हीता है कि मैसर्ग अयेश पैकर्स, मुस्बई सां मिरस कम्पाउण्ड ई॰एस॰ पाटनवाला मागै, धोनपदेव मुस्बई-33 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कमैंचारियों को बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कमैंचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबंध मधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

ग्रतः, ग्राधः, उक्त अधिनियम की धारा 1 की अपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय मरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह प्रधिसूचना 31 विसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35018/15/77-पी०एफ०-2]

SO. 1681.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jayesh Packers, Bombay Saw Mills Compound, E. S. Patanwala Marg, Ghorupdeo, Bombay-33. have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act. the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This no ification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1975.

[No. S. 35018, 15/77-PF.LI]

का ला । 1682. — यन फेन्ट्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमं मास्टर धाक्सीट प्रिटर्स एनेस्ली रोड डी नाई स्युनिपसल कार्यालय के सामने नेमिगटन रोड से लगा हुआ मुस्बई-7 नामक स्थापन में सम्बद्ध निगोजक घीर कर्मचारियों की यहुसंख्या इस बात पर सहमत ही गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपखंड अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

स्रतः, प्रवं, उक्तं अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करनी हैं ।

यत् अधिस्चना 31 मार्च, 1976 को प्रवृत हुई समझी जाएगी।

[सं॰ एस॰ 35018/16/77-पी॰एफ॰-2]

S.O. 1682.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs offset Printers 4-A, Annesly Road, Opposite 'D' Ward Municipal Office, Off Lamington Road, Bombay-7 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of March, 1975.

[No. S. 35018/16/77-PF,II]

कारुआर 1683.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमर्ने रायनो भीलम 4 केन्द्रार प्री० एन० ट्रस्ट एस्टेट धारे रोड सेपो, गोरेगांव (ईस्ट) मस्बई-63, नामक स्थापन से मस्बद्ध नियोजक धौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बान पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि धौर प्रकीण उपबंध धिधिनयम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध जनन स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

भ्रतः, भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त भ्रधिनियम के उपवन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है;

यह श्रविभूचना इकत्तोस दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जासेकी ।

[स॰ एस॰ 350 18/17/77-पी॰एफ॰-2]

S.O. 1683.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ryno Seals, 4, K.R.O.N. Trust Estate, Off Aarey Road, Goregaon (East), Bombay-63, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1975.

[No. S. 35018/17/77-PF.[f]

का॰ का॰ 1684.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें कम्याउन्ड पाइप स्टाफ फीड्म मैनुर्फैक्बरमें प्रमोमिएणन ग्राफ क्षिया 165/166, धेकथे रिक्तेमेणन, मुम्बई-20 नामक स्थापन से राम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुमस्या इस ग्रात पर सहमत हो गई है। कि कर्मचारी मीवष्य निधि ग्रीर प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने कांह्ये;

श्रतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है ।

यह धिधसूत्रना इकत्तीस दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[स॰ एस॰ 3 5 0 1 **8**/ 1 8**/ 7** 7-पी • एफ॰ - 2]

S.O. 1684.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Compound Livestock Feeds Manufacturers Association of India 165/166, Backbay Reclamation, Bombay-20, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1975.

[No. S. 35018/18/77-PF.II]

का (ब्यां वे 1685, — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससे श्री पिक्चर्ग 'भावना' पहली मंजिल, -422 सावरकर रोड, मुम्बई-25 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीणं उपबन्ध धर्धिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

भ्रतः, प्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त भ्रधिनियम के उपजन्ध उक्त स्थापन की लागू करती है।

यह प्रश्चिस्चना, 1 प्रप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी ।
[स॰ एस॰ 35018/20/77-मी॰ एफ॰-2(i)]

S.O. 1685.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shri Pictures, 1st Floor, 422, Savarkar Road, Bombay-25, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

[No. S. 35018/20/77-PF.II(i)]

कारुकार 1686.— केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि धौर प्रकीर्ण उपबन्ध ग्रीधिमयम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्यों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय मे आवश्यक जांच करने के पण्चात् 1 ग्रप्रैल, 1976 से मैसर्म श्री पिक्चमं

'भावना' पहली मंजिल, 422 सावरकर रोड मुम्बई-25 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनो के लिये बिनिर्दिण्ट करती है।

[स॰ एस॰ 35018/20/77-पी॰एफ-2(ti)]

S.O. 1686.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of April, 1976, the establishment known as Messes. Shri Pictures, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/20/77-PF\_II(ii)]

क(ब्बा॰ 1687.— यस केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि मैसर्च रबी पिक्चर्स 'भावना' पहली मंजिल 422 सायरकर रोड, सुम्बई-25 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक कर्मचारियों की बहुसख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कमेचारी भविष्य निधि धौर प्रकीर्ण उपबन्ध मधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए ।

म्रतः प्रया, अक्त अधिनियम की घारा । को उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करनी है ।

यह प्रशिमुचना एक अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई ममझी जाएगी।

[स॰ एस॰ 35018/21/77-पी॰ एफ॰-2(i)]

S.O. 1687.—Whereas it appears to the Central ment that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ravi Pictures, 'Bhavana', 1st Floor, 422 Savarkar Road, Bombay-25 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment. should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

[No. S. 35018/21/77-PF.II(i)]

कार आरं 1688,---केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, सम्बद्ध विषय से श्रावश्यक जांच करने के पश्चात् एक ग्राप्रेल, 1976 से मैसर्स खी पिक्चमं 'भावना' पहली मजिल, 422, मानरकर रोड, मुम्बई-25 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिंगे विनिधिष्ट करती है। [मं० एम० 35018/21/77-पी० एफ०-3(ii)]

S.O. 1688.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of April, 1976, the establishment known as Messrs Ravi Pictures, 'Bhavana' Ist Floor, 422 Savarkar Road, Bombay-25, for the purposes of the said provise.

for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/21/77-PF.II(ii)]

का० झा० 1689---,यत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससे अमिला पिक्चमें, 'भावना' पहली मिजल, 422 सायरकर रोड, मुम्बई नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भौर कर्मचारियो की बहुमंख्या इस

बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रिप्तिनयम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए।

श्रतः, भ्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त प्रक्तियां का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह प्रधिसूचना । अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[स॰ एस॰ 35018/23/77-पी॰एफ॰-2(i)]

8.0. 1689.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Urmila Pictures "Bhavana", 1st Floor, 422 Savankar Road, Bombay, have agreed that the provisions of Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), thould be made applicable to the rold actablishment. should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

[No. S. 35018/23/77-PF.II(i)]

का०मा० 1690.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि ग्रौर प्रकीर्ण उपबन्ध मर्धिनयम, 1952(1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त णक्तियों का प्रयोग करने हुए, सम्बद्ध विषय में न्नावश्यक जांच करने के पण्चात् । अप्रैल, 1976 से मैसर्स उर्मिला पिक्चर्स "भावना" पहली मंजिल, 422 सावरकर रोड, भूम्बई-25 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनो के लिये विनिर्दिष्ट करती है।

[मं॰ एम॰ 35018/23/77-पी॰एफ॰-2(ii)]

S.O. 1690.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds nrst proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifics with effect from the 1st day of April, 1976, the establishment known as Messis Urmila Pictures, "Bhavana", 1st Floor, 422 Savarkar Road, Bombay-25, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/23/77-PF.II(ii)]

**का॰गा॰ 16 91.**—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्म राजश्री प्रोडक्शन्स, 'भावना' पहलो मंजिल, 422 सावरकर रौड, मुम्बई 25, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुसंख्य। इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी सनिष्य निश्चि भौर प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू।कये जाने चहिए।

मनः, ग्रब, उक्न प्रधिनियम की धारः 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रीर्धानयम के उपबन्ध उक्त स्थापन का लागू करती है।

यह ग्रधिसुबना 1 ग्राप्रैल, 1976 को प्रयुत्त हुई समझी जाएगी।

[स॰ एम॰ 35018/24/77-पी॰एफ॰-2(i)]

S.O. 1691.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rajshri Productions, 'Bhavana', 1st Floor, 422 Savarkar Road, Bombay-25, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

INo. S. 35018/24/77-PF.II(i)]

का॰ प्रा॰ 1692. — केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीण उपबन्ध भिधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवक्त फाक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में भावस्यक जांच करने के परचात् 1 भन्नेल, 1976 से भैसर्स राजश्री प्रोडक्सन्स 'भावना' पहली मंजिल, 422 सावरकर रोड, मुम्बई-25 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के नियं विनिविष्ट करती है।

[सं॰ एस॰ 35018/24/77-पी॰एफ॰-2(ii)]

S.O. 1692.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April, 1976, the establishment known as Messrs Rajshri Provisions 'Bhavana', 1st Floor, 422 Savarkar Road, Bombay-25 for the puruposes of the said proviso.

[No. S. 35018/24/77-PF. II(ii)]

का०बा०. 1693.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि भैससे मंजूश्री फिलम्स, 'भाजना' पहली मंजिल, 422 सावरकर रोड मुम्बई-25 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक घौर कर्मचारियों की बहु-संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि घौर प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए;

म्रतः, म्रबः, उक्त मधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संरकार उक्त मधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह श्रिधसूचना, एक श्रिवेल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं॰ एस॰ 35018/25/77-पी॰एफ॰-2(i)]

S.O. 1693.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Manjushri Films, 'Bhavana', 1st Floor, 422, Savarkar Road, Bombay-25, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

[No. S. 35018/25/77-PF.II(i)]

का॰ 1694. — केन्द्रीय सरकार कर्मभारी भविष्य निधि और प्रकीणं उपबन्ध प्रधिनियम , 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परंजुक द्वारा प्रवत्त लिक्यों का प्रयोग करते हुए, गम्बद्ध विषय में भविषयक आंध करने के पश्चात एक ध्रमैल, 1976 से मैमर्म मंजुधी फितम्स 'भाषना' पहली मंजिल, 422 साचरकर रोड, मुम्बई-25 नामक स्थापन को जक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिदिष्ट करनी है।

[सं॰ एस॰ 35018/25/77-पी॰एफ॰-2(ii)]

S.O. 1694.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April, 1976 the establishment known as Messrs Manjushri Films, 'Bhavana' 1st Floor, 422 Savarkar Road, Bombay-25, for the purposes of the said proviso,

[No. S. 35018/25/77-PF,II(fi)]

का०बा० 1695 — केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम , 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा द्वारा प्रदन्न णक्तियों का प्रयोग करने हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के परचात् एक धप्रैल, 1976 से मैसर्स सूरज पिक्चर्स भावता 'गहली मंजिल, 422 सावरकर रोड, मुम्बई-25 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिधिष्ट करती है।

[सं॰ एम॰ 35018/26/77-पी॰एफ॰-2]

S.O. 1695.—In exercise of the powers conferred by the first provise to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April, 1976, the establishment known as Messrs. Suraj Pictures, 'Bhavana', 1st Floor, 422 Savarkar Road, Bombay-25 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/26/77-PF.II]

का॰ आ० 1696 — यतः केंन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सूरज पिक्चर्स 'भावता' पहली मंजिल, 422 सावरकर रोड, मुम्बई-25 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक धौर कर्मचारियों की बहु-संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निश्चि धौर प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिएं!

भतः, भवः, उक्त प्रधिनियम की घारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त ध्रिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग् करती है ।

यह प्रधिसूचना एक भन्नेल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएनी।

[सं॰ एम॰ 35018/26/77-पी॰एफ॰-2(i)]

S.O. 1696,—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Suraj Pictures, 'Bhavana' Ist Floor, 422 Savarkar Road, Bombay-25, have agreed that the provisions of the Empployees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

[No. S. 35018/26/77-PF. II(i)]

का आ 1697. — यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रवंति होता है कि मैनर्स सरगम पिक्चर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 'भवाना' 422, मायरकर रोड, मुम्बई-25 नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहु-संख्या इस बान पर सहमन हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध ग्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये,

भ्रतः, भ्रवः, उक्त अधिनियमं की धारा । की उपधारा (4) ढारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम कें उपबन्ध उक्त स्थापन का लागू करनी है ।

यह प्रधिसूचना, एक अपैल, 1976 को प्रवल हुई समझी जायेगी।

[स॰ एस॰ 35018/27/77-पी॰एफ॰-2(i)]

S.O. 1697.—Whereas it appears to the Central Government that the employed and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sargam Pletures (Private) Limited. 'Bhavana' 422, Savarkar Road, Bombay-25 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April 1976

[No. S 35018/27/77-PF Π(i)]

शांक्या 1698 --- यत केन्त्रीय सरकार की यह प्रतीस होता है कि मैससं प्रजित फिल्मस, "भावता", 122 सायरकर शेड, मुम्बई-25 सामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मवारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मजारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रक्षितियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये;

श्रतः, श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपवारा (4) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार उक्त प्रधिनियम के उपवन्ध्र उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह प्रधिसूचना 1 प्रत्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एम० 35018/28/77-पी०एफ०-2(i)]

S.O. 1698.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messra Ajit Films. 'Bhavana' 422. Savarkar Road, Bombay-25, have greed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powe's conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976

[No. S. 35018/28/77-PF II(i)]

कार्ध्यार 1699 — केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध ग्रिकिमियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रयम परन्तुक द्वारा प्रवत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में ग्रावश्यक जाच करने के पश्चात्, 1 ग्रप्रैल, 1976 में मैमर्स ग्रजित फिल्मम "भावना" 422 सावरकर रोष्ठ, मुम्बई-25 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्विष्ट करती है।

[सं॰ एग॰ 35018/28/77-पी॰एफ॰॰2(ii)]

S.O. 1699.—In exercise of the powers conferred by the first p oviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April, 1976 the establishment known as Messrs Ajit Films 'Bhavana' 422, Savarkar Road, Bombay-25, for the purpose of the said proviso.

[No. S. 35018/28/77-PF. II(ii)]

काल्झा॰ 1709 — केन्द्रीय सरकार कर्मवारी भविष्य मिधि झौर प्रकीर्ण उपबन्ध भिधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, सम्बद्ध विषय में भावश्यक जांच करने के पण्चात् एक जुलाई, 1976 से मैसमें विनोद एसाणिऐट्सि, 8/10, तमारिन्द गली, मुस्बई-23 नामक स्थापन की उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिये विनिर्दिष्ठ करती है।

[सं॰ एस॰ 35018/29/77-पी॰एफ॰-2(ii)]

S<sub>0</sub>O. 1700.—In exercise of the powers conferred by the flist p oviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matte thereby specifies with effect from the first day of July, 1976, the establishment known as Messrs Vinod Associacs, 8/10, Tamatind I ane, Bombay-23, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/29/77-PF. II(ii)]

कार्र्यार 1701 — केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि भौर प्रकीणं उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में प्रावश्यक जाच करने के प्रश्वात् तीस सिनम्बर, 1975 से मैसमं टेग ट्यूब एंड एलाइड प्रोडक्ट्स 113/114, बजाज भवन, ग्यारहवीं मंजिल, नारिसन प्याईट-मुम्बई नामक स्थापन की उक्त परन्तुक के प्रयोजनीं के लिये विनिधिष्ट करती है।

[मं० एम० 35018/30/77-पी०एफ०-2(ii)]

S.O. 1701.—In exercise of the powers conferred by the first provise to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirtieth day of September, 1975, the establishment known as Messrs Tap Tube and Allied Products, 113/114, Bajaj Bhavan, 11th Ploor, Nariman Point, Bombay for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/30/77-PF. II(ii)]

का॰ मा॰ 1702.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है िक मैसमं युनिवर्सन स्टार्घ केमिकन एनाइड प्रांडक्ट्स निभिटेड, 11 मुम्बई मुचुप्रन एनेक्सी तीसरी मंजित करना सिक्का मार्ग मुम्बई-400001 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को नागू किये जाने चाहिये;

भ्रतः, ग्रबं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त भ्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह मधिसूचना 31 दिसम्बर, 1972 को प्रवत्त हुई समझी जायेगी।

[स॰ एस॰ 35018(83)/76-पी॰एफ॰-2(i)]

S.O. 1702.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs. Universal Strach Chem. Allhed Products Limited, 11, Bombay Mutual Annexe, 2nd Floor, Rustom Sidhva Marg, Bombay-400001 have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1972.

[No. S. 35018(83)/74-PF, II(i)]

कार आर 1703.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपबन्ध, श्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की घारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवस्थ शक्तियों का प्रयोग करने हुए, सम्बद्ध विषय मे श्रायश्यक जांच करने के पश्चान् 31 दिसम्बर 1972 से मैससँ यूनियर्सल म्टाचं केमिकल एलाएंट श्रोडक्ट्स लिमिटेड, 11 मुम्बई मुखुएल एनेक्सी, तीसरी मंजिल रूक्सम सिद्धवा मार्ग, मुम्बई, 400001 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करनी है।

सिं० गस् ० 35018(83)/74-पी० एफ०-2(ij)]

S.O. 1703.—In exercise of the powers conferred by the first provise to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter hereby specifies with effect from the thir y first day of December, 1972, the establishment known as Messrs Universal Starch Chem. Allied Products Limited, 11, Bombay Mutual Annexe, 2nd Floor, Rustom Sidhva Marg, Bombay-400001 for the purposes of the said proviso.

[No. S-35018(83)/74-PF. II(ii)]

कां आं 1704.—यनः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें केमिकल ट्रेडिंग कम्पनी XXX/1655 एम० जी० रोड, कोचिन 16, एनिकुलम, कनयशुर नालुक एनिकुलम जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भीर कमचारियों की बहुमंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रतीण उपबन्ध मधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

श्रम, भ्रम, उक्त भिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह ग्रिधिसूचना ३। दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[स्रुप्तः 35019(7)/77-पीरुप्क-2(i)]

S.O. 1704.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Chemical Itading Company, XXX/1655, M. G. Road, Cochin-16, Irnakulam Village, Kanyannur Taluk, Ernakulam District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019(7)/77-PF, IJ(i)]

का० आ० 1703 — केन्द्रीय सरकार कर्मवारी धविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपवत्य प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदन जिल्ह्यों का प्रयोग करने हुए, सम्बद्ध विषय में श्रावश्यक जाल करने के पश्चात् 31 दिसम्बर, 1976 से मैन्स् केमिकल ट्रेडिंग कम्पर्ता XXX/1655 एम० जी० रोड, क्रांचिन-16 एनक्कुलम गांव, कनयन्तुर तानुक, एनक्किलम जिला नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्विष्ट करनी हैं।

[स॰ एस॰ 35019(7)/77-पी॰ एफ॰-2(ii)]

S.O. 1705.—In exercise of the powers conferred by the first provise to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), the Cen ral Government, after making necessary enquiry into the matter hereby specifies with effect from the 31st day of December, 1976 establishment known as Messrs. Chemical Trading Company, XXX/1655, M. G. Road, Cochin-16, Ernakulam village, Kanyannur Taluk, Erakulam District for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(7)/77-PF. II(ii)]

का० आ० 1706 — यत केस्ट्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मैसमें होटल श्री विजय गार्डेन्स, मेन शेंड, विणाखापन्तम, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भ्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध ग्रीधनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए.

प्रता, ग्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त माक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को सामु करती है।

यह प्रधिमूचना । ग्रक्तूबर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [स॰ एस॰ 35019/10/77-नी॰ एफ॰-2]

S.O. 1706.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis. Hotel Sit Vijaya Gardens, Main Road, Visakhapatnam have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1976

[No S 35019(7,77-PF, II(ii)]

कार आर 1707 — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससे बालाजी विश्तीज टेक्सटाइल प्रथम ग्रग्रहरण, सलेप-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहुमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निश्चि ग्रीर प्रकीण जायन्य ग्राज-नियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को ताल् किए जाने चाहिए,

अतः, अदः, उक्तः अधिनियमं की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त णक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त आंधिनियमं के उपबन्ध एक स्थापन को लागु करती है ।

यह श्रधियूचना 1 अप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स॰ एस॰ 35019/26/77-पी॰ एस॰-2(i)]

**S.O. 1707.**—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the emblishment as Messis Balaji Binny's Textiles, First Agr. hat m Salem-I, have agreed that the provisions of the Limploy s' Provident Funds and Miscellaneous Prvisions Net, 1952 (1) of 1952), should be made applicable to the said es ablishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

[No. S 35019/26/77-Pf If(1)]

कार आ० 1708 — केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि धौर प्रकीर्ण उपबन्ध, ध्रक्षित्यम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवत्त प्रतिस्थों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विध्य में भावप्यक जांच करने के पश्चाय, 1 प्रप्रैल, 1976 में ममर्म बालाजी विश्वीज टेक्सटाइल, प्रथम ध्रग्रहरण, सलेम-1, नामर स्थापन की उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिविष्ट करती है।

[स॰ एस॰ 35019/26//77-पी॰ एफ॰-2(ii)]

**S.O.** 1708.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April 1976 the establishment known as Messrs Balaji Binny's Textile First Agraharam, Salem, for the purposes of the said proviso

[No S 35019/26/77-PF H(ii)]

कार आर 1709 — यतः केन्द्रीय भरकार को यह प्रतीत होता है कि मैलता विद्यालय केश्वर वि महास एन्यूमिनियम कंपनी लिर मेमर डैम-2 मली जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक घीर कर्मनारियो की बहुमंख्या १म बात पर सहमन हा गई है कि कर्मनारी भविष्य निधि घीर प्रकीर्ण उपवन्ध्र श्रीभिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवन्ध्र उक्त स्थापन को लागृ किए जाने बाहिए

भन, भव, उक्त श्रधिनियम की धारा ! ती उपधारा (४) द्वारा प्रवस मेंक्तिया या अयोग करने हुए केन्द्रीय सरनार उक्त श्रधिनियम के उपबक्ष उक्त स्थापन को लाग करनी है ।

यट ग्राधिस्चना । तत्रम्बर, 1975 को प्रयुक्त हुई समझी जाएगी।

**[मं॰ एस॰ ३५**०19/28/77-पी० एक०-2]

S.O. 1709.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Malco Vidyaliya Care The Madias Aluminium Company Limited, Mettur Dam-2, Salem District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This no ification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1975.

[No. S. 35019/28/77-PF. II]

का॰ आ॰ 1710 — यत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें यूनिमैक्स सैबोरेट्रीज प्लोट सं० 7, मेक्टर-24, फरीवाबाद नामंक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सह्मत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

श्रतः, श्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा श्रवम शक्तियों का प्रयोग करते हुए केस्द्रीय सरकार उक्त भ्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यत अधिसूचना 31 अन्तूबर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एस• 35019/29/77-पी० एफ०-2]

S.O. 1710.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Unimax I aboratories, Plot No. 7. Sector 24, Faridabad, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of October, 1976.

[No. S. 35019/29/77-PF, III

कां० आ० 1711. — यन केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्ग विसोव एसोणिएट्स, कालकोट हाउस, 8/10, तमारिन्द गली, मुम्बई-23 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भौर कर्मचारियों की बहु-संख्या हम बान पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भौर प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन वो लागू किए जाने चाहिए;

श्रव, श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 1 की उपक्षारा (4) द्वारा प्रवक्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करनी है।

यह प्रविमुचना 1 जुलाई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35018/29/77-पी० एफ०-2(i)]

S.O. 1711.—Whereas is appears to the Central Government that the employee and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vinod Associates, Calcot House, 8/10, Tamarind Lane, Bombay-23, have

agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of sec ion 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to he said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1976.

[No. S. 35019/29/77-PF II(i)]

का० आ० 1712. — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससं टैप द्यूब एण्ड एलाइड प्रोडक्ट्स, 113/114, बजाज भवन, ग्यारहर्भ मंजिल, नारिमन प्याइन्ट, मुम्बई नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोज्जक शौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बान पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि शौर प्रकीर्ण उपवन्ध श्रिधनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने काहिए,

भ्रातः, श्रवः, उक्त प्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) हारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय गरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करनी है ।

यह ग्रिधिसूचना 30 सितम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं॰ एस॰ 35018/30/77-पी॰ एफ॰-2(i)]

S.O. 1712.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Tap Tube and Allied Products. 113/114, Bajaj Bhavan, 11th Floor, Nariman Point, Bombay have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1975.

[No. S. 35018/30/77-PF H(i)]

कार आर 1713.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें होटल मोती महल, मेन रोड, विणाखापणनम, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमंख्या इस बान पर सहमन हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रत, ग्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह प्रश्निसूचना 1 नवम्बर, 1976 को प्रवृत्त सुद्ध समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019/36/77-पी० एफ०-2]

S.O. 1713.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ho'el Moti Mahal, Main Road, Visakhapatnam, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1976.

[No. S. 35019/36/77-PF, II]

कार अरं 1714. — यन. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीन होना है कि मैसर्स विकास टैक्सटाइस्स उद्योगनगर, उधना, जिला सूरन नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों की बहुमख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी सबिय निधि ग्रीर प्रकीण उपबन्ध ग्रीध-नियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने वाहिए;

भ्रतः, भ्रवः, उक्तं भ्रष्टिनियमं की घारा । की उपधारा (4) हारा प्रवत्तं शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्तं भ्रिधिनियम के उपवन्धं उक्तं स्थापन को लाग करती है ।

यह अधिसूचना 30 मितम्बर, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं॰ एस॰/35019(44)/77-पी॰ एफ॰-2]

S.O. 1714.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vikas Textiles, Udyognagar, Udhna, District Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act on the thirtieth day of September, 1977.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1977.

INo. S. 35019(44)/77-PF. III

का॰ आ॰ 1715. — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होना है कि मैससे स्टेंडियम क्लब (ब्रह्मानन्य रेड़ी स्टेंडियम) गुन्दूर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मनारियों की बहुसंख्या इस बान पर संहमत हो गई है कि कर्मनारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपबन्ध श्रिधिनयम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु किए जाने चाहिए;

भ्रतः, भ्रव, उक्त भिधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त भिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है ।

यह प्रधिसूचना 1 नवम्बर, 1976 को प्रयूत हुई समझी जाएगी।

[मं० एस० 35019/52/77-पी**० एफ०-2**]

S.O. 1715.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in tela ion to the establishment known as Messrs Stadium Club (Brahmanandu Reddy S adium), Guntur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Governmen hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1976.

[No. S. 35019/52/77-PF. II]

काल्आ 1716 -यन केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जयभारत प्रिटिंग प्रेस, कल्ला रोड, कालिकड-2 नामक स्थापत से सम्बद्ध तियोजक और कर्मचारियों की बहुसख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपजन्न प्रिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपयन्ध्र उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए.

श्रतः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

यह ग्राधिसूचना 1 जनवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स॰ एस॰ 35019(64)/77-पी॰ एफ॰-2]

S.O. 1716.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jayabharath Printing Press, Kallai Road, Calcutta-2, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January 1977.

[No. S. 35019/64/77-PF, J]]

का॰ भा॰ 1717 — यतः केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है म सर्ग रसत मेडिकल सर्विमेज श्रशोका किलिनक, संदी मोहल्ला, मैसूर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियो की बहुगंख्या इस बात पर महमन हा गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रार प्रकीर्ण उपबन्ध श्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं,

ध्रतः, ग्रज, उक्त ध्रीधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त णाक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपजन्ध उक्त स्थापन को नागु करती है ।

यह ग्रिधसूचना 1 मई 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एन०35019(66)/77-पी० एफ०-2]

S.O. 1717.—Whereas i appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Raman Medical Services, Ashoka Canac, Mandi Mohalla, Mysore, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the soid establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said. Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1976.

[No. S. 35019(66)/77-PF. 1I]

का० गा० 1718 — यतः फेन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्ग रमन मेडिकत मियमें , नीमग एवं मेटिनिटी होम, के० एग० पुरम, मैनर-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहु-सङ्गा इस यात पर राहमत हो गई है कि कर्मबारी भविष्य निधि ग्रीर 31 GI/77—5

प्रकीर्ण उपबन्ध ग्राधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रनः, श्रवः, उक्तः श्रधिनियमं की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवन्तं मिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रश्चितियम के उपबन्ध उक्तं स्थापन को लागू करती हैं।

यह मधिसूचना 1 मई 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं॰ एम॰ 35018(67)/77-पी॰ एफ॰ 2]

SiO. 1718,—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Raman Medical Services, Nursing and Maternity Home, K. M. Puram, Mysore-4, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1976.

[No. S. 35018/67/77-PF. II]

काश्मा । 1719.— यतः केन्द्रीय गरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री कृष्णा केफे, कामराज डोबुल रोड, मैसूर-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुमख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध श्रीधनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

श्रतः, श्रवं, उक्त श्रिधिनियमं की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिधिनियमं के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जुनाई 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मं॰ एस॰ 35018 (63) / 77-पी॰ एफ॰-2]

S.O. 1719.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sri Krishna Cafe, Chamaraja Double Road, Mysore-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1976.

[No. S. 35019/68/77-PF. II]

कार आर 1720.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससे एक्टो एशियन कांडस्सिल श्राफ यूनानी एड्डकेशन मैसूर-4 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भौर कर्मचारियों की बहुसक्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रौर प्रकीण उपबन्ध श्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागृ किए जाने चाहिए;

श्रतः, ग्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा । की उपधारा (4) ढारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करनी है ।

गह श्रिधिसूचना 1 मई, 1976 को प्रकृत हुई समझी जाएगी।

[स॰ एस॰ 35019(69)/77-पी॰ एफ॰ 2]

S.O. 1720.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Afro Asian Council of Unani I-ducation, Mysoic-4, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1976.

[No. S 35019/69/77-PF. II]

करा आ। 1721.—यत. वेन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स फर्नाटक इंडियन मेडिमिन प्रैक्टिस्नर्स एणोमिएणन, 1478 कृष्णामूर्ति-पुरम, मैसूर-1 नामक स्थापन से गम्बद्ध नियोजक भ्रीर कर्मचारियो की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भ्रीर प्रकीण उपबन्ध श्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं:

श्रमः, श्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा श्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह अधिसूचना 1 मई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०३५०1१(७०)/७७-पी० एफ० 2]

S.O. 1721.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Karnataka Indian Medicine Practitioners' Association, 1478, Krishnamurthypuram, Mysote-4, have agreed that the provisions of the Employees' Provident I unds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the firs' day of May, 1976.

[No. S. 35019/70/77-PF. III

का॰ भा॰ 1722, — यनः केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि मेसर्स रमन मेडिकल सर्विनेज, श्रणोक क्लोनिक, ध्यागराजा रोड, मैसूर-4 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक धौर कर्मचारियों की बहुसंख्या स बात पर सहसत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि धौर प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1953 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु किए जाने चाहिएं,

प्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (1) द्वारा प्रदम गक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उगबन्ध उक्त स्थापन वो लागु करनी है।

यह प्रधिमुचना । मई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स॰ एस॰ ३५०१९(७१) / ७७-पी॰ एफ॰ 2]

S.O. 1722.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Raman Medical Services, Ashoka Clinic, Thyagaraja Road, Mysote-4, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May. 1976.

[No. S. 35019/71/77-PF. II]

का० ग्रा० 1723.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्म चैरिटीज इस्टर नेशनल, 1478 कुष्णामूर्ति पुरम, मैंस्र-4 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियो की बहुसख्या इस बान पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीण उपबन्ध ग्रिधिनयम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

श्रतः श्रव उक्त श्रविनियम की धारा 1 की उपवारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपवन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी आएगी।

[म॰ एस॰ 35019(72)/77-पी॰ एफ॰ 2]

S.O. 1723.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Charitables International, 1478, Krishnamurthy Puram, Mysore-4, have agreed that the provisions of the Employees' Provident I unds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1976.

[No. S. 35019/72/77-PF. III

कार पार 1724.— यनः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रमन मेडिकल मर्विस, प्रशोक क्लिनिक, धनवंतरी रोड, मैसूर-1 नामक स्थारन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मवारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहगत हो गई है कि कर्मवारी भविष्य निधि और प्रकीण उपविध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने वाहिए;

भ्रम., श्रब, उक्त श्रिक्षित्यम की धार। 1 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तिया का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन का लागु करती है ।

यह ग्रधिसूचना । सई, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स॰ एस॰ ३५०१९ (७३) / ७७-पी॰ एफ॰-2]

S.O. 1724.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Raman Medical Service, Ashoka Clinic, Dhanawantry Road, Mysore-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1976

[No. S. 35019/73/77-PF. 11]

का श्रात 1725.—यन के द्वीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मैसमें लक्ष्मी चित्र मंदिर, बिजापुर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमध्या इस बात पर महमत हा गई है कि कर्मचारी भविष्य निश्चि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

श्रत, श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन की लागु करती है ।

यह अधिमूचना । नवम्बर, 1976 का प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स॰ एस॰ 35019(74)**/77-**पी॰ एफ॰-2]

S.O. 1725.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs I axmi Chitra Mandir, Bijaput, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1976.

[No. S. 35019 74/77-PF. II]

का श्रा० 1726.—एतः केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसमें को जी थिएटसं, पधिक आध्यम के मामने, पालनपुर जिला क्यासकाटा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजिक श्रीर कर्मचारियों की यहुसख्या द्वस कात पर सहसत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीणं उपबन्ध श्राविषियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागृ किए जाने चाहिए;

श्रतः, ग्रंब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (उ) द्वारा प्रदत्त णिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करसी है।

यह प्रशिम्चना ४1 ण्यदि, 1976 का पंयुत्त हर्ष समझी जाएगी । [सरुणसुन् 35019(75)/77-पीरुण्फर-2] S.O. 1726.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Cosy Theatres, Opposite Pathik Ashram, Palanpur, District, Banasantha, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscelfancous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force can the thirty first day of July, 1976.

[No. S, 35019/75/77-PF. 1I]

कार्ज्यार 1727.—पन नेस्ट्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससं गुरुदत्त द्वजीनियरिंग वर्क्य, प्लाट सं १ 10, विद्वल उद्यागनगर, तालुक ग्रानन्द, जिला कैरा, नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक भ्रीर कर्मचारियों की बहुमंख्या इस बान पर सहस्रत हा गई है कि कर्मचारी अविष्य रिधि भ्रीर प्रकीण उपवन्ध श्राधिनियस, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन की नागू किए जाने चाहिए।

श्रव, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रदम गक्तियों का प्रयोग करने हुए के द्वीय सरकार उनत श्रविनियम के उपबन्ध उक्त स्थाएन की लागू करनी है।

यह प्रश्निम्बना 31 दिसम्बर, 1976 को प्रयुत्त हुई समर्का आएगी।

[स्०एस० 35019(76)/77-पीका प•०2]

S.O. 1727,—Wheres it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gurudatta Engineering Works, Plot No. 10, Vithal Udhyognagar, Taluk Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in execurcise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/76/77-PF. IJ]

कांश्राः 1728.—यतः केन्द्रीय संस्कार को यह प्रतीत होता है कि सैमर्स कैपिटल इंजीनियरिय कम्पनी, लोटिया भगोल आनन्द, जिला कैराः नामक स्थापन से न्म्बंड नियोजक और कर्मचारियों की बहुसरया इस बाम पर महमत हो। यह है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध शक्षित्यम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्षत स्थापन को लाग् किए जाने चाहिए.

श्रत, ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 1 वी उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त प्राथितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त ग्राधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग करती है।

यह ग्राधिम्चना उकत्तीस विसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जालुगी।

[संरापन 5019(77)/77-पीराप-2]

S.O. 1728.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Capital Engineering Company, Lotia Bhagol, Anand District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1976.

[No. S. 35019(77) /77-PF. II]

कार आर 1729. — यम. केर्द्रीय सरकार को यह प्रतीन होता है कि मैससे वर्कवेल इंजीनियरिंग कम्पनी, बिलय(काका रोड, ग्रानन्द, जिला कैरा, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मकारियों की बहुसख्या दस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीण उपबन्ध मिश्रियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागृ किए जाने चाहिए;

भ्रतः, भ्रब, उक्त श्रीधानियभ की धारा 1 की उपधारा (4) बारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रीधानियम के उपबन्ध उक्त स्थापन की लागु करती है।

यह श्रिधिमूचना इकत्तीस दिसम्बर, 1976 को प्रयुत्त हुई समझी जाएगी।

[सं ० एस ० 350 19/78 (77) पी ०एफ ० • 2]

b.U. 1729.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Workwell Engineering Company, Baliakaka Road, Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellancous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1976.

[No. S. 35019/78/77-PF. II]

कार्श्यार 1730.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससं नेगनल इंजीनियरिंग एंड आयरन वक्सं बालियाकाका रोड, आनन्द जिला करा, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियो की बहु-रंग इस बात पर सहमन हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निश्चि और ५.कं.णं उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध जनता पन को नागू किए जाने चाहिए।

श्रवः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) हार। पदन गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिदियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना ३। दिसम्बर 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मॅ॰ एस॰ ३५० १९ (७४) / ७७-गी॰ एफ०-2]

S.O. 1730.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs National Engineering and Iron Works, Balialaka Road, Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident

Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now,, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1976.

[No. S 35019/79/77-PF. II]

कार भारत 1731 — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससं कैपिटल कलर कम्पनी, लॉटिया भागोल, प्रानन्द, जिला कैरा नश्मक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारिया की बहु सक्ष्या इस बोल पर सह्मत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रमीणं उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु किए जाने चाहिए;

ग्रनः, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधार, (4) हारा प्रदक्त प्रक्रियों का प्रयोग करने हुँए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करनी है।

यहं श्रिधसूचना, 31 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समक्षी जाएगी।

[सं० एस० 350 19 (80) / 77-पी० एफ०-2]

S.O. 1731.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Capital Colour Company, Lotia Bhagol, Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/80/77-PF. II]

का॰ प्राः 1732.—यनः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैं समें पटेल ट्रंक फैक्टरी स्टेशन रोड, प्रानन्द जिला कैरा मामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक प्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमन हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध ग्राधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग काए जाने स्वारं,

ध्रतः, श्रश्न, जनन प्रधिनियम की घारा 1 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय गरतार उक्क प्रधिनियम के उपबन्ध जनत स्थापन की लागू करती है।

यह श्रिधसूचना 31 दिसम्बर, 1976 को प्रयृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस० 35019 (81) / 77-पी ० एफ० - 2]

S.O. 1732.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Patel Truck Factory, Station Road, Anand, District Karia, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of said Act to the said establishment,

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first duy of December, 1976.

[No. S. 35019/81/77-PF. II]

कार आर 1733 — यत. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सैससं रेड एड ईर सिन्डीकेट पोस्ट बाक्स न 114, टी रसी र रोड, ते लीचेरी-1 से लीचेरी ग्राम, ते लीचेरी, तालुक जिला कन्नानीर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों की बहुमस्या देस बान पर सहमत हा गई है जि कर्मचारी सिवध्य निधि श्रीर प्रकीण उपबन्ध श्रीधनियम, 195 = (11 2 का 19) के उपबन्ध उका स्थापन को लाग् किए जाने चाहिए ;

श्रव अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (1) द्वारा प्रदन्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन का लागू करती है।

यह ग्राधिसूचना एक फरवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समर्क जा गी।

[स॰ एस॰ ३५७ 19 ( 82 ) / 77-पी॰ एफ॰- 2]

S.O. 1733.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rand and E Syndicate, Post Box No. 18, T.C. Road, Tellicherry-1, Tellicherry Village, Tellicherry Taluk, Cannanore District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conterred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into torce on the first day of February, 1977.

[No. 35019(82)/77PF.III

का ब्रांग 1734.—पतः केन्द्रीय मण्कार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें फाइन कास्ट, 133/134, बिहुल उद्योगनगर, बल्लभ विधानगर, तालुक ग्रानन्द, जिला कैरा, नासक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्म चारियों की बहुसक्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भियाय निधि ग्रीर प्रकीण उपबन्ध श्रिधनियम, 1952 (1952 का 19) के उनबन्ध उद्दर स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

श्रत, श्रव, उक्क श्राधिनियम की धारा 1 की उपधारा (व) हारा प्रदत्त शक्तिया क। प्रयाग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्षत श्राधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन की लाग करती है।

यह श्रिधसूचना । दिसम्बर, 1976 का प्रयुक्त हुई समझी आएगी।

[स॰ एस॰ 350 19(83)/77-पी॰एफ॰-2]

S.O. 1734.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Fine Cast, 133/134, Vithal Udhyognagar, Vallabh Vidhyanagar, Taluk Anand, District Kaira have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the suid establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conterred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No S 35019 83 77-PF.H]

कार्ज्याः 1735.—पन केन्द्रीय गरनार को यह प्रतीस होता है कि मैसर्स कैपिटल प्राटीमोबाइल कोटिया भागोल, पेट्रोल परंप के पास प्रानन्द, जिला करा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियाजक ग्रीर कर्मचार्यों की बहु-सद्या इस बात पर सहमत हा गई है कि कर्मचारी भिष्ठिय निर्मि ग्रीर प्रक्रीण उपबन्ध ग्रीधिनयम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग किए जाने काहिए;

श्रातः, अब, उक्त अधिनियम की धारा । की उपधारः (४) हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह अधिसूचना, 31 दिसम्बर, 1976 वा प्रथम हुई समझी जागरी।

[स० एस० ३ इ।) 19 ( १४ १) / ७ ७ ७ वि ० एफ० - 2]

S.O. 1735.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Capital Automobiles, Lotia Bhagol, Near Petrol Pump, Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1976.

[No. S. 35019(84)/77-PF\_II]

कारकार 1736.—यत केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मैसमें मयुर हवमें, बालिया काका रोड, धानन्त, जिला कैरा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक धौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी शविष्य निधि धौर प्रकीण उपबन्ध धरिन नियम, 1952 (1952 का 19) के अपबन्ध अकत स्थापन का लाग् किए जाने चाहिए;

श्रतः, प्रक्ष, उक्त अधिनियम की धारा । की उपधारा ( 1) द्वारा प्रदस्त मिक्नियो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिस्थना ३१ दिसम्बर, 1976 की प्रवृत्त हुई समझी आएगी।

[मै॰ एम॰/३५०१५(४५)/७७-यो•एफ॰-2]

S.O. 1736.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Mayur Brothers, Baliakaka Road, Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/85/77-PF.IJ]

कारुआ 1737.—यन केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है वि मैसर्म योगी इजीनियारिंग १०% आयरन वस्ती, अस्थिया काका राष्ट्र, कार व जिला करा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक छौर कर्मचारियों की बहु-संख्या इस बात पर सहमत हा गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध ग्राधिनयम, 1952 (1952 का 10) के उपबन्ध उत्रत स्थापन को नाग किए जाने चाहिए,

ग्रम, ग्रव, उक्त श्रिशिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रवन्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उवस श्रिशिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाए करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसभ्वर, 1976 का प्रवृत्त हुई समझी जा र्गत।

[मं० गम०- 350 19/86/77-पीग्फ - 2]

S.O. 1737.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messra Yogi Engineering and Iron Works, Baliakaka Road, Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1976.

[No. S. 35019/86/77-PF.II]

का (ब्राव 1738.—यन केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हेयरी मिश्रमत फ़ैलिक्स, 154 जीव प्राईव्डीव, भी, विट्ठल उद्योगनगर. वरलभ विद्यानगर, तालुक मानन्द, जिला कैरा, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हा गई है कि कर्मचारी मिश्रिय निधि ग्रीर प्रकीण उपबन्ध ग्रीधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन के लागू किए जाने चाहिए,

भ्रतः, श्रवः, उक्त भ्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) हारा भ्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त भ्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग करती है।

यर् भ्राजन्त्वनः 31 दिस-धरः 1976 वा प्रवृत्त हुई समझी जाएनी। [सज एस०-35019(87)/77-पीरुएफ०-2]

S.O. 1738.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Dairy Mashkin Fabriks, 154, G.I.D.C. Vithal Udhyognagar, Vallabh Vidyanagar, Taluk Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident I-unds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/87/77-PF.II]

का० ग्रा॰ 1739— थनः फेन्द्रीय संस्कारको यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पंजाब स्थन पाइप कम्पनी, बालांगी ग्राम, डाक घर टाउन, तेहसील खटार, जिला ी। इ. नामक स्थारत से सम्बद्ध नियातक स्रोर कर्न-चारियों की बहुसब्या इन बात पर सहसत हा गई है कि कर्मनारो भविष्य निधि स्रोर प्रकीण उपसन्ध स्रधितियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

भ्रतः, श्रक्ष, उक्त भ्राधानयम की भ्रारा । की उपधारा (4) हारा प्रयक्त णक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिभियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

यह श्रिधिपूचना, एक जनवरी, 1977 का प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019/88/77 पी०एफ०-2]

S.O. 1739.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messra Punjab Spun Pipe Company, Balongi Village, Post Office Datin, Tehsil Kharar, District Ropar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1977.

[No. S. 35019/88/77-PF, II]

का॰ मा॰ 1740. — पत केन्द्रीय सरकार को यह पतीत होना है कि मससे युनिवर्सल प्यंग्ड क्वार्टरी एण्ड एलाइड प्रोडक्ट्स (प्राइवट) लिमिटेड, गोंकुल इक्सटेन्णन बंगलोर-25, नामक स्थापन से सस्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहसत हो गई है कि कर्मचारी भिवष्य निधि ग्रीर प्रकीण उपबन्ध ग्राधिनियस, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रमः, श्रवं, उक्त श्रधिनियमं की धारा 1 की उपधारा (1) द्वारा प्रदेश णिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्ष्त ग्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापना को लागु करती है।

यह प्रधिमुचन। 1 जनवरी, 1977 की प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019/91/77-पी०एफ०-2]

S.O. 1740.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messes. The Universal Fused Quartry and Allied Products (Private) I imited, Gokula Extension, Bangalore-25, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1977.

[No. S. 35019 91/77-PF.II]

कार प्रांत 1741. — पतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमं होटल खलंकार, रेलवे स्टेशन के सामने, ब्रहमदाबाद, नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मवास्यों की बहुमंग्र्या इस बान पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भवित्य निधि प्रीर प्रतिर्गि अखार यथितान, 1953 (1952 को 19) के उन्बन्ध उक्त स्थान का लागू किए जाने चाहिए; अतः, प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारो प्रवन्त प्रस्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह ग्रधिसूचना तीम नवस्वर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस० 35019/92/77-पी०एफ०-2]

S.O. 1741.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Hotel Alankar, Opposite Railway Station, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made aplicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976

[No. S. 35019 / 92 / 77-PF.II]

कार आर 1742.—यन. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होत है कि मैसर्स ध्रमरजांधी पेरियन्स्वामी गाउन्डर हन्बेस्टमेट सर 179-180 जवाहर बाजार, कानपुर-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ध्रौर कमचारियों की बहुसख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि धौर प्रकीण उपवन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः, श्रवः, उक्त श्रश्चितियम की धारा । की उपधारा (।) द्वारा प्रदत्त णिक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रवितियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करनी हैं।

यह श्रिधिभुचना एक ध्रप्रैल. 1976 को प्रवृत्त हुई समझी সাएगी। [स०एस०35019(93)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 1742.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Amarjothi Periaswamy Gounder Investments, 179-180 Jawahar Bazar, Karui-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the still establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said crtablishment

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

[No. S. 35019/93/77-PF.II]

का श्रा० 1743.—यतः केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पी ०ए०पी० कुमारस्थामी मुवालियर एवड सन्म, विधिय फैक्टरी, पो०वाचा 12, फरूर दूंची जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक फ्रोर कमंग्रियो की बहुगंद्रथा इस बान पर सहमत हो गई है कि कमंग्री मिवष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध श्रीधनियम, 1952 (1951 का 19) के उपबन्ध उक्षत स्थापन की लागू किए जाने चाहिए;

स्रत, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संस्कार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करनी  $\hat{z}$ ।

यह प्रियुचना । जुलाई, 197० को प्रकृत हुई समर्क्षा जाएगी। [गुरु एस० ३५० 19/94/77-पी०एफ०~2] S.O. 1743.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis P. A. P. Kumaraswamy Mudaliar and Sons Weaving Factory Post Box No. 12, Karin, Trichy District, have agreed that the provisions of the Employee's Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1976.

[No. S 35019/94/77-PF.II]

कारुपार 1744.—यन. केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होाना है कि मैसमं उत्पा ब्रेको रोपवेज लिमिटेंड टाटी सिलवाई रांची नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीण उपबन्ध ग्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रम., श्रम, उक्षम श्राधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रदन्त मिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्षम श्रधिनियम के उपबन्ध उक्षम स्थापन साम करती है।

यह प्रधिसूचना । जनयरी, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी [सं० एस० 35019/95/77-पी०एफ०-2(i)]

S.O. 1744.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Usha Braco Ropeways Limited. Tatisilwaiy Ranchi, bave agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1973.

[No. S 35019/95/77-PF.II(i)]

कार्ज्यार 1745.—केन्द्रीय सरकार कमचारी सिविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपबन्ध श्रीविषयम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक ढारा प्रवत शिवतियों का प्रयोग परने हुए, सम्बद्ध विषय में श्रावण्यक जीव करने के पण्वाम् भैसमें ऊपा बेका रोपबेज लिमिटेड, टाटी सिनवार्ड, राची नामक स्थापना की उनन परन्तुक के प्रयोजनीं के लिए विनिधिष्ट करनी है।

[स॰ एस॰ ३५०४९/५५/पी॰एफ॰-2(ji)]

S.O. 1745.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1973, the establishment known as Messrs. Usha Breco Ropeways Limited, Tatisilwar Ranchi, for the purposes of the said proviso.

[No S. 35019/95/77-PF.II(ii)]

कारकार 1746.--यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत हाता है कि मेससे मनरकट्ट बादमें (प्राइवेट) लिमिटेड, टी॰डी॰ रोड, कोक्शेन, 11, एनीकुलम गाव, कनयानुर तालुक, एनीकुलम जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजिक और कर्भवारियों को बहुमक्या इस बाप पर महमत हो गई हैं कि कर्मकारी भविष्य निश्चित्रीर प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग किए जान वाहिए

स्रत, सब उक्त भश्चिनियम की धारा 1 की उपधारा (1) हारा प्रवक्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संस्कार उक्त श्रधिनियम के उपधन्ध उक्त स्थापन का लागू करती हैं।

यह प्रश्निस्चना 31 जनवरी 1977 को प्रवन हुई समझी जाएगी। [स॰ एस॰-35019(96)/77 पी॰एफ॰-2]

SO 1746—Whereas it appears to the Central Gove meent that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Manarakattu Brothers (Private) Lamited, TD Road, Cochin-11, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establish ment,

Now therefore, in exercise of the powers confeired by sub-section (4) of section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of January, 1977

[No S 35019(96) /77 PF II]

कारकार 1747—यन केन्द्रीय संरकार को यह प्रतीत हाता है कि मैसर्स मीनरक्षी, पंकजबुमार पटेल, बा सर 15 बैजाली सिनेमा के सामन बरान्या रोड, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियाजक धौर कर्मचारिया की बहुसंख्या इस बाल पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उकत स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अन, अब, उक्न अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त सक्तिय का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापना को लागू करती है।

यह भ्रधिसूचना ३० नवस्वर, 1976 को प्रवृत्त हुईसमझी जाएगी। [स॰ एस०-35019(98)/77पी०एफ०-2]

S.O 1747.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Minaxi Pankajkumai Patel, Plot, No 15, Opposite Vaishali Cinema, Vaiachha Road, Surat have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No S 35019(98)/77-PF II]

कार प्रांत 1748—यंत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत हाता है कि मैसर्स गारदावंत जवेन्द्रलात पटेल, एट त० 1, ग्राउन्ड प्रयोग बैंगाणी सिनेमा के सामन, वशच्छा रोड, सूरत तामक स्थापन से सम्बद्ध नियाजक भौर क्मंबारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहसत हा गई हैं कि कर्मबारी स्थिष्य निधि शौर प्रकीण उपवन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने वासिए

श्रम, श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवन्त शक्तियों का प्रयोग करत हुए केन्द्रीय गरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रशिम्बना नीम नथम्बर 1976 का प्रकृत हुई समझी जाएगी। [स०एस०-35019(99)/77/पी०एफ०-2]

SO 1748—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messia Shardaben Jayendralal Patel Plot No 1, Ground Floor, Opposite Vaishali Cinema, Varachhi Road Surat have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976

[No S 35019, 99 /77-PF [I]

का॰ आ॰ 1749 — यन मेन्द्रीय मरवार को यह प्रतीत होता है कि मैससे रोहनी बेन नवीनचन्द्र पटेल, पलाट स॰ 15, वैशापी मिनेमा के सामने, बारफा रोड सूरन नामक स्थापन से सस्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसख्या इस बात पर सहसन हो गई है कि कर्मचारी सविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1942 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन की लागू किए जाने चाहिए,

श्रत, श्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त एक्तियो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 30 नवस्वर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [स०एस०-35019(100)/77-पी०एफ०-2]

SO. 1749.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rohiniben Navinchandia Patel Plot No 15, Opposite Vaishali Cinema Vaiachha Road Surat have agriced that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment

Now therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the aid Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976

[No S 35019/100/77 PF II]

क ० धा ० 1750 — यत केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीन होता है कि मैसर्स हीरालाल बाब भाई ७ रीवाल। ज्याट मं० 15 वणानी निनेमा के सामने बारका रोड स्रत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मनारियों की बहुमध्या इस बात पर सहबत हा गई है कि कर्मनारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रशिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन का लागु किए जाने चाहिए

श्रम श्रव उक्त र्याधनियम की धार। 1 की उपधारा (±) द्वारा प्रवस गाकित्यों का प्रयोग रखने हुए नेज्वीय सरकार उक्त श्रधि नयम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करनी है।

यह प्रधिनम्बना ३० विस्वर १५७७ को स्वृत्त हुई सनकी जाएगी। [सं०एस०-३५०११ (१०१)/७७ पी०एए-2] S.O.. 1750.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hiralal Balubbai Jarjwala, Plot No. 15, Opposite Vaishali Cinema, Varachha Road Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S. 35019/101/77-PF. 11]

का० ग्रा० 1751 — यन केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें भारत वीविग वर्को 15-नटवर रवर कम्पाउण्ड वारहा रोष्ड सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक धीर कर्मचारियों की बहुसंग्रया इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपवन्ध ग्राधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन की नाग किए जाने चाहिए;

श्रतः, श्रव उक्त श्रधिनियम की धारः । की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह प्रधिमुचना 3। विसम्बर, 1976 को प्रवृक्त हुई समझे जाएगी।

[सं० एस० 35019 (102)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 1751.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Bharat Weaving Works, 15, Natwar Rubber Compound, Varachha Road, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellancous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/102/77-PF. II]

का आर 1752 — यस केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीन होता है कि मैसर्न गायही टैक्सटाइन्स 15 नटवर स्वर कम्पाउ इ वरका रोड सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमक्ष्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपवन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपवन्ध उक्त स्थापन की लाग किए जाने चाहिएं;

भ्रत, श्रव, अन्त श्रधिनियम को धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रवस शक्तियों का श्रयांग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग करती है।

यह प्रधिमुखना 31 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म० एस० 35019/103/77 पी ० एस० - 2]

S.9. 1752—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gayatri 31 GI/77—6

Textiles, 15, Natwar Rubber Compound, Varachha Road, Suiat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1976.

[No. S. 35019(103)/77-PF.

का० आ० 1753.—यत कंखीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्ग साधना टैक्सटाइस्स 15 नटवर रजर कम्पाउण्य वरछा रोड सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्नजारियां की बहुमंख्या इस बात पर सहसत हो यह है कि कर्मजारो भिन्य निधि और प्रकार्ण उपबन्ध प्रधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उपत स्थापण को लागू किए जाने वाहिएं;

अतः, अव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारः (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपजन्ध उक्त स्थापन को लागु करनी है।

यह ग्रधिसूचना 31 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[गं॰ एम॰ 35019 (104)/77-पी॰ एफ॰-2]

S.O. 1753.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sadhana Textiles, 15, Natwar Rubber Compound, Varachha Road, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1976.

[No. 35019(104)/77-PF. II]

करि आ 1754.— यन केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मैसर्स लक्ष्मों टिवस्टिंग वर्क्स 15 नटवर रवर कम्पाउण्ड वरक्छा राउ सूरत न(मक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और क्षमंबारियों की बहुसक्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कमंबारी सविष्य िधि और प्रकार्ण उपबन्ध श्रिधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु किए जाने चाहिए,

स्रतः, प्रायः, उक्त प्राधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रयक्त गक्तियों का प्रयोग करने द्वार केन्द्रीय सरकार उक्त यधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन की लागु करनी है।

यह अधिमूचना 31 विसम्बर, 1976 को पतृत्त हुई मसमी जाएगी।

[सं• एस॰ 35019 (105)/77-पी ाणक ०-2]

S.O. 1754.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Laxim Twisting Works, 15, Natwar Rubber Compound, Varachha Road, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act,

1952 (19 of 1952), should be made applicable to the soid establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1976.

[No. S. 35019(105) '77-PF, II]

का श्वार । 755 — यतः के सी म सरकार को यह प्रतान होता है कि मैसर्स पंक्षण बाइडिंग वर्क्स 15 नटबर रबर कंपालाइ बरल्छा रोड सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुं भेल्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी श्विष्य निश्चि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के अपबन्ध उक्त स्थापन को लाग किए आने चाहिए;

श्रत, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त गक्षित्यों का प्रयाग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबाध उक्त स्थापन की लाग करती है।

यह श्रिक्ष्मिचना 31 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त समझी जाएगी। [भ० एम० 35019 (106)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 1755.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Pankaj Winding Works, 15, Natwar Rubber Compound, Varachha Road, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government heroby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No.35019(106)/77-PF. II]

करिजार 1756 — यन केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होत. है कि मैसमें नन्दी फेब्रिक्स, लाल दरवाजा, पटेल वाडी, सुरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मेजारियों की बहुसख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मजारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः, श्रवः, उक्त श्रिभिनयम की धारा । की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रीधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह् अधिगूचना 30 नवम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019 (107)/77 पी०एफ०-2]

S.O. 1756—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Nandi Pabrics Lal Darwaja, Patel Wadi, Surat, have agreed that the provisions of the Imployees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S. 35019(107)/77-PF. II]

कं अप्रां 1757.—यतः के न्द्रीय सरकार को यह प्रतीन होता है कि मैसर्स नैलेण मिल्क ट्रेडसे, पटेल बारी, लाल दरवाजा, स्रान, नामक स्थापनं सम्बद्ध नियोजक भ्रौर कर्मचारियों की बहुमंख्या हम बान पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भ्रौर प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

म्नतः, भ्रवः, उक्त म्रिधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा पदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त स्रिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग करनी है।

यह अधिसूचना 30 नवम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[म॰ एस॰ 35019 (108)/77-पी॰एफ॰-2]

S.O. 1757.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Nailesh Silk Traders, Patel Wadi, Lal Darwaja, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S. 35019/108/77-PF. II]

का अा । 1758. — यन केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि मैं मर्स नयीन हिवस्टिंग वन्सें, पटेल वाडी, लाल दरशाजा, सूरत नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोज कि प्रौर कर्मवारियों की विद्रमंख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मवारी भविष्य निर्धि और प्रकीर्ण उपवन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उन्हान उन्हें स्थापन को लागू किए जाने का लिए;

अतः, प्रभा, उक्त म्रिधिनयम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय गरकार उक्त श्रिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागृ करती है।

यह प्रश्विसूचना 30 नवस्वर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मं० एस० 35019 (109)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 1758.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Navin Twisting Works, Patel Wadı, Lal Darwaja, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central

Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S. 35019/109/77-PF. 11]

का आपा । 1759 — पत. से द्वीय संस्थार का यह प्रतीत होता है कि मैसर्ग भावना टैक्सटाइल्स, मेन रोड, गोल्डेन पेण्ट्स के पीछे, उधाना नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसख्या इस बात पर सहसत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए.

धनः, श्रत्र, उक्न ध्रधिनियम की धारा । की उपधारः (4) द्वारा प्रदत्त ग्राक्तियों का प्रयोग करने द्वुए केन्द्रीय सरकार उक्न अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह श्रिधसूचना 31 दिसम्बर, 1976 का प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स॰ एप॰-35019 (110)/77-पी॰एफ॰ 2]

S.O. 1759.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bhavia Textiles, Main Road, Behind Golden Paints, Udhna, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicate to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/110/77-PF. 11]

कार पर 1760.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसम हरणाव टैक्सटाइस्स, मेन राइ, गोस्डेन पेंट्स के पीछे, उधना नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसख्या इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीण उपवन्ध ग्रीधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

ग्रामः, ग्रजः उक्त ग्राधिनियम की धारा । की उपधारा (4) हारा प्रवक्त ग्राधिनयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त ग्राधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह श्रीधगूचना 3। दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समक्षी जाएगी।

[स० एस० ३२०१९ (111)/77-पो०एफाँ० 2]

S.O. 1760.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Harshad Textles. Main Road, Behind Golden Paints, Udhna, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/111/77-PF. II]

का श्रा 1761. यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीन होतः हैं कि मैससं संजय टेक्सटाइन्स गोस्डेन पेन्ट्स के पीछे, येन रोड, उधना नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक धौर कर्मचारियां की बहुसंख्या इस बात पर सहसत हो गई है कि कर्मचारी भिवष्य निधि ख्रोर प्रकीर्ण जपबन्ध द्रिधिनयम, 1952 (1952 का 19) के उपवन्ध जक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

ग्रतः, अब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 1 की उपधारः (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयाग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रशिस्चना 31 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझ। जाएगा।

[सं**०** एम० ३५०१ ( 112)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 1761.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sanjay Textules, Behind Golden Paints, Main Road, Udhna, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/112/77-PF, II]

का का 1762.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमर्स लक्ष्मी टिवस्टिंग एड वापिंग वर्क्स, मेन रोड, गोल्डन पेन्ट्रम के पीछं, उधना नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक छोर कर्मधारियों की बहु-सख्या इस बात पर महमन हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि छोर प्रक्तीणं उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्षन स्थापन को लाग किए जाने चाहिए,

श्रतः, श्रवः, उत्तन ग्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) हारा प्रदत्त ग्राक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागृ करती हैं।

यह प्रधिसूचना ३। विसम्बर, 1976 को प्रयुत्त हुई समझी जाएगी।

[मं० एस०-35019 (113)/77-पी०एक० 2]

S.O. 1762.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in itelation to the establishment known as Messrs Laxmi Twisting and Warping Works, Main Road, Behind Golden Paints, Udhna, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No S. 35019/113/77-PF. II]

का श्या 1763 — यतः के न्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें श्रोनेस्ट टिविस्टिंग वर्ष्स, गोल्डन पेन्ट्स के पीछे, सेन रोड, उधना, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मवारियों की बहुनंख्या इस बात पर सहसत हो गई है कि कर्मवारी मिवच्य निधि श्रीर १कीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु किए जाने वाहिए,

भ्रतः भ्रब उक्त ग्रधिनियम की भ्रारा 1 की उपधारा (4) ढारा प्रदत्त ग्राक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना इकतीम दिसम्बर, 1976 की प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019 (114)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 1763. —Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Honest Twisting Works, Behind Golden Paints, Main Road, Udhna, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1976.

[No. S. 35019/114/77-PF. II]

कार 1764. — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ईश्वर बैंड इलास्टिक वर्क्स, 202/2, उधना भैस्टन रोड, अमृत भवन, पेट्रोल पस्प के सामने, उधना, सूरत, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियो की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनिमम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

श्चनः, श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त पश्चिमो का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह अधिसूचना 30 नवम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मं॰ एस॰ 35019 (115)/77-पी॰एफ॰-2]

S.O. 1764.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ishwar Braid Elustic Works, 202/2, Udhna Bhestan Road, Amrut Bhavan, Opposite Petrol Pump, Udhna, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S. 35019/115/77-PF. II]

का॰ग्रा॰ 1765.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्म तारोबन प्रविन्दलाल उधना भेरटन रोड, ग्रमृत भवन, पेट्रोल पम्म के सामने, उधना, सूरन, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इंग बात पर सहमन हो गई है कि कर्मचारी भिषय्य निधि भौर प्रकीण उपबन्ध श्रीधनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः, श्रवः, उक्त श्रिधिनियमं की धारः 1 की उपधारः (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वुगः केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करनी है।

यह ग्राधिसूचना तीस नवस्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स॰ एस॰ 35019 (116)/77-पी॰एफ॰-2]

S.O. 1765.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Taraben Arvindlal, Udhna Bhestan Road, Amrut Bhavan, Opposite Petrol Pump, Udhna, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S. 35019/116/77-PF. II]

का० शां० 1766.—यतः केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होताह कि मैसर्स जे० के० इण्डस्ट्रीज, सलावतपुर, डोरियावाइ, सूरत, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भौर कर्मचारियां की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध भधि-नियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू जिए जाने चाहिए;

प्रतः, प्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) हारा प्रदक्त प्रक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह श्रिधसूचना 31 दिसम्बर, 1976 को प्रयुक्त हुई समझी जाएगी। [स० एस० 35019 (117)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 1766.—Whereas it appears to the Cent.al Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs J. K. Industries, Salabatpura, Dorjawad, Surat, have agreed that provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made apparable to the said est hishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1976.

[No. S. 35019(117)/77-PF, II]

क्ता॰ प्राति स्वाति स्वाति होता है कि मैसर्स की ०एम॰ सिरुक भिन्म, बेगमपुरा, किकववाला, वादी, सूरत, तामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसक्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भिवष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रिधिनयम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग किए जाने चाहिए;

श्रातः, ग्रवः, उक्तं प्रधिनियमं की धारा 1 की उपधारा (३) हारा प्रवक्तं प्रक्तियां का प्रयोगं करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्तं श्रिधिनियमं के उपबन्ध उक्तं स्थापनं को लागू करती है।

यह ग्राधिसूचन( ३) विसम्बर, 1976 को प्रकृत हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019 (120)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 1767.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. B. M. Silk Mills, Begampura, Kinkhabwala wadi, Surat have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S-35019(120) /77-PF. JI]

कार धार 1768 — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीस होता है कि सैसर्य माटू व इंडिंग यक्स मेन रोड काणीवाला एस्टेंट उचना, जिला सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक धीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निश्चि श्रीर प्रकीण उपवन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपवन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

ग्रतः, श्रव, उक्त ग्रिधितियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रीधितियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिमूचना 30 नवस्बर 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मं० एम० 35019 (121)/77-पी॰एफ०-2]

S.O. 1768.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s. Matu Winding Works. Main Road, Kashiwala Estate, Udhna, District Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S. 35019(121)/77-PF, II]

का० आ० 1769—.यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससे मंजूला वाहाइग वर्क्स उधना मेल रोड राशीवाला एस्टेट, उधता जिला सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मजारियो की बहुसंख्या इग बात पर सहमत ही गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रतीण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उकत स्थापन को लागृ किए जाने चाहिए,

प्रतः, प्रवः, उत्त अधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त गक्तिया का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह श्रधिसूचना ३० नवस्वर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स॰ एस॰ 35019(122)/77-पी॰ एफ॰-2]

S.O. 1769.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Manjula Winding Works, Udhna Main Road, Rashiwala Estate, Udhna, District Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952(19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S. 35019/122/77-PF. II]

का० ग्रा० 1770—.यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेसमें भारत वीविश वक्से वस्तीवाला एस्टेट उधना मेन रोड उधना सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महमत हो गई हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध ग्राधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु किए जाने चाहिए;

श्रत., श्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 1की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केल्ब्रीय सरकार उक्त ग्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह ग्रधिसूचना 30 नवस्बर 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[मं० एस० 35019 (123)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 1770.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bharat Weaving Works, Bastiwala Estate, Udhna Main Road, Udhna, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S. 35019/123/77-PF. II]

का॰ आ॰ 1771— .यत. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमर्स जादव दिवस्टिंग वर्क्स उधना मेन रोड राशीवाला एस्टेंट उधना, सूरत नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मधारियों की बहुमंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मधारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग किए जाने चाहिए;

श्रतः, श्रवः, उपन श्राधिनियम की धाराः 1 की अपधाराः (↓) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त ध्रिधिनियम के उपकाध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह प्रधिसूचना 30 नवस्बर 1976 को प्रवृक्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019 (124)/77-पी०एफ ०-2]

S.O. 1771.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jadava Twisting Works, Udhna Main Road, Rashiwala Fstate, Udhna, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds

and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S. 35019/124/77-PF. II]

का० आ० 1772 — यत. क्रेन्बीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमर्ग गंगा दिवस्टिंग वक्षे उधना मेन रोड राशिवाला एस्टेट उधना सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मनारियों की बहुसंख्या हम बान पर महमन हो गई है कि कर्मनारी भविष्य निधि भीर प्रतीण उपवन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध अक्न स्थापन को लागु विष् गोने चाहिए;

श्रतः, श्रयः, उक्त श्रधिनियम कीधारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार उक्त श्रिश्रिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसुचना 30 नवस्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी आएगी।

[सं० एस० 35019 (125)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 1772.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ganga Twisting Works, Udhna Main Road, Rashiwala Estate, Udhna, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S. 35019/125/77-PF. II]

कां आं 1773.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्म दलपन वीविग वर्षमें राशिवाला एस्टेट उधना मेन रोड उधना सूरत नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागृ किए जाने चाहिए,

श्रतः, श्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन की लागू करती है।

यह श्रिधिसूचना 30 नवम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019 (126)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 1773.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messers Dalpat Weaving Works. Rashiwala Estate, Udhna Main Road, Udhna, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S 35019(126)/77-PF. II]

कां न्नां 1774.- - यत. केन्द्रीय मरकार को यह प्रसीत हाता है कि मैसमें तरुण बाहरिंग वर्ष्म उधना मेन राड, राशिवाला एन्टेट, उधना, सूरन नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या रंग बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण जपबन्ध प्रक्षितियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध जकत स्थापन को लागू किये जाने चाहिए;

भ्रतः, भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) हारा प्रदेश मिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन की लाग करती है।

यह अधिमूचना ३० नवम्बर, 1976 का प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[स० एस० 3 5 0 1 9/ 1 2 7/ 7 7-पी० एफ०~ 2]

S.O. 1774.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Taruna Winding Works, Udhna Main Road, Rashiwala Estate, Udhna, Surat, have agreed that the provision of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S 35019/127/77-PF, II]

कार ग्रा॰ 1775.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीस होना है कि मैसमें प्रदित दिवस्टिंग, यवसें, राशीवाला एस्टेंट उधना, मेन रोड, उधना मृरत, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहसन हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीण उपबन्ध प्रश्नितियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए;

धनः, भ्रम, उक्त प्रधिनियम को धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदरत शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करनी है।

यह श्रिधिमुचना तीस नवम्बर, 1976 को प्रवृतन हुई समझी जायेगा।

[सं०एस० 35019(128) / 7 7-पी० एफ०-2]

S.O. 1775.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Adit Twisting Works, Rashiwala Estate, Udhna Main Road, Udhna, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S. 35019/128/77-PF, II]

का॰ आ॰ 1776. — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीन होता है कि मेममें हंगा बाइडिंग वक्से, उधना मेन रोड, काणीवाला स्टेट, उधना मृग्त, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों की बहुमंक्ष्या इस बात गर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उग्रवन्ध श्रिबिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग किये जाने चाहिए;

ग्रतः, ग्रवः, उक्त श्रविनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त गक्तियां का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रांधनियम के उपजन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अजिसूचना नीम नवम्बर, 1976 को प्रथल हुई समझी जायेगी।

[स॰ एस॰ १५०१५(12५)/77-पी॰एफ-2]

S.O. 1776.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hansa Winding Works, Udhna Main Road, Kashiwala Pstate, Udhna, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S. 35019/129/77-PF, III]

कार धार 1777.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसमें डीलक्स इन्डस्ट्रीज, डी० 27, उद्योग नगर, नवसारि, जिला युलसर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहसर हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रक्षित्यम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए;

धनः, प्रज्ञ, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) हारा प्रदेश शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह ग्रधिमूजना 31 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं०एम० ३ ५० १९ ( १३०) / ७७ ७ न्फ ० - 2]

S.O. 1777.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Delux Industrics, D-27. Udyognagar, Navasari, District Bulsar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/130/77-PF. II]

का० ग्रा० 1778 — यत. केन्द्रीय भरकार को यह प्रतीत होता है कि मैगर्म नोंबूल इन्डम्ट्रीज, डी-27, उद्योगनगर, नवसारी, जिला वृलमर, नामक स्थापन से भम्यद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बान पर सहमन हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपावन्य प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए;

श्रातः श्रावः, उक्त श्रिशिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्न पाकिनयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करनी है।

यह ग्र**धिम्**श्रता क्रकन्तीम दिशम्बर, 1976 को प्रवृक्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०३५०१९(131)/77-पी० एफ०-2]

S.O. 1778.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Noble Industries, D-27, Udhyognagar, Navsari, District Bulsar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/131/77-PF. II]

का० था० 1779.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्ग न्यू यूनाइटेड साइजिंग सर्विम, खटोदरा, जेल दरबाजा के पीछे, एस० सं० 33/2 सूरत, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक धौर कर्म; जारियों की बट्टंसब्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी अविषय निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्न शक्तियो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह ग्रधिसूचना 30 नथम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[म॰ एम-35019(132)/77-पो॰ एफ॰-2]

S.O. 1779.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs New United Sizing Services, Khatodra, Behind Jail Darwaja, S. No. 33/2 Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November 1976.

[No. S-35019/132/77-PF. II]

का० प्रा० 1780 — यतं केन्द्रीय गरकार को यह प्रतीत होता है है कि मैसमें श्री रश्वीर कैमिकल वस्तं, मारवास, टावर के निकट, श्रानत्व, जिला कैरा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहु-संद्या इस जान पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपबन्ध श्रिधिनियम, 1952 (1952 को 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को नागु किये जाने चाहिए;

प्रतः, प्रवः, उक्त घ्रधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त ध्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग् करती है।

यह श्रश्चिसुचना 31 दिसम्बर, 1976 को प्रयुन्त हुई समंभी जायेगी।

[सं० एस०३५७।९(1३३)/७७-पी० एफ०-2]

S.O. 1780.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shri Raghuvir Chemical Works, Maru vas, Near Tower, Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central

Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/133/77-PF. II]

\_\_\_\_\_\_\_\_

का॰ झा॰ 1781 — यतः केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री रध्वीर ग्रुह उद्योग भन्डार, बलाई काका रोड, झानन्द, जिला कैरा, नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजिक ग्रौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बान पर महमन हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रौर प्रकीण उपवन्ध ग्रिजिनयम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए;

श्रतः, ग्रत्र, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (4) द्वारा प्रदल्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह ग्रधिसूचना प्रकलीम दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जावेगी।

[मं॰ एम॰ 35019(134)/77-पी॰ एफ॰-2]

S.O. 1781.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shri Raghuvir Gruh Udhyog Bhandar, Baliakaka Road, Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

No. S. 35019/134/77-PF. II]

का॰ ग्रा॰ 1782.—यत. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैनमें लोटम इन्डस्ट्रीज महावानी पुरम रोड, धुराइपक्षम, मद्राम-20 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए; ग्रन., श्रम, उक्त ग्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्न णिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय गरकार उक्त ग्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह श्रधिसूचना 1 दिसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[स॰ एस॰ 35019(135)/77-पी॰ एफ॰~2]

s.o. 1782.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Lotus Industries, Mahabalipuram Road, Thuraipakkam, Madras-20 have agreed that the Provisions of the Employees' Provident Punds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1975.

[No. S. 35019/135/77-PF. II]

का० भ्रा० 1783—यम. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमं बासुबेब मेनोय एण्ड कम्पनी, न्यू टाउन, कोचीन-2, मत्तचेरी प्राम, कोचीन तालुक, एर्नाकुलम जिला नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक भ्रीर कर्मजारियों की बहुमंख्या हम बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भिविष्य निधि श्रीर प्रतीण उपबन्ध श्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध जकत स्थापन को लागू किये जाने चाहिए;

श्रम , श्रम, उक्त श्रधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रदन्त समितयों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन की लागु करनी है।

यह प्रधिसूचना 31 जनवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस० 35019(136)/77-पी० एफ०—2]

S.O. 1783.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vasudeva Shenoy and Company, New Town, Cochin-2, Mattancherry Village, Cochin Taluk, Frnakulam District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of January, 1977.

[No. S. 35019/136/77-PF. II]

कार आर 1784.— यतः केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि पर हतुमन्य राव ऐन्ड कम्पनी लाइम मैनुफैक्चरमं खर्वागुदा सिरपुर कागजनगर, जिला प्रादिलाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक प्रौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी मिविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रक्षितियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्वापन को लागू किये जाने चाहिए;

श्रातः, अत्रतः, जन्न श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदन्त गन्नित्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध जक्त स्थापन को लागू करती है।

यत प्रधिमूचना एक प्रक्तूबर, 1976 को प्रकृत्त तुई गमक्षी आयेगी।

[ग॰ एम॰ 35019(137)/77-पी॰ एफ॰-2]

S.O. 1784.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs P. Hanumanth Rao and Company Lime Manufacturers, Burdaguad Sirpur Kagaznagar, Adilabad District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1976.

[No. S 35019/137/77-PF, II]

कार गा। 1785 — केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि श्रौर प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदन्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, सम्बद्ध विषय में भावश्यक जांच करने के पण्यात् एक श्रवतृत्वर, 1976 में मैसर्स पी० हनुसन्य राव एण्ड कस्पनी लाहम मैनुफैक्परमं, घरदागवा, सिरपर कागजनगर, जिला ध्रादिलाबाव, लामक स्थापन को अक्त परन्तृक क प्रयोजनो के लिए बिनिविष्ट बस्ती है।

[मे॰ एस॰ 35019(137)/77-पी॰ एफ॰ 2(ii)]

S.O. 1785.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquity into the matter, hereby specifics with effect from the first day of October, 1976 the establishment known as Messis P. H nu manth Rao and Company Lime Manufacturers, Burdaguda Sirpur Kagaznagar, Adilabad District, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/137/77-PF H(ii)]

कां० आरं० 1786 — यतः केन्द्रीय सरकार का यह प्रसीत होता है कि - जधाराजी अमृतलाल लाइस कन्टेक्टमं गुरवागुदा, सिरपुर कागजनगर, ब्रादिलाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ब्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ब्रीर प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन की लागू किए जाने चाहिए।

श्रनः, श्रम, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रयक्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपमन्ध्र उक्त स्थापन को लाग करती है।

यप्त प्रधिसूचना एक प्रवत्सर, 1976 को प्रयुक्त हुई समझी जाएगी।

[म॰ एम॰ 35019 (138)/77-पी॰एफ॰-2(i)]

S.O. 1786.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Jadharaji Amritial Lime Contractors, Gurdaguda, Sirpur Kagaznagar, Adılabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1976.

[No. S. 35019/138/77-PF.II(i)]

का० प्रा० 1787 — केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध प्रिप्तियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त यक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बन्ध विषय में ग्रावश्यक जांच करने के पण्चात् एक भक्तूबर 1976 से मैसर्स जधाराजी अमृत्रलाल लाइम कन्द्रैक्टर्स, गृरहाग्दा सिरपुर कागजनगर, श्रादिलबाद, सामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[संब्राम्ब 35019(138)/77-पीब्युक - 2(ii)]

S.O. 1787.—In exercise of the powers conferred by the first provise to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of October, 1976 the establishment known as Messrs, Iadharaji Amritlal Lime Contractors, Gurdaguda, Sirpur Kagaznagar, Adilabad, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/138/77-PF.II(ii)]

काल्ग्राव 1788 — यतः केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होना है कि मैससं दामीदर राव एण्ड कम्पनी, लाइम कर्न्द्रेक्टर्स, गुर्दागुद्दा, सिरपुर कागजनगर, ग्राविलान बाद जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसल्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीण उपबन्ध श्राधिनयम, 1952 (1952 वा 19) के उपवन्ध उक्त स्थापन की आगू किए जाने साहिए :

श्रत , अब, उक्त अधिनियम की धारा । की उपधारा (३) द्वारा प्रवत्त शक्तियां का प्रयोग करते श्रुण केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग करती है।

यह अधिसूचना 1 प्रक्तूबर, 1976 का प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[(मं॰ एस॰ 35019 (139)/77-पी॰एफ॰-2 (i)]

S.O. 1788.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs P. Damodar Rao and Company, Lime Contractors, Gurdaguda, Slrpur Kagaznagar, Adilabad District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefole, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1976.

[No. S. 35019/139/77-PF II(i)]

भार भार 1789 — केन्द्रीय सरकार कर्मजारी भविष्य निधि धौर प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवत्त प्रक्तियों का प्रयोग करने हुए, सम्बन्ध विषय में भावश्यक जांच करने के पश्चात् 1 धक्तूबर, 1976 में मैसर्स पी० दासोदर राव एण्ड कम्पनी, लाइम कन्ट्रैक्टर्म, गूर्दागुदा, भिरपुर कागजनगर, श्रादिलाबाय जिला नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिद्धिक करती है।

[सं॰ एम॰ 35019(139)/77-पी॰ एफ॰-2(ii)]

S.O. 1789.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of October, 1976, the establishment known as Messrs. P. Damodar Rao and Company, I ime Contractors, Gurdaguda, Sirpur Kagaznagar, Adilabad District, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/139/77-PF.H(ii)]

कां आ 1790 — यस. केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि अससं श्री हरीराव एण्ड कम्पनी, लाइम मेन्युफेवरमं, वृद्रागृदा, सिरपुर, कागजनगर, श्रिदेलाबाद जिला नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक भौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मेबारी भविष्य निधि भौर प्रकीर्ण उपबन्ध मधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थपन को लागू किए जाने चाहिए,

श्रतः, श्रवः, उक्त भ्रधितियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संस्कार उक्त भ्रधिनियम के उपबक्त उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

यहं मधिसूचना । अक्तूबर 1976 को प्रवृक्त हुई समझी जाएगी।

[सं॰एस॰ 35019 (140) /77-पी-एफ॰-2(i)]

SO 1790—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employers in relation to the establishment known as Messis Sir Harl Rao and Comp my Lime Manufacturers. Burdaguda, Sirpur, Kagaznagar Addabad District have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1976

[No S 35019/140 77 PF II(1)]

कां भा । 1791 — केन्द्रीय सरकार तमचारी मंतित्य निधि श्रीर प्रवीण उपबन्ध श्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त णिकत्यों का प्रयाग करते हुए, सम्बद्ध विषय मे श्रावण्यक जाच करने के पत्रचात् 1 ध्रक्तूबर 1976 में मैसर्स श्री हरी राव एण्ड कम्पनी लाहम मैन्युफेचरर्स बूर्दगुदा सिरपुर, कागजनगर, श्रादिला-बाद जिला नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[म॰ एम॰ 35019 (140)/77-पी॰ एफ॰ -2(H)]

SO. 1791.—In exercise of the powers conferred by the flist proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government after making necessary enquiry into the matter, hareby specifies with effect from the first day of October, 1976 the establishment known as Messis Shri Hari Rao and Company, Time Manufacturers, Burdaguda Sirpur Kagaznagar, Adilabad District, for the purposes of the said proviso

[No S 35019/140/77 PF II(n)]

का आ० 1792 — यत फेन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स होटल स्वागत मेन रोड विशाखापत्तनम-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक धौर कमेंबारिया की बहुसक्या हम बात पर सहमत हो गई है कि क्संबारी भविष्य निधि धौर प्रकीण उपबन्ध ध्रधिनियम 1952 (1952 वा 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

भ्रात, भ्रज, उक्त भ्रधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त भ्रधिनियम के उपजन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है ।

यह ग्रधिमूचना एक मिनम्बर, 1976 को प्रथम हुई समझी जाएगी।

[स॰ाग्स॰ 35019 (141)/77 पी॰ गफ॰ 2]

S.O. 1792.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hotel Swagath, Main Road, Visakhapatnam I have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1976

[No S 35019/141/77-PF II]

करें आरं 1783 — यत बेन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मैगसं दि चिकमं गलर टाउन नापरेडिन सामास्टी व्यिमटेंड, चिकमगलर नामत स्थापन से सम्बद्ध नियाजक और वर्मभारिया की बहुसख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्गचारी भविष्य निधि भीर प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ,

भ्रत श्रव उक्त श्रविनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तिया का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रविनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह अधिमूचना 1 ज्लाई 1976 का प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० ३5019(143)/77-पी०एफ०-2]

SO. 1793 —Wherens it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis The Chickmagalur Town Co-operative Society Limited, Chickmagalur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1976

[No S 35019/143/77-PF []]

का श्या । 1794 — यन बेन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत हाता है कि मैसर्स लिनस इजीनियरिंग एन्टरप्राष्ट्रज प्राइवेट लिमिटेड मेटागल्ली, मैसूर नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियो की बहुसख्या इस बात पर सहमत हा गई है कि क्रमंचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपवन्ध श्राधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपवन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जान चाहिए।

श्रन, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करनी है।

यह अधिमूचना । फरवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संराम व 35019 (144) /77-कीराफ ०-2]

SO. 1794 —Whereas it tappears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs I mas Engineering Enterprise's Private Limited, Metagalli, Mysore, have agreed that the provisions of the Fmployees' Provident Funds and Miscelfaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now therefore, in exercise of the powers conterred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of February, 1977

[No S 35019(144)/77 PI II]

कार आर 1795—यन केन्द्रीय मरनार को यह प्रतीत होना है कि मैसर्स लिटिल दण्डस्ट्रीज 27 एक इण्डिस्ट्रियल सबर्ध मैसूर ९ नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक भौर कर्मचारिया की बहुमख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए किए जाने चाहिए,

श्रमः, भ्रवं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) क्षारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रधिनियम के उपग्रन्थ उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह मधिसूचना एक प्रप्रैल, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संव्यम् • 35019 (145) / 77-पी • एफ •- 2]

S.O. 1795.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Little Industries, 27F, Industrial Suburb, Mysore-8, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conterred by sub-section (4) of section 1 of the said \ct. the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1976.

[No. S. 35019(145)/77-PF.II]

का० भा० 1796 — यत. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स केसतन मैगनेटियस लिमिटेड पोस्ट बायस न० 37, मिल रोप कन्मानार-1 टालिमटम्बा ताल्ल्क, कालियासेरी ग्राम, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भौर कर्मचारिया की बहुमख्या इस बान पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भौर प्रकीर्ण उपक्षध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपधन्ध उक्षम स्थापन को लागू किए जाने काहिए!

श्रन, ग्रक्ष, उक्न प्रधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त मक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपक्रथ उक्त स्थापन को लागु करनी है।

यह श्रधिमूचना एक श्रप्रैल, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम०-35019 (146)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 1796.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Keiton Magnetics Limited. Post Box No. 37, Mill Road, Cannanore-I, Talipatamba Taluk, Kalliasseri Village have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall come into force on the first day of April, 1977.

[No. S. 35019/146/77-PF. II]

का॰ आ॰ 1797 — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससं एनके केसिकल एण्ड जेनरल इण्डस्ट्रीज (प्राइवेट) लिसिटेड, सं० ४६, ऐथियेट, मद्रास-58 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसक्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध ग्रिधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्षन स्थापन को लाग किए जाने चाहिए,

भ्रमः, श्रव, उक्न श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवच णक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करनी है।

यह श्रिधिसूचना एक मर्द, 1974 को श्रवन हुई समर्झा जाएगी।  $\left[ \text{सo } \overline{\eta}\text{Ho} - 35019 \ \left( 147 \right) / 77 - 410 - \overline{\eta}\text{Ho} \cdot 2(1) \right]$ 

8.0. 1797.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Finkay Chemical and General Industries (Private) Limited, No. 26, Athipet, Madras-58, have agreed that the provisions of the Empfoyees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers contented by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into torce on the first day of May, 1974.

[No. S. 35019/147/77-PF II(1)]

कार प्रात 1798.—यन केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मैसमं नोवासोनिक इन्डस्ट्रीज, सी-1 ए/3 जीव्याईव्हीव्सीव एस्टेट, भोधव रोड, ग्रहमदाबाद नामक स्थापन से समझद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसख्या इस बान पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीर्ण उपयन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध अक्न स्थापन की लागु किए जाने चाहिए;

अन., अब, उक्त श्रधिनियम की धारा । की उपधारा (↓) द्वारा अदल शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग करनी है।

यह ग्रधिसूचना 31 दिसम्बर, 1974 को प्रयुत्त हुई समर्भी आएगी।

[सं० एस० 35019(148)/77-पी०एफ०-2]

**S.O.** 1798.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment knows as Messrs Novosonic Industries, C-1, A/3, G I.D.C. Fstate, Odhav Road, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1974.

[No. S. 35019/148/77-PF.II]

का० आ० 1799.— केन्द्रीय सरकार वर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्षत्रयों का प्रयोग करने हुए, सम्बद्ध विषय में श्रावश्यक जांच करने के पण्चाम् 31 दिसम्बर, 1976 से मैसर्स मल्टी फीर्ज सुक्षती मुकर्जी रोड, अगलौर-15 नामक स्थापन की उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं॰ एस॰ 35019 (150) / 77-शि॰ एफ॰ - 2 (ii)]

1799.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty-first day of December, 1976 the establishment known as Messis Multi Forge, Subroto Mukherje Road, Bangalore-15, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/150/77-PF.II(ii)]

कार आर 1800 — गत., केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि भैसमं ईस्टर्न टेडिंग कारपोरेशन, सी० सी० एस० बी० रोष, जेकारिया बाई, अञ्लेबी, केरल राज्य नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्म-कारियां की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी अविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन की लागू किए जाने चाहिए,

भतः, भवः, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदल्ल गक्तियो का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त भविनियस के उपबन्ध उक्त स्थापन का लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं• एम॰ 35019(152)/77-पी॰एफ॰-2]

S.O. 1800.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation, to the establishment known as Messrs Eastern Trading Corporation, C. C. S. B. Road, Zakariah Ward, Aleppey, Kerala State, have agreed that the provisions of the I-mployees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of sec ion 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notified ion shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/152/77-PF. II]

का० झा० 1801:—यन. केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि भैसमें नैयावी धकेट फैक्ट्री 1, मन शाइन को-आपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट रिखयान, महमदाबाद-23 जिसमें 3 गेट, महमदाबाद के पास भी उसकी शाखा सम्मिलित है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्म-चारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्म-चारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध सिधितियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उकन स्थापन की लागू किए जाने चाहिए;

धनः, श्रवः, उक्तः मधिनियमं की धारा । की उपधारा (4) कारा प्रदत्त लक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु कहती है।

यत् भाधसूत्रना इक्लीम दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स॰ एस॰ ३५०११(१५३)/७७-थी॰एफ०-2]

S.O. 1801.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation, to the establishment known as Messrs Tayabi Bucke. Factory, 1, Sun Shine Co-operative Industrial Estate, Rakhial, Ahmedabad-23 including its branch Near Three Gate, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of second I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/153/77-PF.III

भा० बा० 1802—यन भेन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें बाध्य मोन्डिंग वक्से, ब्लाक सं० 11, प्रकुल इन्डस्ट्रियल एस्टेट, प्रजीत निल्न के गीछे, रिक्षयाल रोड, प्रहमवाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः, श्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) ब्रारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह अधिसूचना 31 जनवरी, 1977 को प्रयुत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(155)/77-पी०एक०-2]

s.o. 1802.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation, to the establishment known as Messis Bright Moulding Works, Block No. 11, Praful Industrial Estate, Behind Ajit Mills, Rakhial Road, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of January, 1977.

[No. S. 35019/155/77-PF. II]

का० घर० 1803.—यत केलीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मैसमें उचा हैजीनियरिंग वर्क्स, प्रजीत मिल के निकट, नीला कम्पाउड, रिखयाल रोड, ध्रहमदाबाद-21 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कमीकारियों की बहुसख्या हम बात पर सहमत हा गई है कि कमीबारी भिक्य निधि और प्रकीर्ण उपवन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जान बाहिए;

भनः, प्रथा, उक्न अधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय संस्कार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह मधिमुचना 31 दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी आएगी।

[स॰ एस॰ 35019(156)/77-पी॰एफ॰-2]

S.O. 1803.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation, to the establishment known as Messrs Usha Engineering Works, Near Ajit Mills, Nila Compound, Rakhial Road, Ahmedabad-21, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/156/77-PF. II]

का॰ आ॰ 1804 — केलीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण सम्बद्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदक्त शिवायों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में भावव्यक जान करने के पण्नात् इक्तींग दिसम्बन्न, 1976 से मैसर्स संभोष एक्समोर्टम प्राइवेट लिमिटेड देवांग एस्टेट नैगनलहाईचे, डाकचर नौराल, जिला महसवा-बाद जिसमें 205/क शरत चैम्बर्स तारदेव मुम्बई-24 स्थित उसकी शाखा भी सम्मिलित है, नामक स्थापन को उक्त परन्तु के प्रयोजनों के लिए विनिविष्ट करती है।

[मॅ० एस० उ५०१५( १५७) / ७७-५१० एक०-2(i) ]

S.O. 1804.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Santosh Exports, Private Limited, Davang Estate. National Highway, Post Office Natol. District Ahmedabad including its branch at 205/A, Arun Chambers, Tardeo, Bombay-37 have careed that the provisions of the Employees' Provident Lunds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Net, the Central Government hereby applies the provisions of the said Net to the said establishment.

This notifica ion shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/157/77-PF II(i)]

कार प्रारं 1805 — यत केर्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि संतीय एक्स्पोर्टम प्राइवेट लिमिटेड, देवाग एस्टेट, नैणनन हाईवे, डाक घर बौराल, जिला ग्रहमदाबाद जिसमें 205/क, ग्रन्त चैम्बर्स टारदेव, मुम्बर्ड-34 स्थित उपकी शाखा भा गिम्मिलित है, नामक स्थापन से सम्बद्ध तियोजन ग्रीर कर्मचारियों को बहुसख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध ग्रिधिनयम, 1952 (1952 का 19) के उनबन्ध उक्त स्थापन का लागू किए जाने चाहिए,

स्रान, अब, उक्त प्रतिनियम की धारा । की उनधारा (4) हारा प्रदेन णिक्तयों का प्रयास करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन का लागू करती है।

यह ग्रिधिमूजना दक्षां स दिसम्बर, 1976 का प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एमा० 35019(157)/77-शिक्फा०-2(ii)]

S.O. 1805.—In exercise of the powers conferred by the lirst proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions. Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty first day of December, 1976, the establishment known as Messis Santosh Exports (Private) Limited Davang Estate, Nutional Highway, Post-Office Nariol District (including its branch at 205/A, Arun Chambers, Tardeo, Bombay-34, Ahmedabud for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/157/77-PF. II(ii)]

का० भार 1806 - प्रत केंन्द्रीय सरकार की यह प्रतित होता है क मैसमें राज तीनियरा मिल्म खुपभात रुण्डस्ट्रियल एस्टेंट, बारदोलपुर दिखापुर गेंट के बाहर, प्रहमदाबाद, सामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों का तहुमध्या इस यात पर सहमत हा गई है कि कर्म-चारी भविष्य निधि और प्रकीण उपकाब अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन का लागृ किए जाने चाहिएं;

भन, श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वार। प्रदत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम कें उपक्षस्थ उक्त रथापन का लागू करती है।

यह ग्रधियूचना इक्साम दिसम्बर, 1976 का प्रवृत्त हुई समर्का जाएगी।

[स० एस० ३५०११( १५९) / ७७-४ (०एफ०-2]

S.O. 1806.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Raj Hosiery Mills, Suprabhat Industrial Estate, Bardolpina, cuiside Dariapur Gate. Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/159/77-PF. II]

कार घर 1807 — यह. केन्द्रीय भरकार का यह प्रतीत होता है कि मैसमं देवीचन्द छगनलाल, गेरे बाजार होते के निकट, मणिक चौक, यहमदाबाद, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारिया की बहुसख्या देस बात पर गहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि घौर प्रकीण उपबन्ध घीधनियस, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए.

ग्रतः, ग्राबः, उस्त प्रतिनियम की धारा 1 की उनधारा (4) बार। प्रदत्त मक्तियों कः प्रयोग करते हुए कन्द्रीय सरकार उक्त प्रविनियम के उपबन्धः उक्त स्थापन का लागु करती है।

यह ऋधिसूचना ३। दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स॰ एस॰ 35019(160)/77-५०एफ०-2]

S.O. 1807.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Devichand Chhaganlal, Near Share Bazar Hall, Manek Chowk, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/160/77-PF, II]

का० आ० 1808 — यन केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि मैससे एस्मोकर, 88/2, तरोबा इण्डिस्ट्रियल टाउनिश्य, डाकबर नरोबा-30, जिला फहसदाबाद नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियो की बहुसच्या इस द्वान पर सहसत हो गई है कि कर्मचारी अविषय निधि फ्रीर पकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्न स्थापन को लागू किए जाने चहिए,

प्रता, प्रज्ञा, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदान शक्तियों का प्रयोग करने हुए केट्सीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपजन्य उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिमूचना ३। विसम्बर, 1976 की प्रवन हुई समझी जाएगी।

[सं० मसं०-35019(162)/77-वी(०एफ०-2]

S.O. 1808.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation, to the establishment known as Messrs Ammofetr, 88/2, Naroda Indus rial Township, Post Office Naroda-30, District Ahmedabad, have agreed that the provisions of the 1 mployees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/162/77-PF. II]

कार प्रार 1809.—-यत केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि मैसमें बीठ जीठ टैक्सटाइन्स 52 जीठग्राई०ई।०सीठ एस्टेट, फ्रांधव रोड, ग्रहमदाबाद नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक भ्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहसत हो गई है-कि कर्मचारी श्विश्य निधि श्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध श्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग किए जाने चाहिए;

भ्रत, अब, उक्त ऋधिनियम की धारा । की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त रथापन को लागु करनी है।

यह ग्रंधियूचना इक्तीस दिसम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स॰ एस॰ 35019(164)/77-पी॰एफ॰-2]

S.O. 1809.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs V. G. Textiles, 52, G I D.C. Estate, Odhav Road, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellancous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/164/77-PF. II]

कार पार 1810.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हरीलाल प्रचरतलाल, पच तीर्थ प्रपार्टमेन्ट, पास्त्री के सामने, प्रहमदाबाद नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध प्रथिनियम, 1952 (1953 का 19) के उनबन्ध उक्त स्थापन की लागू किए जाने चाहिए;

ग्रन, श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा । र्का उपधारा (↓) द्वारा प्रदक्ष णक्तियों का श्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करनी है ।

यह ग्रिधिसूचना 31 दिसम्बर, 1976 का प्रवन्त हुई समझी जाएगी ।

[सं० एस० 35019(166)/77-पी० एफ०-2]

SO. 1810.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Harilal Achaeatlal, Opposite Panch Turth Apartments Paldi, Ahmedabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Lunds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of sec ion I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/166/77-PF. II]

का॰ आ॰ 1811 — यन केंन्द्रीय सरकार की यह प्रतीन होता है कि मैसर्थ शहनापास लिमिटेंड, हाइने कालिया ग्रम्बा बरनेक, जिला भावनगर, नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मजारियों की बहुसख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निश्चि और प्रकीण उपबन्ध भविनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उपन स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

भ्रतः, श्रयः, उक्त श्रश्चितियम की धारा । को उपबारा (।) द्वारा श्रदत्त गक्तियो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रश्चितियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है ।

यह प्रविसूचना ३१ दिसम्बरः १९७७ का ४४ न दुई समर्माः जाएगी ।

[स० एस० 15019(168)/77—पी० एक**०**– 2]

S.O. 1811.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Adtapas Limited. Highway, Kalia Amba, Var.ej. District Bhavnagar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/168/77-PF. II]

का० श्रा० 1812 — पतः केन्द्रीय गरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री बल्लम ट्राल्सपोर्ट कस्पती, बिलयाकाका रोड प्रानस्त, जिला कैंड्रा, जिसमें (1) सारगपुर कोटनी रंग, प्रह्नदाग्रद (2) किंविया पटेलवादी, प्रहमदाबादी बाजार, नाडियाड; (3) जी० प्राई० डी० सी० सं० 2, बल्लभ विद्यानगर में स्थित उसकी शाखाएं भी सम्मिलित है नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मजारियां की बहुसक्या इस बात पर सहमत हो गई है कि करबारा अबिका निर्मित्र प्रौर पकीर्य उपबन्ध प्रवित्यम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उसन स्थापन की लागू किए जाने चाहिए;

श्रन, श्रव, उक्त श्रधिनियन की धारा । को उत्तरारा (4) द्वारा प्रदन्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए के क्रोर सरकार उक्त श्रधिनियस के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करनें। है।

यह अधिसूचना 3। दिसम्बर, 1976 का स्वृत हुई पाती जाएगे। । [सं० एस० 35019(172)//7-नी० एक०-2]

S.O. 1812.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shree Vallabh Transport Company, Balliakaka Road, Anand, District Kaira, including its branch at (1) Sarangpur, Kothi Rang, Ahmedabad, (2) Kachhiva Patel Wadı, Ahmedabadi Bazar Nadıad (3) G.I.D.C. No. 2 Vallabha Vidhyanagat, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976

[No. S. 35019/172/77-PF. III

का० ग्रा० 1813 — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीन होता है कि मैसमें श्ररिवन्द वीविंग फैक्ट्री, गाहालावाडी, बोडाता एस्टेट के निकट कटरगाम, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मभारी भविद्य निधि भीर प्रकीणं उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग् किए जान चाहिए,

भ्रतः, भ्रवः, उक्त श्राधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा भ्रदत प्रक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्राधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करनी है।

यह म्रश्चिसूचना 31 जनवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स॰ एस॰ ७५०।५(173)/77-पी॰ एफ॰-2]

S.O. 1813.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Arvind Weaving Factory, Gotalawadi, Near Bodawala Estate, Katargam. Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of January, 1977,

[No S. 35019/173/77-PF II]

कार धार 1814—यनः केन्द्रीय भरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमं धरन टेक्सटाइल्स, बोदवाला एस्टेट, कटरगाम रोइ, सूरल तामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मवारियों की बहुमंध्या उस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मवारी भिवट्य निधि धौर प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग किए जाने वाहिए;

भ्रत, ग्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा । की उपधारा (4) ब्रारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिभूचना 28 फरवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम० 35019(178)/77—पी० एफ०—2]

S.O. 1814.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dharan Tevites, Bodawala Estate, Katargam Road, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishmen';

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notifica ion shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1977.

[No. S. 35019/178/77-PF, II]

का०आ। 1815.—-यन नेन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमं सी० चन्नीलाल नम्युभाई, बोझावाला एस्टेट, कटरग्राम, सूरम नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजन ग्रीर कर्मनारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मनारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीण उपबन्ध ग्रीधनियम, 1953 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग किए शने चाहिए,

ग्रत, ग्रब, उक्त ग्रश्चित्यम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रश्चितियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती हैं ।

यह प्रशिस्चना 28 फरवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [सं० एस० 35019(180)/77-पी० एफ०-2]

S.O. 1815.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messus C. Chunilal Nathubhai, Bodawala Estate, Kataigam, Suiat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the Twenty-eight day of February, 1977

[No. S. 35019/180/77-PF. II]

कांश्याः 1816—याः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें सी० बी० टेक्सटाइल्स, बेद दरवाजा के बाहर, फाटकशायादी, सुरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियो की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं.

चनः, ग्रबः, उक्त ग्रधिनियम की धारा । की उपधारा (४) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करत हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह प्रिक्षिसूचना 30 तथम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [स० एप० 35019(182)/77-पी० एफ०-2]

S.O. 1816,—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs C. B. Textiles, O/S, Ved Darwaja, Fatakadawadi, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S. 35019/182/77-PF, II]

का० आ० 1817.—-यन: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैमर्स जयश्री टेक्सटाइल्स, ओ/एस, जेव वरवाजा, फाटकवाबादी, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसख्या इस बात पर सहसत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध श्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग किए जाने चाहिए,

भ्रतः, अत्र, उक्तं प्रधितियम की धारा । की उपबारा (४) हारा प्रदन्त गक्तियो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त द्राधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को सागृ करती है ।

यह मधिसूचना 30 नवम्बर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [स॰ एस॰ 35019(185)/77-पी॰ एफ॰-2 S.O. 1817.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation, to the establishment known as Messrs Jayshree Textiles, O/S, Ved Darwaja, Fatakawadi, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S 35019/185/77-PF, III

का० बा० 1818—यतः किन्दीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि भैसमं जयको टेक्सटाइल्स, घो/एस, बेव दरबाजा, फाटकावायदी, भूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भीर प्रकीण उपबन्ध अधिनियस, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन की लाग किए जाने चाहिए;

श्रतः, श्रवः, उक्त श्रधिनियम की धारा । की उपद्यारा (4) द्वारा श्रवस गविनयों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिमूचना 30 नवस्कर, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं॰ एम॰ 35019(186)/77-पि॰ एफ॰-2]

S.O. 1818.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation, to the establishment known as Messrs Jayco Textiles, Ci/S, Ved Darwaja, Fatakadawadi, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S. 35019/186/77-PF. II]

कांब्जां 1819 — यन केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नवीन टिवस्टिंग वक्स, ब्लाट सं 15, सरच्छा रोड, वैणाली सिनेसा के सामने, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध तियोजक और कर्म चारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

ग्रतः, प्राय, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिशिनयम के उपधन्ध उक्त स्थापन को लागू करनी है ।

यह प्रधिसूचना 30 तबस्यर, 1976 को प्रवृत्त हुई समर्भा जाएगी।

[स॰ एस॰ 35019(187)/77-पी॰ एफ॰-2]

S.O. 1819.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation, to the establishment known as Messrs Navin Twisting Works, Plot No. 15, Varachha Road, Opposite Vajshali Cinema, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central

Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976

[No S. 35019/187/77-PF, II]

कांश्याः 1820 ——यतं. केखीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें सूरत गैस द्वास्मपोर्ट कम्पनी, देहली गैट, स्टेशन रोड, सूरत नामक स्थापन से गम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियो की बहुसक्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध ग्रीधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उस्त स्थापन को लागू किए माने चाहिए;

- अनः स्रबं, उक्त श्रिधिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त गक्तियों का प्रयाग करते हुए केर्न्द्र(य सरकार उक्त स्रिबिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग करती है ।

यह अधिमूचना 31 दिसम्बर, 1976 को प्रवत हुई सबसी जाएगी।

[स॰ एस॰ 35019(190)/77-पी॰ एक०-2]

S.O. 1820.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis. Surat Gas Transport Company, Delhi Gate, Station Road, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S-35019/190/77-PF. II]

भार भार 1821. — यत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सैसर्स गैस बार एजेसीज दिल्ली गेट, स्टेशन रोड, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भ्रौर कर्मचारियों की बहुसख्या डम बात पर सहमत हो गर्ज है कि कर्मचारी भविष्य निधि भ्रौर प्रकीण उपबन्ध श्रिधनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जान चाहिए,

श्रन, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त गक्तवीं का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन के लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1976 को प्रवृक्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(191)/77-पी०एफ०-2]

S.O. 1821.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Gas Bar Agencies, Delhi Gate, Station Road, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conterred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1976.

[No. S. 35019/191/77-PF. II]

मानमा 1822.— र केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें वेषेत टैक्सट(इक्स गोट/लावादो, धोदाब/ला एस्टेट के निकट, कटार-ग्रास, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियाजक ग्रीर कर्भचारिया की बहुसंबया इस बात पर सहसत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीण उपबन्ध ग्राधिनियस, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन की लाग किए जाने चाहिए,

अत् , श्रव उक्त भ्राधिनयम की धारा । की उपधार। (च) द्वार। प्रवृत शक्तिया क, प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है ।

या अधिमूचना इकल्लीम अनुबरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जा गी

[स॰ एस॰-३50 19( 193)/77-पी॰ एफ॰-/]

S.O. 1822.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Devan Textiles, Gotalawadi, Near Bodawala Fstate Katargam, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of January, 1977.

[No. S. 35019/193/77-PF. IJ]

कारुआ 1823.—यत केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स छार गन बाइन्डिंग वर्क्स, घोडाना एस्टेट, कटबाम रोड, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियाजक और कर्मनारियों की बहुमक्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मनारी भिष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को नागू किए जाने चाहिए,

श्रन, श्रव, उक्त मिधिनियम की धारा । की उपधारा (४) आरा प्रवच शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करनी हैं।

यह अधिसुवना अहाक्रम फरवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी

[स० मस०- 350 19( 195) / 7 7-णी० एफ०- 2]

S.O 1823.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. R N Winding Works, Bodawala Estate, Katargam Road, Surat, have agreed that the provisions of the Fmployees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eighth day of February, 1977.

[No. S 35019/195/77 PF II]

का ब्यां 1824 — यत के स्वीय सरकार को यह पतीन होता है कि मासकार की महत्व वर्ष्य की 81 इन्डिस्ट्रियल एस्टेंट पीनया बगलौर-10 नामर स्थापन से मम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मवारियों की बहुसक्या इस बात पर सडमन हा गई है कि कर्मवारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपबन्ध श्रिमित्रम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग किए जाने चाहिए,

स्रत, भन, उक्त प्रश्चितियम की घारा । की उपधारा (4) **डारा** प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुं। केन्द्रीय सरकार उक्त श्रवितियम के उपनन्य उक्त स्थापन को लागु करती है।

यह ग्रिधसुभाता । जनवरी, 1977 को प्रयुक्त हुई समझी जाएगी ।

[स॰ एस॰-35019(202)/77-पी॰ एफ॰-2]

S.O. 1824.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Mascot Chemical Works, B-81, Industrial Es ate Peenya, Bangalore-40, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1977

INo. S 35019/202/77-PF. II]

कांश्याः 1825.—पन वेन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सर्वेदिय शिखण्ड प्राहम कीम भरेडार, प्रमृत धेरी राड, ब्रानन्द, जिला कैंग नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और नर्मवारियो का बहुत्तक्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निश्चि और प्रकीर्ण उपबन्ध प्रवितियम, 1952 (11952 का 19) के उपबाध उक्त स्थापन की लागृ किए जाने वाहिए।

श्रात, प्राय, उक्त अभिनियम की धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रदेत र्णाक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करती है।

पर अधिम्बना 31 जनवरी, 1977 को प्रवृक्त हुई समझी जाएगी।

[स॰ एस०-35019(204)/77-वी॰ एक०-2]

S.O. 1825.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the es'ablishment known as Messis. Sarvoday Shikhand Ice Cream Bhandar, Amul Dairy Road, Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of January, 1977.

[No S 35019/204/77-PF II]

का श्रात 1826.—यन केन्द्रीय सरनार का यह प्रतीत होता है कि मनने लंक्की विनास लाग स्टेणन राइ, श्रातन्य जिला कैरा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोत्तक श्रीर क√चा,रिया की बहुसक्षा इस बान पर सहमन हो पर्ट है कि कर्मकारी शिविष्य निश्चि और प्रकीर्ण उपबन्ध श्रश्चितियम, 1951 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग् किए जाने चाहिए,

श्रा श्राप्त उक्त प्रधिनियम की धार, १ की उपधार। (४) द्वार। प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यर् प्रधिनूतना 31 जनवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जागिनी ।

[स॰ एस-35019(205)/77-पी॰ए। •-2]

S.O. 1826.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Laxmi Villacutodge, Station Road, Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of January, 1977.

[No. S. 35019/205/77-PF, 11]

करिन्छा । 1827 — यत. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससे टैक्नीकल कंपल्टैन्सी सिवसेज छोरगेनाइजेशन आफ कर्माटक, छठी मेजिल, राष्ट्रोत्थान परिसद् बिल्डिंग, नक्पशुंगा रोड, बंगलीर-2 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मज्ञारियों की बहुसंख्या डम बात पर सहमत हो गई है कि कर्मजारी भविष्य निधि झीर प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवन्ध उक्त स्थापन को लाग् किए अने वाहिए,

श्रानः श्राब, उक्त श्राधिनियम भी धारा । की उपधारा (4) द्वारा प्रवेच शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करनी हैं।

यह मधिसूचना 28 फरवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(208)/77-पी०एफ०2-(i)]

S.O. 1827.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Technical Consultancy Services Organisation of Karnataka, 6th Floor, Rashtrothana Parishat Building. Nrupathunga Road, Bangalore-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the twenty-eight day of February, 1977.

[No. S. 35019/208/77-PF.II(i)]

का॰ प्रा॰ 1828.— केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीर्ण उपबन्ध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पण्चात 28 फर्चरी, 1977 से मैं सर्स टेक्नीकल कंमल्टैन्सी सिविसेत आर्ग्यनाइजेशन श्राफ कर्नाटक, छठी मंजिल राष्ट्रोस्थान परिषय बिल्डिंग, तक्षपथूगा रोड, वगलौर-2 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिधिष्ट करती है।

[संख्या एस०-350 19/ 208)/77 पी०एफ०-2(ii)]

S.O. 1828.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the twenty-eighth day of February, 1977, the establishment known as Messrs. Technical Consultancy Services Organisation of Karnataka, 6th Floor, Rashtrothana Parishat Building. Nrupathunga Road, Bangalore-2 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/208/77-PF. II(ii)]

का॰ शां 1829.— यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैं सर्प क्वीलन डिस्ट्रिक इंजीनियरिंग टैक्नोशियम्य इन्डिस्ट्रियल (वर्कशाप) कामाप्रनेटिक सोगाइटी लिमिटेड ग० एस० एस्ट क्यू० 300, इण्डिस्ट्रियल एस्टेट, डाकघर उमायानल्लौर, क्वोलन जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मघारियों की बहुनंख्या इस बान पर सहसत हो गई है कि कर्भघारी भविष्य निश्चि और प्रकीर्ण उपवन्ध प्रशिवियम, 1952 (1952 को 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

भनः श्रेष, उक्त मधिनियम की धार। 1 की उपधारा (4) हारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त मधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन की लागू करनी है।

यद् अधिमूजना । मार्च, 1977 को पमून समझी जाएगी।

[सं० एस०-35019(209)/77-पी० एफ०-2]

S.O. 1829.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs, Quilon District Engineering Technicians Industrial Workshop Co-operative Society Limited, No. S. Ind. Q. 3007 Industrial Estate, Post Office Umayanalloor, Quilon District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1977.

[No. S. 35019/209/77-PF. II]

कां आ 1830.—यनः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें बैनीसन हाई ड्रोलिक्स इण्डिया लिसिटेड, बालानगर हैदराबाद-37 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक श्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या द्वस बान पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीण उपबन्ध श्रिविनयम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः श्रवः, उक्त श्रिधिनयम की धारः । की उपधारः (4) द्वारा प्रदन्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त श्रिधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागु करनी है।

यह प्रश्निमुचना 1 मार्च, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी। [संबंधन-35019(211)/77-पीवण्फव-2(i)]

S.O. 1830.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs, Denison Hydraulics India Limited, Balanagar, Hydenabad-37, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1976.

[No. S. 35019/211/77-PF. II(i)]

का. आ. 1831.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध

विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 मार्च, 1976 से मेंसर्स होनीसन हाई ड्रोलिक्स होडिया लिमिटोड, बालानगर, हेंचराबाद-37 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती हैं।

[सं. एफ.35019(211)/77-पी.एफ.(2)]

S.O 1831.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of March 1976, the establishment known as Messis Denison Hydraulics India Limited, Balanagar, Hyderabad 37, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/211/77-PF. II(ii)]

का. आ. 1832.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेंसर्स अग्रवाल आंइल एण्ड डाल मिल्स पंधुराना जिला छिन्द्वाइर (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भीवष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) इवारा प्रदक्त शिक्सयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधि-नियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

यह अधिस्यना 1 जनवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समभी जाएगी।

[सं. एफ. 35019(213)/77-पी.एफ. 2]

S.O. 1832.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Agarwal Oil and Dal Mills, Pandhurana, District Chhindwara, (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the aid Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1977.

[No. S. 35019/213/77-PF, II]

का. आ. 1833.—कंन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध, अधिनिथम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक व्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जुलाई, 1976 से मेंसर्स आर. पी. हे. कन्ट्रेंक्टर इंडिस्ट्रल एस्टेंट, 136 एम. पी. हाउसिंग बोर्ड, भिलाई-1 (म. प्र.) नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती हैं।

[सं. एफ. 35019(214)/77-पी.एफ. (2)(2)]

S.O. 1833.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of July, 1976 the establishment known as Messts. R. P. Dey Contractor, Industrial Estate, 13/6, M. P. Housing Board, Bhilal-I (Madhya Pradesh), for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/214/77-PF. H(ii)]

का.आ. 1834.—यतः कंन्स्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि में सर्व धर्म सिंह ठेकेपार, न्यू खुर्सीपुर, भिलाई (मध्य प्रचेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहु,संख्या इस बात पर सहमत हो गई हैं कि कर्मचारी भीषष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) स्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधि-नियम उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

यह अधिमुखना 1 सित्तम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समभी जाएगी।

[सं. एफ. 35019(218)/77-पी.एफ. (1)]

S.O. 1834.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Dharam Singh Contractor, New Khursipar, Bhilai (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Govrnment hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1975.

[No. S. 35019/218/77-PF. H(i)]

का. आ. 1835.— केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविषय निधि और प्रकीण उपबन्ध, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक आंध करने के पश्चात् 1 सितम्बर, 1975 से मेंसर्स धर्मी सिह ठेकेबार, न्यू खुशी पार, भिलाई, (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन कां उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिद्धि करती हैं।

[सं. एस. 35019(218)/77-पी. एफ. (2)]

S.O. 1835.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of September, 1975 the establishment known as Messrs. Dharam Singh Contractor, New Khursipar, Bhilai (Madhya Pradesh), for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/218/77-PF. II(ii)]

का. आ. 1836.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेंसर्स रामनेत विश्वकर्मा केन्द्रेक्टर क्यादर न. 4/एच, स्ट्रीट 24, सेक्टर-11 खुरसीपार भिलाई (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से संबद्ध नियोजक और कर्मधारियों की बहुमंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मधारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने वाहिए,

अतः अन, उक्त अधिनियम को धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा पदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधि-नियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

यह अधिसूचना 1 सितम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समभी जाएगी।

[सं. एस. 35018(220)/77-पी.एफ. (1)]

S.O. 1836.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Ramnet Vishwakarma Contractor, Quarter No. 4/H, Street 24, Sector-11, Khursipar Bhilai (Madhya Piadesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1975.

[No. S. 35019/220/77-PF. II(i)]

का.आ. 1837. केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 सितम्बर, 1975 से मेंसर्स रामनेत विश्वकर्मा कन्द्रेक्टर क्वाटर सं. 4/एच स्ट्रीट 24 संक्टर 11 खुरसीपार, भिलाई (म. प्र.) नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्विष्ट करती हैं।

[सं. एस. 35019(220)/77-पी,एफ. (2)]

S.O. 1837.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of September, 1975 the establishment known as Messrs. Ramnet Vishwakarma Contractor, Quarter No. 4/H, Street 24, Sector 11, Khursipar, Bhilai (Madhya Pradesh), for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/220/77-PF. II(ii)]

का. आ. 1838.— यसः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता हैं कि भारत टोक्सटाइस्स जवाहर रोड सं. 3 प्याट सं. बी-73-74, उद्योग नगर, उधना, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मधारियों की बहु,संख्या इस बात पर सहमत्त हो गई हैं कि कर्म-चारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उगबन्ध उक्त स्थापन को लागु किए जाने चाहिएं;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधि-नियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को सागू करती हैं।

यह अधिसूचना 31 जनवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समभी जाएगी।

[सं. एस. 35019(222)/77-पी.एफ. 2]

S.O. 1838—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bharat Textiles Jawahar Road No. 3. Plot No. B-73/74, Udyognagar, Udhna, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of January, 1977.

[No. S-35019/222/77-PF. II]

का. आ. 1839.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेंसर्स श्री टेंक्सटाइल्स प्लाट सं. बी-73/74 जवाहर रोड सं. 3, उद्योग नगर, उधना, सूरत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई हैं कि कर्मचारी भीवष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदन्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधि-नियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

यह अधिसूचना 31 जनवरी, 1977 को प्रवृत्त हुई समभी जाएगी।

[सं. एस. 35019(223)/77पी.एफ. (2)]

S.O. 1839,—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shreya Textiles, Plot No. B-73/74, Jawahar Road No. 3. Udyognagar, Udhna, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of January, 1977.

[No. S. 35019/223/77-PF. II]

का. आ. 1840.—यतः कंन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि शॅलेश टेक्सटाइल्स, प्लाट संख्या बी-73/74, जवाहर मार्ग, संख्या 3, उदयोग नगर, उद्धना, स्रत नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधि-नियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

यह अधिस्चना 31 जनवरी, 1977 को प्रवृत्त समभी जाएगी।

[सं. एस-35019(224)/77-पी.एफ-2]

S.O. 1840.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shailesh Textiles, Plot No. B-73/74, Jawahar Road, No. 3, Udyognagar, Udhna, Surat, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of June, 1977.

[No. S. 35019/224/77 PF. III

का. आ. 1841.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैंसर्स हरियाणा कोटेड पेगर लिगिटेड. 14/1 माइल ग्टोन, मथुरा रोड, फरीदाबाद जिनमों प्लेट न. 6 छठी मंजिल आत्माराम हाउस 1 त्रालस्टाम मार्ग, नई षिल्ली स्थित उसका रिज ट्रीकृत कार्यालय भी त्रीम्मलित हैं नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिएं;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा पद्क्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधि-नियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

यह अधिसूचना एक जून, 1976 को प्रवृत्त हुई समभी जाएगी।

[सं. एस. 35019(375)/76-पी.एफ.2]

S.O. 1841.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Haryana Coated Paper Limited, 14/1, Mile Stone, Mathura Road, Faridabad including its Registered Office at Flat No. 6A, 6th Floor, Atma Ram House, 1, Tolstoy Marg, New Delhi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June 1976.

[No. S. 35019/375/76-PF. II]

का. आ. 1842.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेंसर्स कम्पोजिट मिल्क प्लान्ट, पंजाब हेयरी हवलमेंट कारपोरेशन लिमिट जाप्रोन रोड, लुधियाना जिसमें लुधियाना जिलों का जिला, कमालपुर, धामांज कारमासार, रामगढ़ सरदारन, अहमदगरु कोट पाखोवाल और संधार ग्राम में तथा जिला संगरूर के जोरिपाल और मोहलकालन ग्राम में स्थित इसकी शाखाएं भी सम्मिलित हैं। नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मवारियों की बहु,संख्या इस बात पर सहमत हो गई हैं कि कर्मवारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को तागू किए जाने चाहिएं।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधि-नियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

यह अधिस्वना 1 अपील 1975 को प्रवृत्त हुई समभी जाएगी।

[सं. एम. 35019(220)/76-पी.एफ. 2]

S.O. 1842.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Composite Milk Plant, Punjab Diary Development Corporation Limited, Jagraon Road, Ludhiana including its branches at Villages of Bija, Kamalpur, Dhamot, Karamsar, Ramgarh Sardaran, Ahmedgarh, Raikot Pakhowal and Sandhaour in District Ludhiana and Villages Jourepal and Mahelkalan in District Sangrur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1975.

[No. S. 35019/455/76-PF. II]

का. आ. 1843.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेंसर्स इकलेंट कन्स्ट्रवशन (प्राइवेट) लिमिट-इ शाही भयन, एक्जी-विशन रोड, पटना नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्म-चारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनयम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू कि जाने चाहिएं,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) क्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1974 को प्रवृत्त हुई समभी जाएगी।

[मं. 35019(506)/76-पी.एफ. 2(1)]

S.O. 1843.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Eclat Constructions (Private) Limited, Shahi Bhavan, Exhibition Road, Patna, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1974.

[No. S. 35019/506/76-PF. II(i)]

का. आ. 1844.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भिषय्य निधि ऑर प्रकीर्ण उपनंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक स्वारा प्रइत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जुलाई 1974 से मेंसर्स इकलेंट कन्स्ट्रक्शन्स (प्राइवेट) लि., शाही भवन, एक्जीवीशन रोड, पटना, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्द्धिकरती हैं।

[सं. एम. 35019(506)/76-पी.एफ.-2(2)]

S.O. 1844.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of July, 1974 the establishment known as Messrs. Eclat Constructions (Private) Limited, Shahi Bhavan, Exhibition Road, Patna, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/506/76-PF. II(ii)]

का. आ. 1845.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीस होता है कि मरेंसर्स दाशी टेंक्सटाइल कारपोरेशन, 25 गोडाउन स्ट्रीट मद्रास-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उठत स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) क्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

यह अधिसूचना 1 विसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समभी जाएगी।

[सं. एस. 35019(517)/76-पी.एफ.-2 (1)]

s.O. 1845.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dadha Textiles Corporation, 25, Godown Street, Madras-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1975.

[No. S. 35019/517/76 PF. II(i)]

का. आ. 1846.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक इवारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 दिसम्बर, 1975 से मेंसर्स दाघा टॉक्सटाइल्स कारपोरंशन, 25 गोडाउन स्ट्रीट, मद्रास-1 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती हैं।

[सं. एस. 35019(517)/76पी, एफ. 2 (2)]

S.O. 1846.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of December, 1975 the establishment known as Messrs. Dadha Textiles Corporation, 25, Godown Street, Madras-1, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019/517/76 PF. II(ii)]

का. आ. 1847.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेंसर्स न्यू के. एस. पेंटिंग वर्क्स, एस/197, इन्डिस्ट्रियल एरिया जलन्धर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) इयारा भक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए फेन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1976 को प्रवृत्त्त हुई समभ्जी जाएगी।

[सं. एस. 35019(521)/76-पी. एफ.-2]

S.O. 1847.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs New K, S. Spray Printing Works, S/197. Industrial Area, Jullundur, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1976.

[No. S. 35019(521)/76-PF. II]

का. आ. 1848.— यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रसीत होता है कि मेंसर्स बोडालिया सिल्क मिल्स, बी-1, उद्योगनगर, नवसारी, जिला बुलसर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहु,संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भ्रविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उन्त स्थापन को लाग् किए जाने चाहिए।

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) ज्यारा भव्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

यह अधिसूचना 30 नवम्बर, 1978 को प्रवृत्त हुई समभी जाएगी।

[सं. एस. 35019(538)/76-पी. एफ. 2]

S.O. 1848.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bodalia Silk Mills, B. I, Udyognagar, Navsari, District Bulsar have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of November, 1976.

[No. S. 35019(538)/76-PF. II]

नई दिल्ली, 16 मई, 1977

का. आ. 1849..—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मेंसर्स मल्टी फोर्ज, सृबतो मुकर्जी रोड, बंगलॉर-15 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहु,शख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 1 की उपधारा (4) इवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करसे हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधि-नियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1976 को प्रवस हुई समभी।

[सं. एस-35019(150)/77-पी. एक-2(1)]

New Delhi, the 16th May, 1977

S.O. 1849.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Multi Forge, Subroto Mukherji Road, Bangalore-15, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1976

[No. S. 35019/150/76-PF, II(i)]

का. आ. 1850.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीन होता है कि आर. पी. है, केन्द्रेक्टर, हंडस्ट्रियल एस्टेट, 13/6 एम. पी. हाउसिंग बोर्ड, भिलाई-1 (मध्य प्रदेश) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बह्संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकर्णि उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लाग् किए जाने नाहिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधि-नियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

1 जुलाई, 1976 को प्रवृत्त हुई समभ्री जाएगी।

[संख्या एस.-35019(214)/77-पी. एफ.-2(1)]

एस. एस. सहसनामन, उप सचिव

S.O. 1850.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs R. P. Dey, Contractor Industrial Estate, 13/6, M.P. Housing Board, Bhilai-I (Madhya Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment,

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1976.

[No. S. 35019/214/76-PF, II(i)]

S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

S.O. 1851.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kalipahari Colliery of Ghusick Sub-Area of Eastern Coalfields Limited, Burdwan and their workman, which was received by the Central Government on 7th May, 1977.

# CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL

# AT CALCUTTA

# Reference No. 7 of 1977

#### PARTIES

Employers in relation to the management of Kalipahari Colliery of Ghusick Sub-Area of Eastern Coalfields Limited. Burdwan.

## AND

Their Workmen.

# APPFARANCE:

On behalf of Employers—Absent.
On behalf of Workmen—Absent.

STATE: West Bengal INDUSTRY: Coal Mine

# AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, vide their Order No. 1.-19012/48/76-D.III(B)/D.IV(B), dated 28th February, 1977, referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Kalipnhari Colliery of Ghusick Sub-Area of Eastern Coalfields Limited. Burdwan and their workmen, to this tribunal, for adjudication. The reference reads:

- "Whether the management of Kalipahani Colliery of Ghusick Sub-Area of Eastern Coalfields Limited, Post Office Kalipahani, District Burdwan are justified in denying employment to Shrimati Neoti Bourin, Wagon Loader with effect from 17-1-1974? If not, to what relief is the said Shrimati Bourin entitled?"
- 2. In response to the summons issued to the parties they did not file any written statement. However they settled the dispute vide the application filed before me on 20-4-1977. The terms of settlement are as follows:
  - "4(a) The Management shall allow Shrimati Ncoti Baurin, Casual Wagon Loader, to resume duty within 7 days from the date when the Hon'ble Presiding Officer would accept this compromise petition.
  - (b) The workmen agree that they shall have no claim whatsoever with regard to any back wages in respect of the concerned workmen for the period of her unemployment from 17-1-1974 to the date when the workman resumes duty as per the settlement and the entire such period will be deemed as leave without pay.
  - (c) The Management may post the workman when she reports for duty according to this settlement, to the Colliery and the workman agree that the workman concerned shall report to the Colliery."
- 3. In the result an award is passed in terms of the above settlement by way of compromise.

  Dated Calcutta

The 29th April, 1977

E. K. MOIDU, Presiding Officer [No. L-19012(48)/76-D II(B)/D-lV(B)] JAGDISH PRASAD. Desk Officer

का. आ. 1852. केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में एसा करना अपेक्षित था. ऑन्ट्र्योगिक विगाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के ज्यबन्ध (६) के परन्तुक के उपवन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के अम मंत्रालय की अधिस्चना संख्या का. आ. 4698 तारीख 26 नवम्बर, 1976 द्वारा बैंक नोट प्रेंस, देवास में सेवा का उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 26 नवम्बर, 1976, से छः मारा की कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी गेवा घाषित किथा था:

और केन्द्रीय सरकार की राथ है कि लोकहित में उक्त काला-विध को छः मास की और कालाविध के लिए बढाया जाना अपेक्षित हैं।

अतः, अत्र, ऑद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ढ) के उप-खण्ड (६) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 26 मई, 1977 से छः मास की और कालाविध के लिए उपयोगी सेवा घोषित करती हुं।

[सं. एस. 11017/14/7/6डी. 1(ए)]

S.O. 1852.—Whereas, the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 4698 dated the 26th

November, 1976, the service in the Bank Note Press, Dewas, to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 26th November, 1976:

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vI) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 26th May, 1977.

[No. S. 11017/14/76 DI(A)]

# न**ह** दिल्ली, 18 म**ह**, 1977

का. आ. 1853. केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोहा अयस्क खनन उद्योग में सेवा को, जो ऑद्गोगित विवाद अधि-नियम, 1947 (1947 का 14) की पहली अन्स्टी में प्रविष्टि 16 में विनिर्दिष्ट हैं, लोकहित में उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया जाना अपेक्षित हैं:

अतः, अब, ऑद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ह) के उपखण्ड (ह) इवारा प्रदन्त शिक्सयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्दर्शांग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव में छः मास की अविधि के लिए लोक उपयोगी मेवा घोषित करती हैं।

[सं. एस. 11017/14/76/ही. 1(ए)]

# New Delhi, the 18th May, 1977

S.O. 1853.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the service in the Iron Ore Mining industry, which is covered by entry 16 m the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months,

[No. S. 11017/6'77/DI(A)]

## आचेश

का. आ. 1854.—भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय की अधिसूचना का. था. संख्या-461, निनांक 5 फरवरी, 1963 द्वारा गठित श्रम न्यायालय, जिसका मृह्यालय महास में स्थित हैं, के पीठासीन अधिकारी का पक्ष रिक्त हो गया हैं.

अतः, अत्र, आँद्रयोगिक विवाद अधिनियम, 1917 (1947 का 14) की धारा 8 के लपबन्धों के अनुसरण में केन्द्रीय गरकार शिरु पी. है. संधूरमण को पूर्वीवत गठित श्रम न्यायालय का पीठासीन अधिकारी नियक्त करती हैं।

[ਜਂ. एਜ. 11020/10/77/ਵੀ. 1 (ਧ)]

# ORDER

SJO. 1854.—Whereas a vacancy has occurred in the office of the Presiding Officer of the Labour Court with head-

quarters at Madras constituted by the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation S.O. No. 461 dated the 5th February, 1963.

Now therefore, in pursuance of the provisions of section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Thiru P. K. Sethuraman as the Presiding Officer of the Labour Court constituted as aforesaid.

[No. S. 11020/10/77/DI(A)]

का. आ. 1855.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने गर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षिस था, ऑक्सोरिक विवाद अधि-नियम 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ह) के उपराण्ड (6) के उपबन्धों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 4656, तारीख 20 नवस्वर, 1976 इवारा क्रोयला उद्योग को उक्त अधिनिषम के प्रयोगनों के लिए 27 नवस्वर, 1976 से छः मास की कालाविध के लिए लोक उपयोगी संत्रा घोषित किया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय हैं कि उक्त कालागिध को आगे छः मास की कालावधि के लिए बढाया जाना लोकीहत में अपेक्षित हैं :

अतः, अब, आँद्योगिक वित्राद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ह) के उपखण्ड (6) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 27 मई. 1977 से छः मारा की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा धोषित करती हैं।

[संख्या एस. 11017/7/77/इी. 1(ए)]

एल, के, नारायणन, डोक्क अधिकारी

S.O. 1855.—Whereas, the Central Government, having been satisfied that the public interest so required, had in pursuance of the provisions of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No S.O. 4656 dated the 20th November, 1976, the Coal Industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months from the 27th November, 1976;

And whereas, the Central Government is of oninion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 27th May, 1977.

[No. S. 11017/7/77/DI(A)]

# L. K. NARAYANAN, Desk Officer

S.O. 1856.—In purusance of section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Sendra Bansjora Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited, Post Office Bansiora, District Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 10th May, 1977.

## BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL

# TRIBUNAL NO. 1, AT DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

# Reference No. 27 of 1977

(Ministry's Order No. L-20012/150/75 D-III A Dt. 20-2-76)

# PARTIES:

Employers in relation to the management of Sendra Bansjora Colliery of M/s. B. C. C. Ltd. P.O. Bansjora, District Dhanbad;

#### AND

Their Workmen.

# APPEARANCES:

For the Employers-Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

For the Workmen-None.

STATE: Bihar.

INDUSTRY: Coal.

Dhanbad, the 4th May, 1977

## AWARD

The Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act referred the following dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal No. 2 at Dhanbad by their Order No. L-20012/150/73-D-III A, dated the 20th February, 1976, namely:—

- "Whether the action of the management of Sendra Bansjora Colliery of M/s. B. C. C. Ltd., P.O. Bansjora, District Dhanbad is justified in relusing to place Shri Rambaran Saw, C. C. M. Driver in Category VI as per Central Coal Wage Board Recommendations, from November 1974? If not, to what relief the said workman is entitled and from which date?"
- 2. The same was received in this Tribunal on transfer from Tribunal No. 2 on March 18, 1973 vide Government of India, Ministry of Labour, Order No. S-11025(1)/77-(i)-D.IV (B) dated the 22nd February, 1977.
- 3. The General Secretary, Colliery Engineering Workers Association, in his written statement on behalf of Rambaran Saw, has alleged that Rambaran Saw was a workman in the Loyabad Colliery as a Coal Cutting Machine Driver; that all such Drivers in the Loyabad Colliery were placed in Cat. VI in accordance with the recommendations of the Central Coal Wage Board; that Rambaran Saw was, however, discriminated against and placed in Category V; that the Manager of the Loyabad Colliery transferred him to the Sendra Bansjora Colliery with a written order that he would be placed in Category VI and would be paid the wages of a Category VI Driver; that Rambaran Saw joined the Sendra Bansjora Colliery and was placed in Category VI and was also paid wages for Category VI from November 1973 (when he joined this colliery) till October, 1974 but from the month of November, 1974 Category VI wages were refused to him; that he has an experience of 15 years and deserves to be classified in Category VI, and that the award should give that Category with full back wages from November, 1974.
- 4. The Bharat Coking Coal Limited in its written statement, has pleaded that Rambaran Saw was appointed as a Pump Khalasi in the Loyabad Colliety in 1961 and was later promoted as C. C. M. Driver in Category V in 1968; that the Central Coal Wage Board had recommended that C. C. M. Drivers should be either in Category V or Category VI depending on their skill and experience; that Rambaran Saw was fixed in Category V because he had been newly promoted; 31 GI/77—9

that he was transferred to the Sendra Bansjora Colliery by Order dated November 5, 1973; that his service particulars were transmitted by the Loyabad Colliery to the Sendra Bansjora Colliery and this showed him to be in Category V and it further showed that his case for up-gradation to Category VI had been torwarded to the Sub-Area Manager; that Rambaran Saw joined the Sendra Bansjora Colliery in the latter half of November, 1973 and thereafter he managed to obtain a slip signed by the acting Manager of Loyabad Colliery showing that he was a Driver of Category VI and should be paid wages for that Category; that the Sendra Bansjora Colliery paid him the wages of Rs. 13.30 per day as a Category VI Driver instead of Rs. 9.63 per day as a Category V driver on the basis of that slip even though he was never categorised as a Driver of Category VI, that the payment was made erroneously and without authority of the Sub-Area Manager who alone was competent to give Category VI to a Driver of Category V; that the payment of wages as Category VI driver was stopped from November 1974 when an enquiry was held and the mistake was detected; and that promotion is a managerial function which should not be lightly interfered with by the Tribunal except for special reasons, which are absent in the present case.

- 5. The reference was taken up for hearing in Tribunal No. 2 on November 12, 1976 in the presence of Sri B. N. Sharma, the representative of the workman, but was adjourned to December 21, 1976. On the adjourned date Sri B. N. Sharma did not appear and the management examined P. P. Singh as MW-I who remained un-cross-examined. After the receipt of the reference in this Tribunal, registered notice was sent to the General Secretary of the Collicry Engineering Workers Association but he again remained absent on April 19, 1977 and the management examined a second witness Harimoy Bhattacherjee MW-2. The evidence has thus been ex-parte against the workman. P. P. Singh was the Assistant Manager of I oynbad Collicry. He has admitted that the slip Ext. M-1 bears his signature and mentions that Rambaran Saw was a CCM. Driver of Category VI at Rs. 13.30 per day but he has stated that he did not sign it conscionsly and though he does not recollect the circumstances in which his signature was obtained thereon, he is definite that he did not intend to do so. He was only the acting Manager of the Collicry and had no power to issue such a slip. The slip is dated December 5, 1973 much after Rambaran Saw had already joined the Sendra Bansjora Colliery. P. P. Singh had therefore, no authority at all to issue such a slip in respect of a workman employed in a different colliery in connection with his transfer, and this mentions that he was a Category V Driver on a baic wage of Rs. 9.63 per day. It further mentions that his case for grant of Category VI had already been forwarded to the Sub-Area Manager. Obviously P. P. Singh could not have issued the slip knowingly as the order of the Sub-Area Manager had not been received and it appears to me that by some strategem or device, he happened to sign Ext. M-1. Harimov Bhattacherjce has deposed that Rambaran Saw was appointed as Category V Driver and from there to the Sendra Bansioia Colliery. He has further stated that only the Sub-Area Manager has the power to give Category VI Driver. T
  - 6. My award is that the management of the Sendra Bansjora Colliery were justified in refusing to place Rambaran Saw in Category VI and he is not entitled to any relief.

K. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

[No. L-20012/150/75-D. IIIA1

J. K. JAIN, Desk Officer

## New Delhi, the 23rd May, 1977

S.O. 1857.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Punjab National Bank, Darbhanga and their workmen, which was received by the Central Government on the 17-5-1977.

## BEFORE THE CFNTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL

#### TRIBUNAL NO. 1, AT DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

#### Reference No. 5 of 1976.

(Ministry's Order No. L-12012/25/76-D. II. A., dated. the 12th October, 1976).

#### PARTIES:

Employers in relation to the management of the Punjab National Bank, Darbhanga.

#### AND

## Their Workman.

#### APPEARANCES:

For the Management—Shri C. P. Panlgrahi, Assistant Personnel Officer.

For the Workman—Shri C. L. Bhardwaj, General Secretary, All India Punjab National Bank Employees Association and Shri Mohan Roy, Concerned Workman.

STATE: Bihar

INDUSTRY : Bank

# Dated, the 10th May, 1977

# AWARD

Mohan Roy was a Temporary Peon in the Darbhanga Branch of the Punjab National Bank. The management terminated his services on May 26, 1974; and when an industrial dispute was raised regarding the termination by the General Secretary, All India Punjab National Bank Employees Association, the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, referred that dispute to this Tribunal for adjudication.

The parties filed a settlement in the Tribunal composing the dispute and prayed that the award be given in terms of this settlement.

The award is, therefore, given in terms of the settlement, Annexure 'A' which shall form part of the award.

# K. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer ANNEXURE 'A'

# MEMORANDUM OF SETTLEMENT IN REFERENCE NO. 5 OF 1976

Shri C. P. Panigrahi, Assistant Personnel Officer of the Punjab National Bank and Shri C. L. Bhardwai, General Secretary, All India Punjab National Bank Employees Association and Shri Mohan Roy, the concerned workman, agree that Shri Mohan Roy will be appointed as a temporary employee of the Bank at Kharsawan Branch of the Bank in Singhhum District within a fortnight. The question of his absorption in the regular cadre will be considered in due course at par with other existing temporary employees, as and when his turn comes. He will be treated as a fresh temporary employee on and from the date when he joins his new appointment. However, for the purpose of consideration for permanency, his past period of service will be taken into account. He will not get any back wages for the period of his unemployment. He will also not be entitled to any other relief except the one agreed upon in 1937 this agreement. The parties agree that the award be given in terms of this settlement.

#### FOR THE MANAGEMENT

FOR THE WORKMAN

Sd/-

(C. P. PANIGRAHI)

(C. L. BHARDWAJ) (MOHAN RAI)

Sd/-

KUNJ BEHARI SRIVASTAVA, Presiding Officer
[F. No. L-12012/25/76-D. II.A]
R. P. NARULA, Under Secy.

# वाणिज्य मंत्रालय

### श्रावेश

नई दिल्ली, 4 जून, 1977

का अग्न 1858.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि निर्यात (क्यांसिटी नियंत्रण ग्रौर निरीक्षण) ग्रधिनियम, 1963 (1963 का 22) की घारा 8 द्वारा प्रदत्त गार्कनयों का प्रयोग करते हुए, भारत के निर्यात ध्यापार विकास के निए ऐसा करना ग्रावश्यक तथा सभीजीन है कि णृष्क बैटरी निर्यात से पूर्व क्यांभिटी नियंत्रण ग्रौर निरीक्षण के ग्रधीन हों;

ग्रीर केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नीचे त्रिनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाए हैं ग्रीर उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण ग्रीर निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम II के उप-नियम (2) की ग्रंपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भैज दिया है;

श्रतः श्रव उक्त उप-नियम के श्रनुसरण में केन्द्रीय सरकार उक्त प्रस्तावों को उन लोगों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती हैं जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

2. सूचना वी जाती है कि यदि कोई व्यक्ति उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई ग्राक्षेप या सुझाव देना चाहे, तो वह उन्हें इस ग्राधिसूचना के राजपन में प्रकाशित होने की नारीख से पैंसालीस दिन के भीसर निर्मात सिरीक्षण परिषद, 'बर्ल्ड ट्रेंड सेन्टर', 14/1-बी एजरा स्ट्रीट, ग्राठवी मंजिल, कलक्ता-700001 को भेज सकता है।

# प्रस्तुव

- (1) यह स्रिधिसूचित करना कि शष्क वैटिरियां निर्यात से पूर्व क्यां विटी निर्मत्रण स्रोर निरीक्षण स्राधीन होंगी;
- (2) इस आवेण के उपाबंध में दी गई सुष्क बैटरियों का निर्यात (क्वामिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1977 के प्रारूप के धनुसार क्वामिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार की, क्वामिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार की करना को ऐसी पुष्क बैटरी पर लागू किया जाएगा;
  - (3) (क) विनिर्वेणों को विदेशी फ़ैता तथा निर्यात-कर्ता के मध्य निर्यात संविद। में दिए गए के रूप में मान्यता देना,
  - (ख) णुष्क बैटरियों के लिए भारतीय मानक संस्थान या विवेश के राष्ट्रीय मानकों द्वारा जारी किए गए विनिर्देशों को या अन्तर्राष्ट्रीय विद्युत, तकनीकी ध्रायोग द्वारा जारी किए गए विनिर्देशों को मानक विनिर्देशों के रूप में मान्यता वेनी।

- (4) भ्रंतर्राष्ट्रीय क्यापान के दौरान ऐसी शुष्क बैटिन्यों के निर्यात
  को तब तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि उनके साथ निर्यात (क्वालिटी
  निग्न्नण और निरीक्षण) श्रिधिनयम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7
  के भ्रधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण ग्रिभिकरणों ने से किमी एक द्वारा
  जारी किया गया इस श्राणय का प्रमाण-पद्य न हो कि शुष्क बैटिन्या
  निर्यात योग्य हैं।
- इस श्रादेश की कोई भी बात गुष्क बैटरियों के प्रमाणिक नमृनों के भ्, जल या बायु मार्ग द्वारा निर्यात पर लागृ नहीं होंगी।
- यिभाषा—इस ब्रादेश में 'शुष्त बैटरियो' से फ्लैश लाईट, ट्रांजिस्टर उपकरण, श्रवण महाययों, फोटो फ्लैश लैम्पों तथा संचार उपकरणो जैंगे उपयोगों में प्रयुक्त 'लीक लैच' प्रकार की शुष्क बैटरियो तथा परत प्रकार की बैटरियों भी श्रांत्रित हैं और इसमे शुष्क मैल भी श्रांते हैं।

## उपाबध

निर्मात (क्वालिटी नियंवण मीट निरीक्षण) मधिनियम, 1963 (1963) का 22) की भारा 17 के अंतर्गत बनाए जाने वाले नियमों का प्ररूप।

- मिक्षाप्त नाम तथा प्रारम्भ (1) ये नियम गुष्क बैटरियों के क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1977 फलगायेंगे।
- (2) ये की प्रश्नुस होगे।
- ्र परिभाषाण्ं, → इन नियमों में जब तक कि सवर्थ से घन्यथा अपेक्षित न हों : → -
  - (क) ऋधिनियम से निर्यात (क्यालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण) ऋधिनियम, 1963 (1963 का 22) श्रमिप्रेन हैं।
  - (ध) 'ग्रभिकरण' में अक्षिनियम की धारा 7 के प्रधीन, कोचीन, मद्रास, कलकता, बम्बई तथा विल्ली में केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित प्रभिकरणों में से कोई एक प्रभिकरण अभिग्रेत हैं।
  - (ग) 'शुष्क बैटरियों' से फ्लैण लाईट, ट्रांजिस्टर उपकरण, श्रवण गहाययों, फोटो फ्लैश लैम्पो तथा संचार उपकरणों जैसे उपयोगों में प्रयुक्त 'लीक सैंच' प्रकार की शुष्क बैटरियों तथा परत प्रकार की बैटरियां भी श्रमिप्रेन हैं श्रौर इसमें शुष्क मेल भी श्राते हैं।
- 3 क्वालिटी नियंत्रण नथा निरीक्षण:——(1) गुष्क बैटिन्यों की क्वालिटी, इस नियमों से उपात्रध अनुसुची में विनिर्विष्ट नियंत्रण के स्नरों के अनुसार विनिर्माण के विभिन्न स्तरों पर निम्नलिखिन नियंत्रणा का प्रयोग करने हुए विनिर्माना द्वारा मुनिश्चिन की आएगो, अर्थास्:—
  - (i) क्य की गई नामग्री तथा सल्टक——(क) प्रयुक्त किए जाने वाले सामान या घटका के गुणधर्मों तथा सहायतात्रों सहित उनकी विस्तृत विभाग्रों तथा ग्रन्य लागू होने वाली ग्रोपेक्षात्रों को समाधिष्ट करने हुए विनिर्माता द्वारा क्य विनिर्देश ग्राधिकथित किए जाएंगे।
  - (ख) स्वीकृत परेषणां के साथ या प्रवाय कर्ता का कय विनिद्देशों की अपेक्षाओं की पुष्टि करने हुए परख प्रभाण पत्न होगा जिस वशा ने उक्त परख-प्रमाण पन्नो की गुद्धता संस्थापित करने के लिए पांच परेषणों में से कम ने कम एक बार कालिक जांच की जाएगी, या इस परख प्रमाण-पन्नों की प्रमूपस्थिति में, कय विनिर्देशों से उनकी प्रमुक्ष्पता की जांच करन के लिए प्रत्येव परेषण में से नमूनों की नियमित रूप से परख की जाएगी।
  - (ग) ग्राने बारे परेषणों की साख्यिकी नमूना योजना के ग्रनुसार क्रय विनिर्देशों से ग्रनुरूपमा सुनिष्चित करने के लिए निरीक्षण ग्रीर परखा की जाएगी।

- (घ) निरीक्षण भौर परस्य करने के पश्चान, दोषपूर्ण परेषणों के उचित पृथककरण तथा निपटान के लिए व्यवस्थित पद्धति भ्रपनाई जाएगी।
- (ङ) विनिर्माता द्वारा उपर्युक्त नियंत्रणों के संबद्ध में पर्याप्त श्रिभिलेख व्यवस्थित रूप से रखे जायेंगे।
- (ii) प्रक्रिया नियंत्रण (क) विनिर्माण की विभिन्न प्रत्रियात्रों के लिए विनिर्माता द्वारा विस्तृत प्रक्रिया विनिर्देश श्रिथिकथित किए जायेंगे।
- (ख) प्रक्रिया विनिर्देशों में प्रधिकथित की गई प्रक्रियात्रों के नियत्रण के लिए उपस्करों तथा उपसाधनों की पर्याप्त सुविधाएं होंगी।
- (ग) विनिम्मणिकी प्रक्रिया के दौरान किए गए नियंत्रणों के सस्यापन को श्रासान बनान के लिए विनिर्माला द्वारा पर्याप्त श्राभलेख रखे जायेगे।
- (iii) उत्पाद नियंद्रण (क) मानक विनिर्देशों के ध्रमुसार उत्पादन की परख करने के लिए विनिर्माता के पास या तो स्वय प्रपत्ती परख सुविधाए होगी या जहां ऐसी परख सुविधाएं न हो बहां उन तक उसकी पहुंचे होगी।
- (ख) विनिम्नति द्वारा उपयुक्त परखों के संबंध में पर्याप्त प्रभिन्नेखा व्यवस्थित रूप से रखे जायेंगे।
- (iv) पैंकिंग नियंत्रण—विनिर्माता निर्यात किए जाने वाले पैकेको के लिए व्योरेवार पैंकिंग विनिर्देश बनाएगा भ्रौर उनका कठोरना में पालन करेगा।
- (2) निर्यात के लिए आग्रायित गुष्क बैटिंग्या का निरीक्षण यह देखते के बिचार से किया जाएगा कि उप-नियम (1) मे वर्णिस नियंत्रणों का सुसंगत स्लरों पर पूर्ण रीति से प्रयोग किया गया है तथा क्या सुद्धी बैटिंग्यां मानक विनिर्देशों के अनुरूप है।
- म निरीक्षण की प्रक्रियाः (1) णुष्क बैटियो के परेषण का निर्मात करने का इच्छुक निर्यातकर्ता या विनिर्माता, संविदा विनिर्देणों का ब्योरा देने हुए प्रक्षिकरण को लिखित रूप में सूचना देगा तथा ऐसी सूचना के साथ यह घोषणा करेगा कि निर्यात के लिए आणित णुष्क बैटरी का परेषण, नियम 3 में अधिकथित क्यालिटी नियतणों का प्रयोग करके विनिर्मत किया गया है, परेषण इस प्रयोजन के लिए मान्यता प्राप्त विनिर्देणों की अपेक्षाओं के अनुष्य है निर्यातकर्ता उसी समय ऐसी सूचना की एक प्रकि परिषद् के निकटतम कार्यालय को भेजोगा। परिषद् के पने निस्तिखित हैं:

मुख्य कार्यालय :

निर्यात निरीक्षण परिषद्, 'बल्डे ट्रेंड सैन्टर', 14/1-बी, एतरा स्ट्रीट, प्राठवीं मंजिल, कलकता-1

क्षेत्रीय कार्यालय:

- निर्यात निरीक्षण परिषद्, 'ग्रमन चैम्बर्स', पांचवी मंजिल, 113, महर्षि कथें रोह, बम्बई-4
- निर्यात निरीक्षण परिषक्, मनोहर बिल्डिग्म, महात्मा गांबी रोड, एर्नाकुलम, कोचीन-11

- 3 निर्मात निरीक्षण परिषद्, 6-पी, सैक्टर 16-ए, मधुरा रोट, फरीदाबाद ।
- (2) नियति-कर्ताया विनिर्माता परेषण पर लगाए जाने वाले पहचान चिन्ह भी अभिकरण को देगा।
- (3) उपनियम (1) के अधीन प्रत्येक सूचना तथा घोषणा निर्यात-कर्ना या जिनिर्माता के परिसर से परेषण के भेजे जाने से कम से कम 10 दिन पहले अभिकरण के कार्यालय को पहुँचेगी।
- (4) उप-नियम (1) के भ्रधीन सूचना तथा शोषणा प्राप्त होने पर, श्रिकरण, श्रपना यह समाधान कर लेने पर कि विनिर्माण की प्रक्रिया के बौरान, नियम 3 में विनिर्मिण रिप्त क्यांलिटी नियंत्रनी सथा परिषद् द्वारा इस संबंध में जारी किए गए श्रनुदेशों, यदि कोई हों, का प्रयोग किया गया है परेषण की मान्य विनिर्वेशों में श्रनुक्पना सुनिश्चित करने के लिए जो धावण्यक समझे गए, निरीक्षण या परख करने के पश्चान् वस विनो के भीतर इस बान का प्रमाण पन्न जारी करेगा कि परेषण कवालिटी नियंत्रण तथा निरीक्षण संबंधी णतीं को पूरा करना है तथा नियति-योग्य है.

परन्तु जहां अभिकरण का इस प्रकार का समाधान नहीं होता, बहा वह उक्त 10 दिनों की प्रविध के भीतर ऐसा प्रमाण पत्र जारी करने से इन्कार कर देशा तथा प्राप्ते ऐसे धकार की सूचना नियति-कर्ता को उसके कारणीं सिंहन देशा।

- 5. मान्यता प्राप्त जिन्होंने का चिकाता तथा उसकी प्रक्रिया:—
  भारतीय मानक संस्थान (प्रमाणीकरण चिन्ह) नियम, 1952 (1952 का 36) भारतीय, मानक संस्थान (प्रणालीकरण) नियम, 1955 तथा भारतीय मानक संस्थान (प्रमाणीकरण चिन्ह) विनियम, 1955 के उपबंध नियति से पूर्व मुक्क बैट्रियां पर मान्य चिन्ह या मीन के चिपकाने की प्रक्रिया पर लागू होंगे। इस प्रकार से चिन्हिन णूक्क बैट्रिया नियम 4 के अंतर्गन किसी भी निरीक्षण के प्रयोग नहीं होंगे।
- 6. निरीक्षण णुल्क—प्रत्येक परेषण के लिए पांत पर्यन्त नि णुल्क मृख्य के प्रति 100 रुपए पर 50 पैसे की दर से नियति-कर्ता का रा प्रशिकरण को निरीक्षण फीस में दी जाएगी । यह फीस कम से कमा पचास रुपए होगी।
- 7. अपील--:(1) नियम 4 के उप-नियम (4) के अबीन प्रांभ-करण झारा प्रमाण-पत्न देन से ककार करने से व्यथित कोई व्यक्ति, इस प्रकार इन्कार किए जाने की सूबना प्राप्त होने के 10 दिसों के भीतर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त कम से कम तीन और अधिक से अधिक मान व्यक्तियों के विशेषतों के पैनन की अपील कर सकेगा।
- (2) विशेषणों के पैनल की कुल सदस्यना के कम स कम दा-लिहाई सदस्य गैर सरकारी होगे।
  - (3) पैनल की गणपूर्ति तीन को होगी।
- (4) प्रपील इसके प्राप्त होने के 15 विनों के भीतर निषटा दी जाएगी ।

श्रनुसूची (नियम 3 देखिए)

निरोक्षण/परखको विशेषनाएं	श्रपेक्षाए	नमूने का माकार	लौट का झाकार
1	2	3	4
1. खरीदी गई सामग्री तथा घटक :			
(क) कारीगरी, फिनिश, विमाएं	उस प्रयोजन के लिए	अभिलिखित भ्रन्वेदण	प्रत्येक स्त∖ट
	मान्यताप्राप्त विनि-	के ग्राधार पर	
	र्देशो के श्रनुसार	निश्चित किया जाएगा।	
(ख) भ्रन्य भ्रमेकाए/परख	–यथोक्त–	<i>−</i> यथोक्त–	–यथोवत⊸
2 कार्बन इलैक्ट्राड ब्लाकाकी उस्केन्द्रियता	य <b>थोक्न</b>	–य <b>थाक्त</b> –	–यथांवत⊷
<ol> <li>प्रारम्भिक घोल्टता परख</li> </ol>	यथ <del>ाय</del> स	–यथोक्त−	-यथोक्त-
<ol> <li>पूर्ण बैटिरिया .</li> </ol>			
(क) कारीगरी, फिनिश, विभाए टर्मिनल, चिह्नन प्रारम्भिक बोल्टना तथा प्रारम्भिक	<i>यथो<del>य</del>त−</i>	वेलन।कार के लिए 2	एक ही प्रकार नथा
<b>अवस्था</b> परस्थ		नग नधा एक नग	नमूने की बैटरियो
		मबेलनाकार के लिए	का चार घंटे कर
			'उत् <b>पादन</b> '
(ख्र) कारीगरी, फिनिश, विमाएटर्मिन ।, चिक्क्षन प्रारम्भिक वोल्टना तथाप्रारम्भिक			
<b>श्रवस्या परेखें</b>	′ –यथाक्त–	यथ <del>ोक्त</del> –	−यथोक्त
(ग) मुह्रअन्द मिश्रण	यथो <del>प</del> त	5 नग	एक सप्ताहका
			उत्प <b>ाद</b> म
(घ) गुष्क् उष्मा की अवस्था के घ्रन्तर्गत विसम्बन ग्रवस्था	–यथोक्त⊢	10 नग	एक ही प्रकार तथा
			नम् ने की बैटरियों के
			लिए 6 महीने में
			एक बार
<b>₹(उ</b> :) शोरुफ अन्नस्था परख	–यथोक्त–	10 नग	एक ही नमूने के लिए
			वर्षमे एक आर

[सं० 6(24)/76-नि०नि० तथा नि० छ०] के० बी० बालमुख्याणियम, उप निदेशक

#### MINISTRY OF COMMERCE

#### ORDFR

New Delhi, the 4th June, 1977

S.O. 1858.—Whereas the Central Government is of opinion that in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act 1963, (22 of 1963), it is necessary or expedient so to do for the development of export trade of India that dry batteries shall be subject to quality control and inspection prior to export:

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council, as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-tule, the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2 Notice is hereby given that any person destring to forward any objection of suggestion with respect to the said proposals may forward the same within forty five days of the date of publication of this notification in the official Gazette to the Export Inspection Council, 'World Trade Centre", 14/1B, Fria Street, 7th Floor, Calcutta-700001

#### Proposals

- (1) To notify that dry batteries shall be subject to quality control and inspection prior to export;
- (2) To specify the type of quality control and inspection in accordance with the draft Export of Dry Batteries (Quality Control and Inspection) Rules, 1977, set out in the Annexure to this Order as the type of quality control and inspection which would be applied to such dry batteries;
  - (3) To recognise.—
    - (a) the specifications as stipulated in the export contract between the foreign buyer and the exporter;
    - (b) the specifications issued by the Indian Standards Institution on National Standards of a foleign country or the specifications issued by International Electrotechnical Commission for Dry Batteries as the Standard Specifications.
- (4) To prohibit the export, in the course of international trade of such dry batterles unless the same are accompanied by a certificate issued by one of the agencies established under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act. 1963 (22 of 1963) to the effect that the Jry batteries are export-worthy.
- 3. Nothing in this Order shall apply to the export by land, sea or air of bonafide samples of dry batteries.
- 4 Definition.—In this Order 'dry batteries' shall mean 'Leclanche' type dry batteries as well as Laver type of Batteries used in applications such as flash lights, transistorized equipments, hearing aids, photoflash lamps and communication equipment and include Dry Cells

# ANNEXURE

Draft rules proposed to be made under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

- 1 Short title and commencement—(1) These rules may be called the Export of Dry Batteries (Quality Control and Inspection) Rules, 1977.
  - (2) They shall come into force......
- 2. Definitions —In these rules, unless the context otherwise requires—
  - (a) 'Act' means the Fxport (Quality Control and Inspection) Act 1963 (22 of 1963),

- (b) 'agency' means any one of the agencies established by the Central Government at Cochin, Madras. Calcutta, Bombay and Delhi under section 7 of the Act:
- (c) 'dry batteries' means I aclanche type dry batteries as well as I ayer type of batteries used in applications such as flash lights, transistorized equipments, hearing aids, photoflash lamps and communication equipments and include Dry Cells.
- 3. Quality Control and Inspection—(1) The quality of dry batteries shall be ensured by the manufacturer by effecting the following controls at different stages of manufacture together with the levels of control specified in the Schedule attached to these rules; namely—
- (1) Bought out materials and components—(a) (a) Purchase specifications shall be laid down by the manufacturer incorporating the properties of materials or components to be used, detailed dimensions thereof with tolerances and other requirements as applicable.
- (b) The accepted consignments shall be either accompanied by a supplier's test certificate corroborating the requirements of the purchase specification in which case occasional check, at least one out of five consignments, shall be conducted by the manufacturer for a particular supplier to verify the correctness of the aforesaid test certificate or in the absence of such test certificates, samples from each consignment shall be regularly tested to check up its conformity to the purchase specification.
- (c) The incoming consignments shall be inspected and tested for ensuing conformity to purchase specifications against statistical sampling plan
- (d) After the inspection and tests are carried out, systematic methods shall be adopted for proper segregation and disposal of defectives.
- (e) Adequate records in respect of the above mentioned controls shall be systematically maintained by the manufacturer.
- (ii) Process control.—(a) Detailed process specifications shall be laid down by the manufacturers for various process of manufacture;
- (b) Equipment and instrumentation facilities shall be adequate to control the processes as laid down in the process specifications.
- (c) Adequate records shall be maintained by the manufacturer to enable the verification of the controls exercised during the process of manufacture
- (iii) Product control—(a) The manufacturer shall either have his own testing facilities or shall have access to such testing facilities existing elsewhere to test the product as per the standard specifications.
- (b) Adequate accords in respect of above test shall be systematically maintained by the manufactures.
- (iv) Packing control—The manufactures shall lay down a detailed packing specification for export packages and would strictly adhere to the same.
- (2) The inspection of dry batteries intended for export shall be carried out with a view to seeing that the controls, mention in sub-rule (1) have been exercised at the relevant levels satisfactorily and the dry batteries conform to the sandard specifications.
- 4 Procedure of inspection—(1) The exporter or manufacturer intending to export a consignment of dry batteries shall give infimation in writing to the agency indicating the details of the contractual specification and submit along with such intimation a declaration that the consignment of dry batteries intended for export has been manufactured by exercising quality controls laid down in rule 3, and that

the consignment conforms to the requirements of the specifications recognised for this purpose. The exporter shall at the same time endorse a copy of such intimation to the nearest office of Council. The addresses of the Council are as under:

- Head office—Export Inspection Council 'World Trade Centre' 14/1B, Ezta Street, 7th floor, Calcutta-1.
- Regional offices—1. Export Inspection Council 'Aman Chambers' 4th floor, 113, Maharshi Kurve Road, Bombay-4.
- 2. Export Inspection Council Manohar' Buildings, Mahatma Gandhi Road, Ernakulam, Cochin-11.
- Export Inspection Council, 6-P, Sector 16-A, Mathura Road, Faridabad.
- (2) The Exporters or manufacturer shall also furnish to the agency the identification marks applied on the consignment,
- (3) Every intimation and declaration under sub-rule (1) shall reach the office of the agency not less than ten days prior to the despatch of the consignments from the exporter's or manufacturer's premises.
- (4) On receipt of the intimation and declaration under subrule (1) the agency, on satisfying itself that during the process of manufacture, adequate quality controls, specified under rule 3 have been exercised and the instructions if any, issued by the Council in this regard and after further inspection or testing as considered necessary to ensure conformity of the consignment to the standards specification, shall within ten days issue a certificate that the consignment satisfies the conditions relating to quality control and inspection and is export-worthy:

Provided that where the agency is not so satisfied, it shall within the said period of ten days refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the Exporter along with the reasons therefor.

- 5. Affixation of Recognised mark and procedure thereof.— The provisions of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act 1952 (36 of 1952), the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 and the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955 shall so far as may be, apply in relation to the procedure of affixation of the recognised mark or seal on Dry Batteries prior to export Dry Batteries so marked shall not be subjected to any inspection under rule 4.
- 6. Inspection fee.—Subject to a minimum of rupees fifty for each consignment, a fee at the rate of fifty paise for every hundred rupees of f.o.b. value, shall be paid by the exporter to the agency as inspection fee.
- 7. Appeal.—(1) Any person, aggrieved by the refusal of the agency to issue a cretificate under sub-rule (4) of rule 4, may, within ten days of the receipt of the communication of such refusal by him prefer an appeal to panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons, appointed for the purpose by the Central Government.
- (2) The panel shall consist of at least two-third of non-officials of the total membership of the panel of experts.
  - (3) The quorum for the panel shall be three.
- (4) The appeal shall be disposed of within fifteen days of its receipts.

#### **SCHEDULE**

(See rule 3)

Sl. Particulars of inspection/test No.	Requirement Sample size		Lot size	
1. Bought out materials and components:	•			
(a) Workmanship, finish dimensions	As per standard specifications recog- nised for the purpose		Each lot	
(b) Other requirements/tests	-do-	-do-	-do-	
2. Eccentricity of carbon rod electrode	-do-	-do~	-do-	
3. Initial voltage test	-do-	Each	-do-	
4. Finished Batteries:				
(a) Workmanship, finish dimensions, terminals marking, initial voltage and initial life test	-do-		4 hours' production of batteries of same type and design.	
(b) Workmanship, finish, dimensions, terminals, marking, initiation voltage and delayed life test	al -do-	-đo-	-do-	
(c) Sealing compound	-do-	5 nos	One week's production.	
Delayed life under dry heat conditions	-do-	10 Nos.	One in six months for batteries of same type & design.	
Shelf life test	-do-	10 Nos.	Once in a year for the same design.	

# नागरिक पूर्ति और सहकारिया मंत्रालय

नई विल्ली, ३० धप्रैल, 1977

कारुआ 1859.—केस्ट्रीय सरकार, श्रिप्रम सिवदा (शिनियमन) श्रिविनियम, 1952 (1952 का 71) की धारा 5 के अधीन हैं दूर इंडिया काटन ऐसोमिएणन जिरु, उज्जैन हारा भान्यता के नवीकरण के लिए किये गये श्राविदन पर वायदा बाजार श्रायोग के परामणी से यिचार करके श्रीर यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना व्यापार के हिन में और लोकहिन में भी होगा, एसब्हारा उक्न श्रिधिनयम की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त गिमिएणन का कपास की श्रियम संविदाशों के बारे में 16 श्राप्रैल, 1977 से 15 श्राप्रेल, 1978 (जिसमें ये दोनों दिन भी सम्मिलन हैं) को एक वर्ष की ग्रिनियक कालाविध के लिए मान्यता प्रदान करती है।

2. एक्द्डारा प्रदक्त मान्यता इस शर्त के प्रधीन है कि उक्त ऐसोसिएणन ऐसे निदेशों का पालन करेगा जो वायदा बाजार आयोग द्वारा समय समय पर दिए जायें।

> [मिमिल संख्या 12(4)-आई०टी०/77] ए० भवई, उप सचिव

## MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES & COOPERATION

New Delhi, the 30th April, 1977

- S.O. 1859.—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952) by the Central India (otton Association Ltd., Ujjain and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by the Section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of one year from the 16th April, 1977 to the 15th April, 1978 (both days inclusive), in respect of forward contracts in cotton.
- 2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such conditions as may, from time to time, be given by the Forward Markets Commission.

[F, No. 12(4)-IT/77]

A. MUBAYI, Dy. Secy.